जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, शनिवार 24 अक्टूबर, 2026

विचार बिन्दु

सौभाग्य वीर से डरता है और कायर को डराता है। –अज्ञात

लोकतंत्र की असली परीक्षा स्थानीय शासन में

लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की समस्याओं के समाधान के लिए जिम्मेदारी सौंपने की प्रक्रिया है। चुनाव के दौरान राजनीतिक दल विकास, सुशासन और बेहतर नागरिक सुविधाओं के वादे करते हैं। मतदाता भी इन्हीं उम्मीदों के साथ अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करता है। लेकिन चुनाव जीतने के बाद जनप्रतिनिधियों की असली परीक्षा शुरू होती है। यह परीक्षा भाषणों और राजनीतिक दावों से नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन में आने वाले बदलावों से होती है। सड़कें बेहतर हुईं या नहीं, घरों तक स्वच्छ पानी पहुंचा या नहीं, सफाई व्यवस्था सुधरी या नहीं और नागरिकों की शिकायतों का समाधान समय पर हुआ या नहीं–लोकतंत्र की सफलता का वास्तविक आकलन इन्हीं सवालों से होना चाहिए।

राजस्थान में इन दिनों चल रहे पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव इस विषय को और प्रासंगिक बनाते हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने अक्टूबर 2026 में जिला परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों के चुनावों के लिए चरणबद्ध कार्यक्रम घोषित किया है। इस कार्यक्रम के तहत 41 जिला परिषदों, 457 पंचायत समितियों और 14,403 ग्राम पंचायतों में चुनाव कराए जा रहे हैं। जयपुर जिले में चुनाव चार चरणों में निर्धारित किए गए हैं। यह चुनावी प्रक्रिया केवल प्रतिनिधियों को चुनने का अवसर नहीं है, बल्कि ग्रामीण विकास की दिशा और स्थानीय लोकतंत्र की मजबूती पर विचार करने का भी अवसर है। इस व्यापक प्रक्रिया की जानकारी देता है।

पंचायत चुनावों की विशेषता यह है कि यहां मतदाता अपने प्रतिनिधियों को व्यक्तिगत रूप से जानता है। गांव की सड़क, पेयजल, नाली, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, सार्वजनिक भूमि और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े सवाल सीधे पंचायत के कामकाज से जुड़ते हैं। सरपंच और वार्ड पंच की भूमिका इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे गांव के नागरिकों और प्रशासन के बीच सबसे नजदीकी कड़ी होते हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें विभिन्न गांवों की जरूरतों, विकास योजनाओं और सरकारी विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना होता है।

इसलिए पंचायत चुनावों में केवल जातीय समीकरण, व्यक्तिगत संबंध और राजनीतिक दलों की प्रतिष्ठा ही चर्चा के विषय नहीं होने चाहिए। मतदाताओं को यह भी देखना चाहिए कि उम्मीदवार गांव की समस्याओं को कितना समझता है, सार्वजनिक धन के उपयोग में कितनी पारदर्शिता रख सकता है और विकास कार्यों को लेकर उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं। चुनाव के दौरान किए गए वादों का मूल्यांकन चुनाव के बाद भी होना चाहिए।

भारत में पंचायतीराज व्यवस्था को संवैधानिक मजबूती देने के लिए 73वां संविधान संशोधन किया गया था। इसके माध्यम से ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद जैसी संस्थाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान मिला। संविधान के भाग नौ में पंचायतों से संबंधित प्रावधान हैं, जबकि ग्यारहवीं अनुसूची में कृषि, ग्रामीण आवास, पेयजल, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास तथा गरीबी उन्मूलन सहित 29 विषयों का उल्लेख है, जिन्हें पंचायतों से जोड़ा जा सकता है। इस व्यवस्था का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को अपने विकास से जुड़े निर्णयों में भागीदारी का अवसर देना था।

हालांकि संवैधानिक प्रावधानों और जमीनी हकीकत के बीच अभी भी अंतर दिखाई देता है। पंचायतों को जिम्मेदारियां तो दी जाती हैं, लेकिन कई बार उनके पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित कर्मचारी या निर्णय लेने की स्वतंत्रता नहीं होती। विकास योजनाओं के लिए धन की उपलब्धता और उसका समय पर उपयोग भी महत्वपूर्ण है। यदि पंचायत को गांव की सड़क बनानी है, लेकिन स्वीकृति या बजट के लिए बार-बार दूसरे कार्यालयों पर निर्भर रहना पड़ता है, तो विकास कार्यों में देरी हो सकती है। इसलिए पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए केवल चुनाव कराना पर्याप्त नहीं है। पंचायतों को जिम्मेदारी के अनुरूप अधिकार, संसाधन और प्रशासनिक क्षमता भी देनी होगी।

ग्रामीण राजस्थान की चुनौतियां बहुआयामी हैं। कई गांवों में पेयजल की नियमित उपलब्धता, सिंचाई, ग्रामीण सड़कों का रखरखाव, नालियों की सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। किसानों के लिए कृषि उत्पादों का उचित मूल्य, पशुपालन, चारा, स्थानीय रोजगार और जल संरक्षण भी उतने ही आवश्यक हैं। युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाना ग्रामीण विकास के महत्वपूर्ण आयाम हैं।

लोकतंत्र की असली परीक्षा चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि जनता के जीवन को बेहतर बनाने में है। पंचायत चुनावों की सफलता भी तभी मानी जाएगी, जब गांवों में विकास के वादे धरातल पर उतरें और आम ग्रामीण को अपने जीवन में उसका वास्तविक लाभ दिखाई दे।

पंचायतों को इन समस्याओं का समाधान करने के लिए गांव की जरूरतों के अनुसार प्राथमिकताएं तय करनी चाहिए। विकास का अर्थ केवल नई इमारत बनाना या किसी सड़क का उद्घाटन करना नहीं है। असली विकास तब दिखाई देता है, जब सरकारी विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता सुधरे, स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक सेवाएं मिलें, पेयजल की समस्या कम हो और गांव के गरीब परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। सार्वजनिक धन का उपयोग ऐसी प्राथमिकताओं पर होना चाहिए, जिनसे अधिकतम लोगों को वास्तविक लाभ मिले।

स्थानीय शासन की गुणवत्ता का एक महत्वपूर्ण पैमाना पारदर्शिता भी है। ठाामसभा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ठाामसभा की नियमित बैठकें हों, विकास योजनाओं और बजट की जानकारी सार्वजनिक की जाए तथा मनरेगा सहित विभिन्न योजनाओं के कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण किया जाए, तो अनियमितताओं की संभावना कम की जा सकती है। नागरिकों को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि गांव के विकास के लिए कितना धन मिला, कहां खर्च हुआ और कौन-से कार्य अभी अधूरे हैं।

इसके साथ ही पंचायत प्रतिनिधियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। चुनाव जीतने के बाद प्रतिनिधि को गांव के लोगों से नियमित संवाद करना चाहिए। ग्रामसभा केवल औपचारिक बैठक न बने, बल्कि उसमें महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, गरीब परिवारों और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो। स्थानीय जरूरतों के बारे में निर्णय लेते समय उन वर्गों की आवाज भी सुनी जानी चाहिए, जिनकी समस्याएं अक्सर सार्वजनिक चर्चा में पीछे रह जाती हैं।

राजस्थान में पंचायत चुनावों का एक व्यापक आर्थिक महत्व भी है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तो उसका असर कृषि, स्थानीय व्यापार, निर्माण और उपभोग पर पड़ेगा। यदि गांवों में सड़क, सिंचाई, भंडारण और बाजार तक पहुंच बेहतर होती है, तो किसानों की लागत घटाने और आय बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत होती हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने से शहरों की ओर मजबूरी में होने वाला पलायन भी कम किया जा सकता है। इस प्रकार पंचायतें केवल प्रशासनिक संस्थाएं नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने वाली इकाइयां भी हैं।

यहां एक और महत्वपूर्ण बात समझने की जरूरत है। पंचायत चुनावों में राजनीतिक दलों की भागीदारी और प्रतिस्पर्धा लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकती है, लेकिन गांव का विकास किसी एक दल के हित से बड़ा विषय है। चुनाव के बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर काम करना चाहिए। राज्य सरकार, जिला प्रशासन, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों के बीच बेहतर समन्वय से ही विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव है।

लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका भी मतदान के दिन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। नागरिकों को ग्रामसभा में भाग लेना, योजनाओं की जानकारी प्राप्त करना और सार्वजनिक कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखना चाहिए। यदि किसी काम में अनियमितता दिखाई देती है तो निर्धारित प्रशासनिक और कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से शिकायत की जानी चाहिए। जागरूक नागरिक भागीदारी से ही स्थानीय संस्थाओं की जवाबदेही मजबूत होती है।

अंततः पंचायत चुनावों का महत्व केवल इस बात में नहीं है कि किस उम्मीदवार को कितने वोट मिले या किस राजनीतिक दल को कितनी सीटें मिलीं। असली महत्व इस बात का है कि अगले पांच वर्षों में गांवों के जीवन में क्या बदलाव आता है। क्या पेयजल की समस्या कम होती है? क्या ग्रामीण सड़कें बेहतर होती हैं? क्या विद्यालय और स्वास्थ्य केंद्र अधिक प्रभावी बनते हैं? क्या किसानों और युवाओं को नए अवसर मिलते हैं? क्या सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचता है? इन सवालों के जवाब ही पंचायतों के कार्यकाल की वास्तविक उपलब्धि तय करेंगे।

राजस्थान में चल रहे पंचायत चुनाव ग्रामीण लोकतंत्र को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण अवसर हैं। मतदाताओं के सामने अपने प्रतिनिधियों को चुनने के साथ-साथ गांव के विकास की दिशा तय करने की जिम्मेदारी भी है। निर्वाचित प्रतिनिधियों को समझना होगा कि जनादेश अधिकार के साथ जवाबदेही भी देता है। सरकार को पंचायतों को पर्याप्त संसाधन और अधिकार देने होंगे तथा नागरिकों को उनके कामकाज पर नजर रखनी होगी।

लोकतंत्र की असली परीक्षा चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि जनता के जीवन को बेहतर बनाने में है। पंचायत चुनावों की सफलता भी तभी मानी जाएगी, जब गांवों में विकास के वादे धरातल पर उतरें और आम ग्रामीण को अपने जीवन में उसका वास्तविक लाभ दिखाई दे।

–अतिथि सम्पादक,
राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान का नया कृषि मॉडल : बिना पढ़े वैज्ञानिक बनो योजना

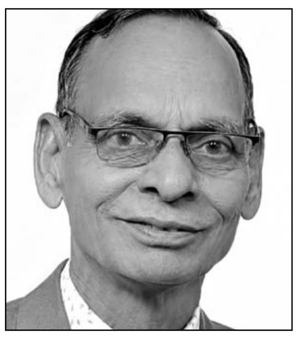

प्रोफेसर (डॉ.) पी. सी. कंठालिया

राजस्थान ने कृषि शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांतिकारी खोज की है, जिसके सामने दुनिया के बड़े-बड़े शिक्षा विशेषज्ञ भी नतमस्तक हो जाएँगे। अब कृषि वैज्ञानिक बनने के लिए न शिक्षक चाहिए, न प्रयोगशाला, न खेत में प्रयोग करने की जरूरत और न ही मिट्टी की पहचान का व्यावहारिक ज्ञान। जब बिना पढ़ाए डिग्री दी जा सकती है, तो पढ़ाने पर पैसा खर्च करने की जरूरत ही क्या है? इसी महान विचार को राजस्थान का नया कृषि शिक्षा मॉडल कहा जा सकता है-'बिना पढ़े वैज्ञानिक बनो योजना'। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के स्वीकृत 38 पदों में एक भी पद भरा हुआ नहीं है। एसोसिएट प्रोफेसर के 100 पदों में से 92 और असिस्टेंट प्रोफेसर के 297 पदों में से 214 पद रिक्त हैं। अर्थात् शिक्षकों के लगभग 80 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। अशैक्षणिक कर्मचारियों के करीब 70 प्रतिशत पद भी रिक्त बताए जाते हैं। इसे प्रशासनिक विफलता कहना उचित नहीं होगा; आखिर यह सरकारी खजाने की बचत का अभिनव प्रयोग भी तो हो सकता है! वेतन पर खर्च नहीं होगा, तो बची हुई राशि से नई इमारतें बनेंगी, उद्घाटन समारोह होंगे और अखबारों में उपलब्धियों के विज्ञापन छपेंगे। शिक्षा की गुणवत्ता जैसे छोटे-मोटे प्रश्नों पर ध्यान देने से विकास की गति बाधित भी तो हो सकती है। शस्य विज्ञान विभाग इसका शानदार उदाहरण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, यहाँ 19 स्वीकृत शिक्षकीय पदों के विरुद्ध केवल एक प्रोफेसर कार्यरत हैं, जबकि लगभग 20 स्नातकोत्तर विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। अब एक शिक्षक कितने विद्यार्थियों को पढ़ाए, कितने शोधार्थियों का मार्गदर्शन करे और कितने प्रयोगों की निगरानी करे? लेकिन हमारे शिक्षा मॉडल में ऐसी समस्याओं का समाधान खोजने की जरूरत ही नहीं। जब शिक्षक एक है, तो विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है। आखिर आत्मनिर्भर भारत का सपना भी तो यही है कि हर व्यक्ति अपना काम स्वयं करे-विद्यार्थी पढ़ाई स्वयं करें, प्रयोग स्वयं सोचें और शोध के निष्कर्ष भी स्वयं ही निकाल लें। डूंगरपुर कृषि महाविद्यालय का उदाहरण तो इस क्रांति को नई ऊँचाइयों पर ले जाता है। यदि पूरे महाविद्यालय में केवल एक अध्यापक उपलब्ध हो, तो इसे शिक्षकों की कमी क्यों कहा जाए? इसे तो 'एक शिक्षक, अनेक संभावनाएँ' योजना का नाम दिया जाना चाहिए। एकलव्य ने गुरु द्रोणाचार्य की अनुपस्थिति में धनुर्विद्या सीख ली थी। फिर हमारे विद्यार्थी बिना पर्याप्त शिक्षकों के गेहूँ और जौ में अंतर करना क्यों नहीं सीख सकते? हाँ, एकलव्य के पास साधना और अनुशासन था, जबकि आज के विद्यार्थी के पास इंटरनेट है। समय बदल गया है, साधन बदल गए हैं और शायद शिक्षा की परिभाषा भी! इस व्यवस्था में विद्यार्थी भी परम सुखी हैं। चार साल का पाठ्यक्रम पूरा कीजिए, परीक्षा के दिनों में कुछ पन्ने याद कीजिए और कृषि स्नातक बन जाइए। खेत में बीज कब बोया जाता है, मिट्टी में किस पोषक तत्त्व की कमी है, खाद कितनी डालनी चाहिए और कीटों से फसल कैसे बचानी है-इन प्रश्नों का उत्तर बाद में भी खोजा जा सकता है। डिग्री पहले, ज्ञान बाद में। नौकरी मिल गई तो ठीक, नहीं मिली तो कोई बात नहीं। कृषि की डिग्री लेकर दूसरे व्यवसाय में चले जाइए। आखिर डिग्री तो डिग्री है; उसके पीछे वास्तविक ज्ञान की शर्त जोड़ना शिक्षा की स्वतंत्रता पर अनावश्यक प्रतिबंध ही माना जाएगा। छात्र परम सुखी है। चार साल तक हॉस्टल में ऐश करो, रील बनाओ, परीक्षा के पहले दो पेज रट लो, और लो - आप कृषि स्नातक बन गए। डिग्री है तो नौकरी की चिंता क्यों? और नौकरी न भी मिले तो क्या? पकौड़े तलना तो आता ही होगा, वो भी तो कृषि आधारित उद्योग ही है। अध्यापक परम सुखी है। कॉलेज में एक ही है, तो क्लास लेने कौन जाएगा? वेतन हर महीने खाते में आ रहा है, पढ़ाना नहीं पड़ रहा। इससे ज्यादा अच्छी नौकरी और क्या होगी? कुलगुरु परम सुखी हैं। स्टाफ नहीं है तो फाइलें नहीं हैं, फाइलें नहीं हैं तो काम नहीं है। काम नहीं है तो टेंशन नहीं है। सरकार ने बंगला दिया है, गाड़ी दी है, नौकर दिया है। तीन साल तक इस सुख को भोगो, फिर अगली यूनिवर्सिटी में चले जाओ। किसने कहा कि कुलपति को पढ़ाई देखनी होती है? कुलपति का काम तो कुल को पालना है, ज्ञान को नहीं। एक रिपोर्ट में बताया गया कि 21 कैबिनेट मंत्रियों के 18-35 साल के बच्चों में से जिनके बारे में जानकारी मिली, उनमें से 15 के पास विदेशी डिग्री है या वे विदेश में पढ़ रहे हैं अब सवाल उठता है कि हमारे माननीय नेता अपने बच्चों को लाखों रुपये खर्च करके विदेश क्यों पढ़ने भेजते हैं? यह तो देशद्रोह है। अरे, बुला लो उन बच्चों को वापस। यहाँ में एडमिशन दिलाओ। यहाँ बिना पढ़े डिग्री मिलती है, बिना खेत गए वैज्ञानिक बनते हैं। धन्य है राजस्थान की यह कृषि शिक्षा क्रांति। दुनिया ने हरित क्रांति देखी थी, हमने "बिना शिक्षक क्रांति" देख ली।

प्रोफेसर (डॉ.) पी. सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर

अपशिष्ट से संपदा, तकनीक से समाधान: स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त राजस्थान की ओर बढ़ते कदम

त्योहारों की खुशियों के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक निगरानी प्रणालियों से प्रदूषण नियंत्रण को मिल रही नई दिशा

डॉ. अमृता कटारा

जयपुर। त्योहार भारतीय संस्कृति में उल्लास, परंपरा और सामूहिकता के प्रतीक हैं। दीपावली सहित विभिन्न पर्वों के दौरान बाजारों की रौनक, घरों की सजावट, रोशनी और उत्सव का वातावरण जनजीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। लेकिन उत्सवों की इस चमक के साथ पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी जुड़ी है। त्योहारों के दौरान बढ़ने वाला ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक एवं पैकेजिंग सामठाी, फूल-मालाओं का कचरा, निर्माण एवं सजावटी सामठाी के अवशेष तथा पटाखों से उत्पन्न वायु प्रदूषण पर्यावरण के समक्ष कई चुनौतियां प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में उत्सवों की सार्थकता केवल भव्य आयोजन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि यह स्वच्छता, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता में भी दिखाई देनी चाहिए। वास्तविक उत्सव वही है, जिसकी खुशियां वर्तमान के साथ आने वाली पीढ़ियों के पर्यावरण को भी सुरक्षित रखें।

आज अपशिष्ट प्रबंधन का दृष्टिकोण तेजी से बदल रहा है। जिस कचरे को कभी अनुपयोगी मानकर फेंक दिया जाता था, वही उचित पृथक्करण, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण के माध्यम से उपयोगी संसाधन बन सकता है। इसी प्रकार, आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डिजिटल निगरानी और वैज्ञानिक विश्लेषण प्रदूषण की पहचान, पूर्वानुमान तथा नियंत्रण के नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। राजस्थान के लिए यह बदलाव विशेष महत्व रखता है, जहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिक गतिविधियों, परिवहन और मौसमी परिस्थितियों के बीच पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना सतत विकास की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

तकनीक आधारित पर्यावरण प्रबंधनः समस्या की पहचान से समाधान तक

पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में तकनीक का महत्व अब केवल प्रदूषण के आंकड़े एकत्र करने तक सीमित नहीं है। आधुनिक निगरानी प्रणालियां, डिजिटल प्लेटफॉर्म, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और पूर्वानुमान आधारित विश्लेषण प्रदूषण नियंत्रण को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने में सहायक हो सकते हैं। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा वायु गुणवत्ता की सतत निगरानी, औद्योगिक उत्सर्जन एवं अपशिष्ट जल की ऑनलाइन निगरानी तथा वायु गुणवत्ता की पूर्व चेतावनी प्रणालियों के माध्यम से इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। मंडल की आधिकारिक वेबसाइट पर जयपुर, अलवर और भिवाड़ी के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों की जानकारी उपलब्ध है। सतत परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली इस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन केंद्रों के माध्यम से पीएम 2.5, पीएम 10 तथा अन्य प्रमुख वायु प्रदूषकों की निगरानी की जाती है। राजस्थान सरकार की वर्ष 2026-27 की आर्थिक समीक्षा के अनुसार, दिसंबर 2025 तक राज्य में 46 सतत वास्तविक-समय परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र संचालित थे। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम के अंतर्गत 57 केंद्र कार्यरत थे। ये व्यवस्थाएं वायु गुणवत्ता की स्थिति समझने, प्रदूषण के स्तर में होने वाले बदलावों का आकलन करने और आवश्यक नियंत्रणात्मक कदमों के लिए वैज्ञानिक आधार उपलब्ध कराती हैं। जयपुर, भिवाड़ी, अलवर जैसे तेजी से विकसित होते शहरों में वायु गुणवत्ता की पूर्व चेतावनी प्रणाली का महत्व विशेष रूप से बढ़ जाता है। मौसम, हवा की गति और दिशा, तापमान तथा प्रदूषकों के स्तर से संबंधित आंकड़ों का विश्लेषण करके संभावित रूप से खराब होती वायु गुणवत्ता के बारे में पहले से जानकारी प्राप्त करना संभव है। इससे संबंधित विभागों को धूल नियंत्रण, निर्माण गतिविधियों की निगरानी, सड़क सफाई, यातायात प्रबंधन और औद्योगिक क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई की तैयारी करने में सहायता मिल सकती है।

आधुनिक पर्यावरण प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने की क्षमता रखती है। एआई आधारित विश्लेषण से विभिन्न निगरानी केंद्रों से प्राप्त आंकड़ों में पैटर्न की पहचान, प्रदूषण के संभावित स्त्रोतों का आकलन, जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान और नियंत्रण उपायों की प्राथमिकता तय करने में सहायता मिल सकती है। इसी प्रकार, सेंसर आधारित कचरा पात्र, डिजिटल वाहन ट्रैकिंग और कचरा संग्रहण के आंकड़ों का विश्लेषण करके कचरा संग्रहण मार्गों को बेहतर बनाया जा सकता है तथा खुले में कचरा जमा होने की समस्या पर समय रहते ध्यान दिया जा सकता है। राजस्थान में औद्योगिक विकास रोजगार, निवेश और आर्थिक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। लेकिन औद्योगिक गतिविधियों के साथ वायु प्रदूषण, अपशिष्ट जल और ठोस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन की जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। सतत विकास का उद्देश्य उद्योगों के विस्तार को पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप बनाना है, ताकि आर्थिक गतिविधियों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के बीच संतुलन कायम रहे। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की ऑनलाइन सतत उत्सर्जन एवं अपशिष्ट जल निगरानी प्रणाली के माध्यम से संबंधित औद्योगिक इकाइयों के प्रदूषण संबंधी आंकड़ों की निगरानी की जाती है। राज्य सरकार की आर्थिक समीक्षा के अनुसार, दिसंबर 2025 तक 666 औद्योगिक इकाइयों ने मंडल के ओसीईएमएस पोर्टल को कॉन्फिगर किया था। इस व्यवस्था के अंतर्गत निर्धारित श्रेणियों के अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों तथा अन्य चिन्हित प्रतिष्ठानों की निगरानी को महत्व दिया गया है। डिजिटल निगरानी से पर्यावरणीय मानकों की पालना का आकलन करने और संभावित विचलनों की पहचान करने में मदद मिलती है। हालांकि, निगरानी के साथ नियमित निरीक्षण, नमूनों का वैज्ञानिक परीक्षण और नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है। विशेष रूप से वस्त्र प्रसंस्करण, रासायनिक उद्योगों और अन्य जल-गहन औद्योगिक गतिविधियों में अपशिष्ट जल का उपचार, उपचारित जल का पुनः उपयोग और प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का उचित संचालन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। त्योहारों का मौसम पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को जन-आंदोलन में बदलने का अवसर भी है। दीपावली के दौरान घरों और बाजारों में सजावट, उपहारों की पैकेजिंग, मिठाइयों के डिब्बों, फूल-मालाओं और अन्य सामग्रियों से बड़ी मात्रा में कचरा उत्पन्न होता है। वहीं, पटाखों से होने वाला धुआं और धूलकण वायु गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में उत्सवों के आयोजन से लेकर उनके बाद की सफाई तक पर्यावरण अनुकूल व्यवहार अपनाना आवश्यक है। इस दिशा में कुछ सरल लेकिन प्रभावी कदम महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। घरों, बाजारों और सार्वजनिक आयोजनों में गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्र करना, एकल-उपयोग प्लास्टिक से बचना, पुनः उपयोग योग्य सजावटी सामठाी अपनाना और खाद्य अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से संसाधित करना अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बना सकता है। फूलों एवं जैविक अवशेषों से खाद तैयार की जा सकती है, जबकि कागज, धातु, कांच और उपयुक्त प्लास्टिक को अधिकृत संग्रहण एवं पुनर्चक्रण व्यवस्था तक पहुंचाया जा सकता है। त्योहारों के दौरान बाजारों, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक आयोजनों में अतिरिक्त कचरा संठाहण व्यवस्था विकसित करना भी आवश्यक है। स्थानीय निकायों, व्यापारिक संगठनों, आवासीय समितियों और स्वयंसेवी संस्थाओं के समन्वय से स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही, ध्वनि प्रदूषण से संबंधित निर्धारित मानकों और समय-सीमाओं की पालना सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

–डॉ. अमृता कटारा,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी

भारतीय संस्कृति से जुड़ा रहा है सेंगोल

डॉ. अरुणा व्यास

ऐतिहासिक राजदंड सेंगोल का निर्माण करने वाले प्रमुख जौहरी वुम्मिडी एथिराजुलु के निधन के साथ ही भारतीय संस्कृति में निहित राजदंड निर्माण की एक परम्परा का जैसे अवसान हो गया है। यह वही वुम्मिडी एथिराजुलु हैं, जिन्होंने 1947 में मात्र 20 वर्ष की आयु में ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र भारत को सत्ता हस्तांतरित किए जाने के प्रतीक रूप में सेंगोल का निर्माण किया था। सेंगोल यानी राजदंड। भारतीय संस्कृति में गहरे से जुड़ा यह प्रतीक ऐतिहासिक रूप से, चोल साम्राज्य के दौरान सत्ता हस्तांतरण के समय नए राजा को सौंपने के लिए उपयोग किया जाता था। चोल शासक शैव थे। भगवान शिव के भक्त। इसलिए उनके राजदंड पर अपने आराध्य के सबसे प्रिय गण और वाहन नंदी की आकृति बनाई जाती थी। इसके पीछे पौराणिक कथाओं का वह आधार भी है जिसमें नंदी को भगवान शिव का वाहन भर नहीं माना गया है बल्कि वह धर्म और न्याय का रक्षक भी कहा गया है। नंदी की प्रतिमा राजा या शासक को निरंतर यह याद दिलाती है कि सत्ता का उपयोग निष्पक्षता, सत्य और न्याय के साथ प्रजा की भलाई के लिए किया जाना चाहिए।

देश आजाद होने के अवसर पर लॉर्ड माउंटबैटन ने सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक के रूप में 14 अगस्त 1947 की रात देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सेंगोल सौंपा था। यह सेंगोल उस समय युवा वुम्मिडी एथिराजुलु और उनके भाई चंद्रैया वुम्मिडी ने ही अपने कुशल कारीगरों के साथ मिलकर तैयार किया था। इसे उन्होंने चांदी पर सोने की परत चढ़ाकर 5 फीट लंबे आकार में बहुत सुंदर रूप में तैयार किया था। सेंगोल के शीर्ष पर भगवान शिव के वाहन नंदी को प्रतीक रूप में उन्होंने उकेरा। तमिलनाडु के प्रतिष्ठित शैव मठ थिरुवावदुथुरै अधीनम ने ही तब इसका पूरा डिज़ाइन तय किया था। सेंगोल सत्ता प्राप्त करने वाले शासक को ऐसे ही नहीं सौंपा जाता रहा है। इसके अंतर्गत बाकायदा विधि विधान से अनुष्ठान होता है। जब यह सेंगोल किसी शासक को दिया जाता है तो साथ में उसे अधीनम के उच्च पुजारियों द्वारा आणै अर्थात नैतिक आदेश भी सुनाया जाता है। यह आदेश होता है-सत्ता सदा धर्म से जुड़े कर्तव्य और नीति से ही कायम रखी जाए। न्यायपूर्ण और अच्छे शासन के प्रतीक रूप में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई 2023 को नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर ऐतिहासिक राजदंड सेंगोल को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पास स्थापित किया था। तमिल शब्द सेम्मई यानी नीतिपरायणता और कोल यानी छड़ी से मिलकर यह बना है। सनातन संस्कृति की मान्यता अनुसार 'सेंगोल'शब्द संस्कृत के 'संकु'यानी शंख से भी जुड़ा है। प्राचीनकाल में राजा जब गद्दी पर बैठता था तो अन्य परम्पराओं के साथ उसे सेंगोल यानी राजदंड भी सौंपा जाता था। इसलिए कि वह इससे जो भी अपराध करे, अन्याय करे, राज्य के अहित से जुड़ा कार्य करे या किसी प्रकार की अनैतिकता करे, उसे दंडित कर सके। इसे धारण कर राजा जब राजपुरोहित से आशीर्वाद लेता तो राजपुरोहित भी अपने दंड से राजा पर हल्का प्रहार करते हुए कहता था कि धर्म के प्रयोजन से सेंगोल का उपयोग हो। वह राजा से कहता कि यह धर्म से जुड़ा है और यदि राजा भी अधर्म करता है तो उसके लिए भी यह दंड व्यवस्था समान रूप से लागू होगी। सेंगोल न्यायपूर्ण शासन व्यवस्था का प्रतीक है। तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने भी जब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सत्ता हस्तातंरण की औपचारिकता निभाई तो सेंगोल सौंपा था। बाद में यह इलाहाबाद संठाहालय में रख दिया गया। सत्ता कोई भी स्थाई नहीं होती। उसकी प्रकृति ही परिवर्तनीय होती है पर संस्कृति के पोषण से किसी सत्ता की छवि को जरूर स्थाई किया जा सकता है। इस दृष्टि से सेंगोल राज्य के प्रति समर्पित होने का वचन है। लोकतंत्र में भी सेंगोल की यही भूमिका है, धर्मदंडयो: असि। यानी शासक को भी धर्म दंडित कर सकता है। यही भारतीय संस्कृति रही है।

–डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति अध्येता

राशिफल

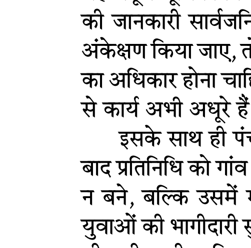

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 24 अक्टूबर, 2026

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत-2083, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:32 तक, व्याघात योग रात्रि 9:01 तक, तैतिल करण दिन 1:37 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग दिन 12:50 तक है। रात्रि 8:32 से पुनः प्रारम्भ होगी। आज बुध वक्री दिन 12:42 पर होगा। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- शुभ 7:59 से 9:23 तक, चर 12:11 से 1:35 तक, लाभ-अमृत 1:35 से 4:25 तक।

राहुकाल- 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 5:47

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में मानसिक तनाव हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
शुभ कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण वार्ता हो सकती है और महत्वपूर्ण योजना बन सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

A Festival That Survived the Fall of Kings and Kingdoms

Successive generations interpreted episodes of uncertainty in the royal succession through the lens of Alamelamma's curse

National Food Day

Biblical Hebrew Names and Their Meanings

राहुल और प्रियंका के संबंधों में भारी तनाव आ गया है

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने यह बात पुरजोर ढंग से पत्रकारों से कही

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। भाजपा ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस के भीतर राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच अंदरूनी लड़ाई चल रही है। भाजपा ने यह बात तब कही, जब भतीजे रेहान वाड्रा की प्रदर्शनी से तस्वीरें हटाए जाने के विवाद पर विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) ने चुप्पी साधे रखी।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने सवाल उठाया कि क्या प्रियंका का अपने भाई से भरोसा उठ गया है? उन्होंने आरोप लगाया कि प्रियंका एक विवाद खड़ा करके अपने बेटे को सॉफ्ट-लॉन्च (प्रचार के जरिए पेश) करने की कोशिश कर रही हैं।

राहुल, जो पिछले रविवार को एक निजी यात्रा पर वियतनाम गए थे, उन्होंने इस विवाद पर अभी तक कुछ भी पोस्ट नहीं किया है। भाजपा ने इसी बात को पकड़कर गांधी भाई-बहन के बीच दरार होने का आरोप लगाया है। हालांकि, कुछ दिन पहले ही राहुल और प्रियंका ने मिलकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था, जो एसआईआर अनियमितताओं से जुड़ा था।

भंडारी ने ट्वीट किया, "प्रियंका वाड्रा की पूरी कोशिश एक विवाद खड़ा करके अपने बेटे को सॉफ्ट-लॉन्च करने की थी। उनका राहुल गांधी से राजनीतिक भरोसा उठ गया है!"

उन्होंने आगे कहा, "राहुल गांधी,

- भंडारी ने कहा, रेहान के साथ फोटो प्रदर्शनी के मामले में "अन्याय" हुआ और राहुल गांधी, जो वियतनाम में हैं और वहाँ से भी सोशल मीडिया पर हर मुद्दे पर टिप्पणी करते रहते हैं, रेहान के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। साफ बात है, कांग्रेस में "प्रियंका बनाम राहुल" का माहौल है।
- भंडारी ने कहा कि इसीलिए एक विवाद के जरिए प्रियंका अपने बेटे की "सॉफ्ट लॉन्चिंग" कर रही हैं।
- भाजपा ने आरोप लगाया कि बीकानेर हाउस में फोटो प्रदर्शनी संबंधी विवाद जानबूझ कर खड़ा किया गया है। रेहान ने जो प्रस्ताव 10 जून को बीकानेर हाउस भेजा था, उसमें प्रकृति, वन्य जीव, कलाकृति जैसे विषय ही रखे गए थे और इस प्रस्ताव को स्वीकार भी कर लिया गया था। पर, बाद में रेहान ने इसमें राजनैतिक विषय भी जोड़ दिया।

जो वियतनाम से हर मुद्दे पर ट्वीट कर रहे हैं, उन्होंने अब तक रेहान वाड्रा के समर्थन में एक भी ट्वीट नहीं किया है। कांग्रेस में अब प्रियंका बनाम राहुल की स्थिति है!"

रेहान ने 'इंडिया टुडे' को बताया कि बुधवार शाम को प्रदर्शनी शुरू होने से कुछ घंटे पहले, बीकानेर हाउस प्रबंधन ने उनसे अपनी 105 तस्वीरों में से 74 को हटाने या बदलने के लिए कहा। जब प्रदर्शनी शुरू हुई, तो वहां केवल 35 फ्रेम ही बचे थे। रेहान ने कहा कि यह कलेक्शन उनकी तीन साल की कड़ी मेहनत का नतीजा है।

उन्होंने बताया कि उन्होंने एक हफ्ते पहले, 15 अक्टूबर को ही बीकानेर हाउस के साथ प्रदर्शनी का लेआउट साझा कर दिया था और उन्हें इसकी स्वीकृति भी मिल गई थी।

उनके पिता, रॉबर्ट वाड्रा ने इंडिया टुडे को बताया कि आपत्तियां तब आईं, जब रेहान प्रदर्शनी लगाने का काम शुरू कर चुके थे।

इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीकानेर हाउस ने कहा कि तस्वीरें वहां की नीति के "अनुरूप नहीं" पाई गईं। भाजपा ने रेहान और बीकानेर हाउस के बीच हुए ईमेल संवाद के स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के शुरुआती प्रस्ताव में प्रकृति, वन्यजीव, अमूर्त कलाकृतियां, पोर्ट्रेट और मूर्तियों जैसे विषय शामिल थे। भंडारी ने कहा कि इसमें किसी भी "राजनीतिक सामग्री" का कोई जिक्र नहीं था।

भंडारी ने पोस्ट किया, "10 जून को बीकानेर हाउस को भेजे गए रेहान वाड्रा के ईमेल और उसी ईमेल में शामिल प्रस्ताव में उन्होंने बताया था कि प्रदर्शनी में प्रकृति, वन्यजीव, कलाकृतियां और मूर्तियां जैसे विषय होंगे।"

बीकानेर हाउस ने 30 जून को इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। भाजपा का कहना है कि राजनीतिक तस्वीरें बाद में जोड़ी गईं।

हाई कोर्ट ने प्रमुख चिकित्सा सचिव को अवमानना नोटिस दिया

जयपुर, 23 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने संविदा पर कार्यरत प्रार्थी फार्मासिस्ट को अदालती आदेश के बावजूद दुबारा काम पर वापस नहीं लेने पर प्रमुख चिकित्सा सचिव,जन

- नादौती में फार्मासिस्ट की सेवा जारी रखने के निर्देश की पालना क्यों नहीं की है?

स्वास्थ्य चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं जयपुर के निदेशक व संयुक्त चिकित्सा निदेशक भरतपुर सहित, अन्य अफसरों को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। अदालत ने इन अफसरों से जवाब मांगा है कि उन्होंने आदेश की पालना क्यों नहीं की है। जस्टिस अनुरूप सिंघी ने यह निर्देश मोहित शर्मा की अवमानना याचिका पर दिया। अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि प्रार्थी कई सालों से करौली जिले के नादौती के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में संविदा पर फार्मासिस्ट के पद पर कार्यरत था। इस दौरान उसे 10 जुलाई के आदेश से फार्मासिस्ट पद से हटा दिया गया। इस कार्रवाई को उसने हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने प्रार्थी को राहत देकर उसे हटाने वाले आदेश पर रोक लगा दी और उसे सेवा में लगातार जारी रखने का निर्देश दिया। लेकिन चिकित्सा विभाग ने इस आदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अरूणाचल में कई स्थानों पर चीन से टकराव हुआ है, अभी भी जारी है'

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने अलवर में हुए "हिमवीर सम्मान" समारोह में यह सनसनीखेज दावा किया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। अरुणाचल क्षेत्र में चीन के साथ सीमा पर तनाव की पहली आधिकारिक पुष्टि करते हुए, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि इस पूर्वोत्तर राज्य में कई जगहों पर चीनी सैनिकों के साथ आमना-सामना चल रहा है। इस खुलासे के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दल कांग्रेस ने स्थिति को "बेहद चिंताजनक" बताया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस पर स्पष्टीकरण मांगा है।

22 अक्टूबर को अलवर में आयोजित "हिमवीर सम्मान" समारोह में बोलते हुए, कपूर ने कहा, "पिछले कुछ दिनों में ऐसी स्थिति बनी है, जहां अरुणाचल में कई जगहों पर टकराव हुआ है और यह अभी भी जारी है।" उन्होंने हाल ही में गठित "शौर्य कमांडो" की भूमिका की सराहना की। साथ ही, उन्होंने ड्रोन, काउंटर-ड्रोन सिस्टम और भूमिगत आश्रयों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि चीन की आधुनिक

- उन्होंने कहा कि जब सितम्बर में ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के लिए शी जिनपिंग भारत आए थे, तब भी यह टकराव जारी था, जब कि वाचा-दमाई में भारत व चीन के बीच कमांडर स्तर की वार्ता चल रही थी।
- उन्होंने बताया कि जुलाई में चीनी सेना ने अपर सुबनसिरी जिलों में ताक्सिंग के पास तंबू लगा लिए थे। यह क्षेत्र लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल से 6-7 किलोमीटर अंदर है।
- ज्ञातव्य है कि भारत लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल को सीमा रेखा मानता है, पर, चीन की राय अलग है। दोनों देशों के बीच 3488 किलोमीटर बॉर्डर है, जिसे लेकर भारी विवाद है।

सेनाओं का सामना करने के लिए केवल पारंपरिक तरीके काफी नहीं होंगे।

जुलाई में ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताकसिंग के पास अरुणाचल में चीनी घुसपैठ की खबर आई थी। बताया गया कि भारतीय पक्ष के अनुसार, जो लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) है, उससे 6-7 किलोमीटर अंदर, माचा के पास चीनी सैनिकों ने अपने तंबू लगा दिए थे। खबरों के अनुसार, नई दिल्ली में सितंबर में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए थे, तब भी यह टकराव जारी रहा। इस दौरान वाचा-दमाई में कोर कमांडर स्तर की बातचीत भी हुई थी। भारत और चीन के बीच 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अभी और आराम की जरुरत है'

अमिताभ बच्चन के इस अटपटे से ट्वीट ने फिल्म जगत और फैन्स में हलचल मचाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। दो दिन पहले, अमिताभ बच्चन ने एक्स पर बताया कि उन्हें आराम करने और ठीक होने की सलाह दी गई है। अपने पिछले ट्वीट के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने आज एक और पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा था, "चलिए, आगे बढ़ते हैं।'

उन्होंने अपने ब्लॉग पर भी एक अपडेट शेयर किया, जिसमें लिखा था: "अभी और आराम की ज़रूरत है... तालमेल बिठा रहा हूँ... सोच-विचार कर रहा हूँ... मानव शरीर और इसकी अनोखी खूबियों के बारे में।"

अमिताभ बच्चन के पिछली बार एक्स पर लिखा था, "मैं आपसे माफ़ी चाहता हूँ, मुझे कुछ दिनों के लिए आराम करने और ठीक होने के लिए समय निकालने की सलाह दी गई है, इसलिए मैं कुछ भी लिख नहीं पा रहा हूँ..."

- पिछले कुछ समय से अमिताभ बच्चन स्वास्थ्य व चिकित्सा के बारे में मैसेज पोस्ट करते रहे हैं। एक्स पर पिछले ट्वीट में उन्होंने फैन्स को लिखा था, आपसे माफी चाहता हूँ, अभी आराम करने व ठीक होने के लिए समय निकालने को कहा गया है, इसलिए कुछ लिख नहीं पा रहा हूँ।
- जुलाई में उन्होंने अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी, आईसीयू, ठीक होने व घर वापसी के सफर पर ब्लॉग लिखा था, पर, यह स्पष्ट नहीं किया था कि वे अपन बारे में लिख रहे हैं या सामान्य बात है।
- 84 वर्षीय अमिताभ बच्चन, जिन्हें सदी का महानायक भी कहा जाता है, के स्वास्थ्य को लेकर काफी समय से चर्चा चल रही है, जिसे लेकर फैन्स चिंतित हैं।

जुलाई में, अमिताभ बच्चन ने अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी, आईसीयू और ठीक होने के मुश्किल सफर के बारे में एक ब्लॉग पोस्ट शेयर करके अपने प्रशंसकों को चिंता में डाल दिया था। अभिनेता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह अपनी सेहत के बारे में लिख रहे थे या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर जिले में सरपंच का चुनाव आज

जयपुर, 23 अक्टूबर। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले की आठ पंचायत समितियों की 212 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद, 1,525 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। जिले में कुल 2,119 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से

- आठ पंचायत समितियों की 212 ग्राम पंचायतों के सरपंच चुने जाएंगे।

2,108 वैध पाए गए। नाम वापसी के दौरान 583 अभ्यर्थियों ने चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। किसी भी ग्राम पंचायत में सरपंच पद पर निर्विरोध निर्वाचन नहीं हुआ है।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि पंचायत समिति चौमूं की 34 ग्राम पंचायतों में 301, दूदू की 25 ग्राम पंचायतों में 136, गोविंदगढ़ की 27 ग्राम पंचायतों में210, झोटवाड़ा की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईएएस अफसर ने अपने बच्चों को सलाह दी, आईएएस कभी मत बनना

महाराष्ट्र के फूड एण्ड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर तुकारान मुंडे ने ग्लोबल मराठा बिज़नैस एक्स्पो में यह बात कही

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। अनेक भारतीय परिवारों के लिए आईएएस अधिकारी बनना करियर का सबसे बड़ा लक्ष्य होता है। लेकिन महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंडे की अपने बच्चों के लिए राय कुछ अलग है। उनका कहना है कि वे अपने बच्चों को सिविल सेवा में न जाने की सलाह देंगे।

बताया जाता है कि 2005 बैच के इस आईएएस अधिकारी ने "ग्लोबल मराठा बिज़नेस एक्सपो" में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वे चाहेंगे कि उनके बच्चे उद्यमी बनें या ऐसे जननेता बनें, जो अधिक स्वतंत्रता के साथ समाज में योगदान दे सकें। "इंडियन मास्टरमाइंड्स" ने 19 अक्टूबर 2026 को उनके इस बयान की खबर दी।

- उन्होंने कहा, 21 साल के करियर में 25 से ज्यादा ट्रांसफर हुए, इससे सबसे ज्यादा असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ा। उनके बेटे को कक्षा 5 में पहुँचने से पहले 6 बार स्कूल बदलना पड़ा था।
- मुंडे ने कार्यक्रम में कहा कि उन्होंने अपने बच्चों को सलाह दी है कि वे समाज में योगदान देने का कोई अन्य रास्ता चुनें, वे उद्यमी बनें या फिर जन नेता भी बन सकते हैं।
- मुंडे 2005 बैच के महाराष्ट्र कैडर के आईएएस अफसर हैं और अपनी सख्त कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। मुंडे की इन टिप्पणियों से आईएएस जैसे प्रतिष्ठित पद पर सवालिया निशान लग गया है।

उनकी यह सलाह 21 साल के करियर के अनुभव के बाद आई है, जिनमें लगभग 25 बार उनका तबादला हुआ। इन तबादलों का असर केवल उनके प्रोफेशनल जीवन पर ही नहीं, बल्कि उनके पारिवारिक जीवन पर भी पड़ा।

अपने करियर के दौरान मुंडे ने महाराष्ट्र में अलग-अलग जगहों पर काम किया है। उन्होंने नगर प्रशासन से लेकर सरकार के बड़े विभागों तक में जिम्मेदारियाँ संभाली हैं। लेकिन अक्सर तबादले होते रहने के कारण उनके परिवार को बार-बार नए शहरों, स्कूलों और दिनचर्या के हिसाब से खुद को ढालना पड़ा।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण उनका बेटा है, जिसका पाँचवीं कक्षा में पहुँचने से पहले छह बार स्कूल बदला गया। "बिज़नेस टुडे समिट" में मुंडे ने बताया कि बार-बार जगह बदलने का उनके परिवार पर क्या असर पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी पत्नी को उनके तबादलों के अनुसार परिवार का रूटीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

म्यांमार में भूकंप के तेज झटके

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। म्यांमार में शुक्रवार रात 10:36 बजे (स्थानीय समय) 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। अब तक किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है।

म्यांमार भूकंप और सुनामी के लिहाज से बेहद संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। यह देश भारतीय, यूरेशियन,

- घबराए लोग घरों से बाहर निकले पर कोई हताहत नहीं।

सुंडा और बर्मा प्लेट्स के मिलन बिंदु पर स्थित है। इन प्लेटों के निरंतर टकराव और लंबे समुद्री तट के कारण यहां भूकंपीय जोखिम अधिक रहता है।

देश में सागाइंग फॉल्ट नामक 1,400 किलोमीटर लंबी प्रमुख फॉल्ट लाइन है, जो भूकंप का बड़ा स्त्रोत है। यह फॉल्ट सागाइंग, मांडले, बागो और यांगून क्षेत्रों के लिए खतरा बढ़ ाती है, जहां देश की करीब 46 प्रतिशत आबादी रहती है।

यांगून शहर फॉल्ट से दूर होने के बावजूद अपनी घनी आबादी के कारण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सीमा पर भारत-चीन टकराव की क्या सच्चाई है, देश को बताएं'

कांग्रेस ने इण्डो तिब्बत बॉर्डर पुलिस के डायरैक्टर जनरल शत्रुजीत कपूर के दावों का हवाला देते हुए केन्द्र सरकार से सवाल किया

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच आमने-सामने के टकराव की पुष्टि होने और स्थिति अब भी जारी रहने की जानकारी आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने की है। इसके बाद, कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस संकट पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

इन घटनाओं को "बेहद चिंताजनक" बताते हुए खड़गे ने राष्ट्रीय सुरक्षा, चीन के साथ आर्थिक संबंधों और दोनों देशों के बीच बार-बार हुई कूटनीतिक बातचीत के नतीजों को लेकर सरकार से सवाल किए हैं।

कपूर की यह टिप्पणी भारत और चीन के बीच बातचीत होने के एक महीने से अधिक समय बाद आई है। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश के तक्सिंग क्षेत्र में तनाव की खबरें आई थीं। 6 सितंबर को इस क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से जुड़े लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए भारतीय सीमा की तरफ वाचा-दामाई सीमा बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर कोर कमांडर स्तर की बातचीत हुई थी।

22 अक्टूबर को अलवर में "हिमवीरों" के नाम से पहचाने जाने वाले आईटीबीपी (इंडियन तिब्बतन बॉर्डर पुलिस) के जवानों को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा कि इन टकरावों के दौरान फोर्स की " शौर्य कमांडो" टीमों ने बहुत बेहतरीन काम किया है।

आईटीबीपी प्रमुख ने कहा, "हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में ऐसी स्थिति पैदा हुई, जहाँ कई जगहों पर आमने-सामने का टकराव हुआ, जो अभी भी जारी है। वहाँ हमारी शौर्य कमांडो टीमों ने शानदार काम किया है।"

- कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शत्रुजीत कपूर के, चीन की घुसपैठ और हिंसक टकराव संबंधी दावों को भारी चिंताजनक बताया।
- कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि केन्द्र सरकार लगातार चीन को रियायतें दे रही है, पर, चीन की हरकतें जारी हैं और सरकार ने चुप्पी साध रखी है।
- जयराम रमेश ने चीन के साथ टकराव के दौरान आईटीबीपी के जवानों द्वारा प्रदर्शित शौर्य प्रदर्शन की जमकर सराहना की।

यह बयान ऐसे समय में आया है, जब जुलाई से ही अरुणाचल प्रदेश में कई बार झड़पों की खबरें आई हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच टकराव हुआ था। बताया जाता है कि सितंबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा के दौरान भी ये टकराव जारी थे।

चीन द्वारा अपनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और उसकी मीडिया क्षमताओं में भारी निवेश किए जाने की और इशारा करते हुए कपूर ने कहा कि चीन ने पारंपरिक युद्ध के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। इसके साथ ही, उन्होंने सुझाव दिया कि बदलते युद्धक्षेत्र में ड्रोन एक "बराबरी लाने वाले" (ईक्वलाइज़र) साधन के रुप में काम कर सकते हैं।

रूस-यूक्रेन के लंबे युद्ध का उदाहरण देते हुए कपूर ने कहा कि पिछले चार वर्षों में यूक्रेन जैसे छोटे देश ने रूस को जो नुकसान पहुँचाया है, उससे पता चलता है कि युद्ध लड़ने का तरीका बदल रहा है। उन्होंने संघर्ष के बदलते स्वरूप का एक और उदाहरण देते हुए ईरान का भी उल्लेख किया।

इन घटनाओं के जवाब में, आईटीबीपी अपनी रक्षात्मक नीति में बड़े बदलाव कर रही है। आईटीबीपी प्रमुख ने कहा कि 2027 के अंत से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली-चेन्नई इंडिगो उड़ान को बम की धमकी

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। दिल्ली से चेन्नई जाने वाली इंडिगो की उड़ान को शुक्रवार दोपहर धमकी मिली। विमान उड़ान भरने की तैयारी में था, लेकिन धमकी से संबंधित संदेश मिलने के बाद विमान को सुरक्षा जांच के लिए

- विमान की आइसोलेशन बे में जांच करने पर कुछ संदिग्ध नहीं मिला

आइसोलेशन बे में भेजने का फैसला किया गया।

इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 6091 को शुक्रवार दोपहर करीब सवा तीन बजे दिल्ली से चेन्नई के लिए रवाना होना था। विमान पुशबैक के बाद उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था, तभी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) को उड़ान के संबंध में धमकी भरे संदेश की सूचना मिली।

सूत्रों के मुताबिक, विमान के एक टॉयलेट में "डू नॉट फ्लाई 6ई 6091" यानी 6ई 6091 को उड़ान न भरने दें,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिला एनकॉर्ड बैठक में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के निर्देश

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता, निगरानी एवं संयुक्त कार्रवाई सुनिश्चित करें - कलेक्टर

कोटपूतली(निसं)। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता एवं जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह की उपस्थिति में शुक्रवार को जिला नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खरीद-फरोख्त, भंडारण एवं आपूर्ति पर प्रभावी अंकुश लगाने, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता एवं जिला पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में जिला नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर (एनकॉर्ड) की बैठक हुई।

जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने निर्देश दिए कि मादक पदार्थों से संबंधित अवैध गतिविधियों की सूचना प्राप्त होते ही संबंधित विभाग पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करें। नशीले पदार्थों के अवैध उत्पादन, भंडारण, परिवहन एवं बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि नशे के विरुद्ध अभियान में सभी संबंधित विभाग सक्रिय भूमिका निभाएं तथा सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान एवं सत्यापन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में संचालित पंजीकृत एवं अवैध नशा मुक्ति केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा अनियमितताएं पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही

■ **जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने नशा तस्करी में संलिप्त संदिग्ध व्यक्तियों एवं उनके नेटवर्क की पहचान कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए**

शिक्षण संस्थानों के आसपास स्थित दुकानों, चाय की थड़ियों एवं अन्य संदिग्ध स्थानों पर नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री एवं आपूर्ति पर विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने के लिए शिक्षण संस्थानों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने तथा अभिभावकों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने नशा तस्करी में संलिप्त संदिग्ध व्यक्तियों एवं उनके नेटवर्क की पहचान कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर स्थित होटल, ढाबों एवं अन्य संदिग्ध स्थानों पर नियमित निगरानी रखने तथा मादक पदार्थों की अवैध बिक्री एवं आपूर्ति की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। साथ ही नशा तस्करों द्वारा किए गए अवैध कब्जों एवं अवैध निर्माण के विरुद्ध संबंधित विभागों के समन्वय से नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में शराब के ठेकों के निर्धारित समय से पहले अथवा बाद में खुले रहने की शिकायतों पर कार्रवाई, मेडिकल दुकानों के औचक निरीक्षण तथा अवैध नशीली दवाओं की बिक्री एवं उपलब्धता पर नियंत्रण के संबंध में भी चर्चा की गई।

प्रागपुरा पीएचसी में स्थायी डॉक्टर की नियुक्ति की मांग, सीएमओ ने दिए कार्रवाई के निर्देश

पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, मौसमी बीमारियों के बीच फॉगिंग करवाने की भी उठाई मांग

पावटा(निसं)। प्रागपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले कई महीनों से स्थायी चिकित्सक की नियुक्ति नहीं होने का मामला मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया है। पूर्व जिला पार्षद, समाजसेवी एवं नगरपालिका पार्षद प्रतिनिधि ललित गोयल ने जयपुर स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर प्रागपुरा पीएचसी में तत्काल स्थायी डॉक्टर नियुक्त करने तथा क्षेत्र में फॉगिंग की समुचित व्यवस्था करवाने की मांग की। ललित गोयल ने मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव अखिल अरोड़ा को क्षेत्र की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि प्रागपुरा की आबादी करीब 20 हजार है। इसके अलावा आसपास के अनेक गांवों के लोग भी उपचार के लिए इसी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर हैं। पिछले कई महीनों से स्थायी चिकित्सक नहीं होने के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में क्षेत्र में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है

पूर्व जिला पार्षद, ललित गोयल ने जयपुर स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

और डेंगू फैलने की आशंका भी बनी हुई है। ऐसे में स्वास्थ्य केंद्र पर स्थायी डॉक्टर की नियुक्ति बेहद जरूरी है। ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए अतिरिक्त सचिव अखिल अरोड़ा ने मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव जितेंद्र सोनी को स्वास्थ्य विभाग की सचिव गायत्री राठौड़ से बात कर प्रागपुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल स्थायी चिकित्सक की नियुक्ति करवाने के निर्देश दिए। साथ ही मौसमी बीमारियों की स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में फॉगिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए भी कहा।

सार-समाचार

साइबर अपराध में दो ठग गिरफ्तार, नगदी व अन्य सामान जप्त

टोंक(निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन साइबर वॉर अभियान के तहत साइबर अपराध के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए थाना पुरानी टोंक टीम व जिला स्पेशल टीम द्वारा मुखबिर की सूचना के बाद पुरानी टोक क्षैत्र स्थित अस्तल रोड फाईरिग बट के पास से दो आरोपियों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से ली दो मोटरसाईकिल व चार मोबाईल फोन व 12 हजार रुपये नगदी को जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में साइबर ठगी में शामिल आरोपी नवल मीणा, आकाश व सुनिल मीना जो सोशल मीडिया एप के माध्यम से आम जनता को राशि इन्वेसमेन्ट करने के बहाने मोटी राशि प्राप्त कर उनको झांसा देकर ठगी करते थे। की जाती थी। पूछताछ के बाद 139 सिम कार्ड का इस्तेमाल किया जाना सामने आया है तथा उनके खिलाफ एनसीआरपी पोर्टल पर नाबालिक के विरुद्ध 33 शिकायतें दर्ज है, जिनमें कुल 7 लाख 10 हजार रुपये की ठगी होना सामने आया है। आरोपीयो के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

मतदान दिवस पर निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित

सवाई माधोपुर,(निसं)। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जिले में तृतीय एवं चतुर्थ चरण में होने वाले मतदान के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने संबंधित पंचायत समिति निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, तृतीय चरण में पंचायत समिति बामनवास, बौंली, खण्डार एवं मलारना डूंगर में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान 3 नवम्बर, 2026 को तथा पंच एवं सरपंच पदों के लिए मतदान 5 नवम्बर, 2026 को होगा। इसी प्रकार, चतुर्थ चरण में पंचायत समिति गंगापुर सिटी, वजीरपुर, सवाई माधोपुर एवं चौथ का बरवाड़ा में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए मतदान 14 नवम्बर, 2026 को तथा पंच एवं सरपंच पदों के लिए मतदान 16 नवम्बर, 2026 को होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन कार्यक्रम के तहत जिले में शामिल संबंधित पंचायत समिति निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है, ताकि मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

विकास के दम पर कैलाश चंद चुनाव मैदान में

अलवर(निसं)। अपने विकास के दम पर पंचायत चुनाव में सरपंच रामबाई के पति कैलाश चंद जाटव इस बार भडकोल ग्राम पंचायत से सरपंच पद के प्रबल दावेदार के रूप में उभर रहे है। उनकी पत्नी सरपंच रही रामबाई ने भडकोल ग्राम पंचायत में अपने कार्यकाल के दौरान चहुमुंखी विकास कराया है उन्होंने नाली, इंटरलोकिन, सडक आदि का क्षेत्र में निर्माण करवाया वही 70 लाख रूप्ये खर्च कर शमशान का विकास करवाया, कब्रिस्तान में चार दिवारी और पानी की व्यवस्था के साथ-साथ गांव में पानी की टंकी और हर घर निशुल्क पानी की सुविधा उपलब्ध करवाई, आंगनवाडी, स्कूल निर्माण एवं मरम्मत कार्य,लाईब्रेरी, युवाओं के लिए ओपन जिम आदि पंचायत के करीब पांच करोड रूप्ये के बजट खर्च कर बनवाएं है। ग्रामीणों की मांग पर इस बार उनके पति कैलाश चंद को सरपंच पद के लिए चुनाव मैदान में उतारा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर कैलाश चंद सरपंच बनते है तो ग्राम पंचायत के बाकी कामों को प्रमुखता से करवाएंगे ताकि हमारी पंचायत आदर्श पंचायत बन सके।

मंत्री किरोड़ीलाल मीणा नें निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

सवाईमाधोपुर(निसं)। कृषि मंत्री एवं स्थानीय विधायक डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान शुक्रवार को जिला मुख्यालय में चल रहे निर्माण कार्य का मौके पर पहुंचकर निरिक्षण किया। जिला मुख्यालय के नगर परिषद क्षेत्र में सड़को का कार्य तेज गति से चल रहा है, बजरिया, आलनपुर, मंडी रोड आदि क्षेत्रों में सरकार के विकास कार्यों के अंतर्गत सड़को के निर्माण कार्य निरंतर जारी है। डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने मौके पर पहुंच कर निर्माण कार्य में काम में जा रही सामग्री देखा। दौरान विभागवार अधिकारियो ने मंत्री को निर्माण कार्य के बारे में अवगत कराया और जल्द जल्द कार्य पूर्ण करने की बात कही। उन्होंने इस दौरान अधिकारियो को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर नगर परिषद सभापति पति रामहरि चौधरी, उप सभापति पति राजेश गोयल, विभाग के आला अधिकारी साथ रहे।

भाजपा संगठन की नामांकन सभा आयोजित

टोंक(निसं)। जिला मुख्यालय स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर शुक्रवार को जिला परिषद सदस्य पद के प्रत्याशियों की नामांकन सभा आयोजित की गई, सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान पंचायत राज चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती, चुनावी रणनीति तथा कार्यकर्ताओं की भूमिका को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस नामांकन सभा को कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी,जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, जिला चुनाव प्रभारी अनीता भदेल, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया एवं देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने संबोधित किया। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं ने पंचायत राज चुनाव को संगठन के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यकर्ताओं से एकजुटता, समर्पण और पूरी सक्रियता के साथ चुनावी मैदान में जुटने का आह्वान किया तथा संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति पर दिया जोर। मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने पंचायत राज चुनाव को लेकर संगठनात्मक मजबूती और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। वही भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि कार्यकर्ताओं के दम पर जिला परिषद व सभी पंचायत समितियो में भाजपा का बोर्ड बनाएंगे, उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता हर समय चुनाव के लिए तैयार रहता है। जिला चुनाव प्रभारी अनीता भदेल ने चुनावी तैयारियों तथा संगठन के स्तर पर बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। वही देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने पंचायत राज चुनाव में संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया, उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पूरे आमजन की सेवा करता है।

लालसोट : नवनिर्वाचित बोर्ड की पहली बैठक में व्यवस्थाएं सुधारने पर जोर

लालसोट(निसं)। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही मंडावरी नगर पालिका का नवनिर्वाचित बोर्ड व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की तैयारी में जुट गया है। शुक्रवार को नगर पालिका के मीटिंग हॉल में चेयरमैन रामकेश मीणा की अध्यक्षता में आयोजित बोर्ड की पहली साधारण सभा में सफाई व्यवस्था से लेकर नगर पालिका की दुकानों के किराया वसूली

■ **दीपावली से पहले मंडावरी नगर पालिका अलर्ट, सफाई से लेकर दुकानों के किराए तक उठे सवाल**

■ **पार्षदों ने जनसमस्याओं और विकास के मुद्दों पर रखी अपनी बात**

चेयरमैन रामकेश मीणा की अध्यक्षता में नगर पालिका बोर्ड की पहली साधारण सभा आयोजित हुई।

तक के मुद्दे उठे। बैठक में बाजारों और प्रमुख स्थानों पर साफ-सफाई बनाए रखने तथा आमजन को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। बैठक की शुरुआत नवनिर्वाचित पार्षदों के परिचय के साथ हुई। इसके बाद दीपावली पर्व को देखते हुए कस्बे की सफाई व्यवस्था और अन्य जरूरी इंतजामों पर चर्चा की गई। त्योहार के दौरान बाजारों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता जताई गई, ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

नगर पालिका की दुकानों के किराए की वसूली का मुद्दा भी बैठक में प्रमुखता से उठा। पार्षदों ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने, राजस्व से जुड़े विषयों पर ध्यान देने और नागरिक समस्याओं के समाधान को लेकर अपने विचार रखे। बैठक में नगर के विकास और आमजन से जुड़ी सुविधाओं को लेकर भी चर्चा हुई।

सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सख्त

कोटपूतली(निसं)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को अवैध कट्स बंद कराने, ओवरलोड वाहनों पर नियंत्रण, दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों की प्रभावी पालना के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग जगदीश प्रसाद यादव ने बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए एजेंडे के अनुसार की गई कार्यवाहियों एवं प्रगति की जानकारी दी। जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने राष्ट्रीय राजमार्गों एवं प्रमुख मार्गों पर स्थित अवैध कट्स को बंद कराने तथा दोबारा कट खोलने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

अलवर जिला अस्पताल के ब्लड बैंक के फ्रीजर में लगी आग

अलवर(निसं)। शहर के राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय के ब्लड बैंक में गुरुवार को फ्रीजर में आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन सतर्क हो गया। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और ब्लड बैंक में रखा ब्लड सुरक्षित बचा लिया गया। समय पर आग बुझने से बड़ा नुकसान होने से बच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ब्लड बैंक के फ्रीजर में गुरुवार को अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना का पता चलते ही संबंधित कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। समय रहते आग पर काबू पा लेने से स्थिति को गंभीर होने से रोक लिया गया।

पीएमओ ने कहा, ब्लड सुरक्षित बचाया: प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) प्रेमचंद सैनी ने बताया कि

■ **शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, समय रहते काबू पाने से टला बड़ा हादसा**

गुरुवार को ब्लड बैंक के फ्रीजर में आग लगने की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया और ब्लड को सुरक्षित बचा लिया गया। अस्पताल प्रशासन की तत्परता से एक बड़ी घटना टल गई। हालांकि, अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर ब्लड बैंक के फ्रीजर में आग लगने की घटना विद्युत सुरक्षा और उपकरणों के नियमित रखरखाव की आवश्यकता को रेखांकित करती है। ब्लड बैंक में रखे रक्त को सुरक्षित रखने के लिए फ्रीजर और विद्युत उपकरणों की नियमित जांच जरूरी है।

अस्थाई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त

भरतपुर (निसं)। भरतपुर में नगर निगम सभागार में अस्थाई सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ महापौर अनुराधा हजारी सिंह और आयुक्त श्रवण कुमार विश्नोई की मौजूदगी में हुई बैठक में सहमति बनने पर अस्थाई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हो गई। अस्थाई सफाई कर्मचारियों के द्वारा बोनस, समय पर वेतन और महीने के सात तारीख तक वेतन देने की मांग को लेकर हड़ताल की जा रही थी। जिससे शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। जिसे लेकर आज महापौर और आयुक्त ने अस्थाई सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता हुई। वार्ता में अस्थाई सफाई कर्मचारियों ने अपनी बात रखी। जिसके बाद दीपावाली त्यौहार पर ढाई हजार रूपये बोनस देने, झाड़ू और धुलाई भत्ता के 380 रूपये देने और महीने की सात तारीख तक मानदेय देने के आश्वासन मिलने पर अस्थाई सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त हो गई।

त्यौहारी सीजन में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, खाद्य सामग्री मौके पर नष्ट

पावटा, बहरोड़, आंतैला एवं बानसूर में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लिए खाद्य नमूने

कोटपूतली(निसं)। त्यौहारी सीजन के मद्देनजर आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण कर कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रक अविचल चतुर्वेदी, जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलेक्टर सोहन सिंह नरूका, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशानुसार विभाग द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने बुधवार को पावटा स्थित मैसर्स गोविन्द किराणा एवं श्री सांई मिष्ठान भण्डार का निरीक्षण किया। इस दौरान अवधिपार एवं दूषित 10 किलोग्राम घी, 29 लीटर रिफाइण्ड सोयाबीन तेल, 17 किलोग्राम चाशनी तथा 18 किलोग्राम मैदा सहित कुल लगभग 74 किलोग्राम खाद्य सामग्री जनहित में मौके पर ही नष्ट करवाई गई।

शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य विभाग द्वारा जिले में नियमित निरीक्षण कर कार्रवाई की जा रही है।

बिना सत्यापन चल रहे 79 धर्मकांटे जब्त

जयपुर। उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा तथा टोल प्लाजा पर संभावित अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उपभोक्ता मामले विभाग के विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा21एवं22अक्टूबर को प्रदेशव्यापी विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पूरे राज्य में380धर्मकांटों का निरीक्षण किया गया,जिनमें से बिना वैध सत्यापन के संचालित पाए गए79धर्मकांटों को जब्त किया गया। अभियान के तहत प्रदेशभर में कुल10,95,000का जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान दौसा जिले के भंडारेज टोल प्लाजा पर बिना वैध सत्यापन के संचालित धर्मकांटे पाए जाने पर विभाग ने सख्त कार्रवाई की। यहां16धर्मकांटों को जब्त कर लिया गया ताकि बिना सत्यापन की तौल प्रणाली के माध्यम से आगे किसी भी प्रकार की संभावित अनियमितता को रोका जा सके। टोल प्लाजा पर भारी वाहनों से लिए जाने वाले टोल शुल्क का निर्धारण कई बार वाहन के वजन एवं संबंधित टोल नियमों के आधार पर किया जाता है। ऐसे में यदि तौल उपकरण का वैध सत्यापन नहीं हुआ है तो उसकी माप की शुद्धता सुनिश्चित नहीं मानी जा सकती। गलत तौल के कारण वाहन का वजन वास्तविक वजन से अधिक दर्ज होने पर वाहन स्वामी से निर्धारित शुल्क से अधिक टोल वसूले जाने की आशंका रहती है।

किशनगढ़ बास : बाल अधिकार पर स्कूल में जागरूकता शिविर

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) के तहत शिविर का आयोजन हुआ।

किशनगढ़ बास(निसं)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की 'बच्चों हेतु बाल-अनुकूल विधिक सेवाएं योजना, 2024' के तहत शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय किशनगढ़ बास में बाल अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पीएलवी सूरजभान कछवाहा ने विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, बच्चों की सुरक्षा और उनके लिए उपलब्ध कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। यह शिविर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा), जयपुर के तत्वावधान में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के आदेशानुसार और प्राधिकरण के सचिव अजीत कुड़ी के निर्देशन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को सुरक्षित बचपन, सम्मानपूर्ण व्यवहार और शिक्षा के अधिकार के प्रति जागरूक किया गया। शिविर के दौरान बाल लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पोक्सो एक्ट), शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 तथा बाल संरक्षण से संबंधित शिकायत एवं रिपोर्टिंग तंत्र के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि पोक्सो एक्ट बच्चों को लैंगिक अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है, जबकि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य प्रारंभिक शिक्षा का प्रावधान है। बच्चों को बताया गया कि किसी भी प्रकार के शोषण, उत्पीड़न या संदिग्ध परिस्थिति की जानकारी मिलने पर तुरंत उचित सहायता प्राप्त करनी चाहिए और संबंधित प्राधिकरण को समय पर सूचना देनी चाहिए। पीएलवी सूरजभान कछवाहा ने बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता को सुरक्षित समाज के निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए कहा कि बच्चों को उनके अधिकारों की जानकारी देना और उन्हें भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अलवर में टीकाराम जूली ने चुनाव प्रचार किया, जनसभाओं में उमड़ा जनसैलाब

छठी मील, केरवा जाट, खेड़ली सैयद, डमेडा और पालका में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए

अलवर / जयपुर, (निसं)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने शुक्रवार को अलवर ग्रामीण क्षेत्र में खुली जीप में सवार होकर पंचायत चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार किया। इस दौरान क्षेत्र की जनता, विशेषकर महिलाओं ने उनसे जुड़ाव दिखाते हुए उत्साहपूर्वक अभिवादन किया। छठी मील, केरवा जाट, खेड़ली सैयद, डमेडा और पालका में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। जूली ने कहा कि भाजपा सरकार के झूठे वादों, जनविरोधी नीतियों और कुशासन का हिसाब अब जनता वोट की चोट से करेगी।

जूली ने कहा कि पंचायत चुनाव केवल स्थानीय प्रतिनिधियों को चुनने का अवसर नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण जनता के हक, सम्मान और गांवों के विकास से जुड़े सवालों पर सरकार से जवाब मांगने का मौका भी हैं। भाजपा ने सत्ता में आने से पहले जनता से बड़े-बड़े वादे किए,

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अलवर ग्रामीण क्षेत्र में खुली जीप में सवार होकर पंचायत चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार किया।

लेकिन आज किसान, मजदूर, युवा और आम आदमी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए परेशान हैं। ग्रामीण जनता अब जुमलों और वादों के बजाय अपने जीवन में वास्तविक बदलाव चाहती है।

दौरे पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए जूली ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को देशभर में मिल रहे समर्थन, विशेषकर युवाओं और जेन-जी के बीच उनके प्रति बढ़ते जुड़ाव से भाजपा असहज है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने महंगाई कम करने, किसानों की आमदनी दोगुनी करने और हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने के वादे

■ **पूरे देश से राहुल गांधी को मिल रहे समर्थन से मोदी घबराए हुए**

किए थे, लेकिन जनता आज भी महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं से जूझ रही है। भाजपा को इन सवालों का जवाब देना चाहिए, क्योंकि भाषणों और नारों से आमजन की समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता।

जूली ने कहा कि चीन के मुद्दे पर प्रधानमंत्री के पुराने बयानों और मौजूदा परिस्थितियों को लेकर देश में सवाल उठते रहे हैं। पाकिस्तान को लेकर भाजपा नेताओं के बयानों में दिखाई देने वाले विरोधाभास पर भी उन्होंने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहलगाम और पुलवामा की घटनाओं तथा मणिपुर में लंबे समय तक बनी रही अशांति जैसे गंभीर मुद्दों पर केंद्र सरकार की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

साइबर अपराधों से सुरक्षा के लिए जागरूक किया

जयपुर। बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने तथा आमजन में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जयपुर में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आसरा फाउंडेशन जयपुर और बाल कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में संबंधित पक्षों को साइबर अपराधों की पहचान और उनसे बचाव के उपाय बताए गए।

कार्यक्रम पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन, विशेष पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) डॉ. रामेश्वर सिंह की निगरानी में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पुलिस आयुक्तालय जयपुर के सहायक पुलिस आयुक्त साइबर हेमराज मुंड ने विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने बच्चों के मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यमों के उपयोग को लेकर सतर्कता बरतने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि वे साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से सुरक्षित रह सकें। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों, उनसे बचाव और सतर्कता के उपायों की जानकारी दी गई।

'अब कृषि आदानों के नमूनों की जांच होगी फेसलेस, कॉन्टैक्टलेस और पारदर्शी'

कृषि विभाग एवं भारतीय डाक विभाग के मध्य एमओयू

जयपुर। कृषि विभाग ने प्रदेश में बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक रसायनों के नमूनों की जांच प्रक्रिया को अधिक निष्पक्ष, गोपनीय, पारदर्शी एवं तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को पंत कृषि भवन में कृषि विभाग, राजस्थान सरकार एवं भारतीय डाक विभाग (राजस्थान परिमण्डल) के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किया गया।

इस समझौते के माध्यम से कृषि आदानों के नमूने एकत्र करने से लेकर उन्हें प्रयोगशालाओं तक पहुंचाने, परीक्षण करने तथा जांच परिणाम जारी करने की प्रक्रिया को डिजिटल एवं व्यवस्थित बनाया जाएगा।

इस पहल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि नमूना लेने वाले निरीक्षक को यह जानकारी नहीं होगी कि नमूना किस प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाएगा और प्रयोगशाला को भी संबंधित डीलर अथवा निर्माता की पहचान की जानकारी नहीं होगी।

पंत कृषि भवन में कृषि विभाग, राजस्थान सरकार एवं भारतीय डाक विभाग के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन साइन किया

वर्तमान में कृषि आदानों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा विभिन्न स्तरों पर नमूने लेकर प्रयोगशालाओं में जांच कराई जाती है। इस प्रक्रिया में नमूनों के संग्रहण, पैकिंग, परिवहन, प्रयोगशाला आवंटन तथा परीक्षण परिणामों के प्रबंधन में अनेक स्तरों पर मानवीय हस्तक्षेप की संभावना रहती है। नई व्यवस्था में मोबाइल ऐप एवं भारतीय डाक विभाग की स्पीड पोस्ट सेवाओं के माध्यम से पूरी प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, विश्वसनीय और पारदर्शी बनाया जाएगा।

नमूना लेते समय नमूना संग्रहण स्थल की जीपीएस आधारित जियो-टैगिंग की जाएगी तथा संबंधित उत्पाद की तस्वीरें, उत्पाद के विवरण एवं आवश्यक दस्तावेज डिजिटली लिए जाएंगे। नमूने की पहचान के लिए सिस्टम द्वारा क्यूआर कोड जनरेट

- समझौते के माध्यम से कृषि आदानों के नमूने एकत्र करने से लेकर उन्हें प्रयोगशालाओं तक पहुंचाने, परीक्षण करने तथा जांच परिणाम जारी करने की प्रक्रिया को डिजिटल एवं व्यवस्थित बनाया जाएगा

किया जाएगा। साथ ही नमूने को सुरक्षित रखने के लिए टैम्पर-प्रूफ पैकिंग की जाएगी।

इस व्यवस्था से नमूना संग्रहण का डिजिटल रेकार्ड उपलब्ध होगा तथा बाद में रेकार्ड में अनधिकृत बदलाव अथवा नमूने से छेड़छाड़ की संभावनाओं को कम किया जा सकेगा।

इस अवसर पर कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज, उर्वरक तथा कीटनाशक उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा है कि हमारा उद्देश्य केवल कृषि आदानों के नमूनों की जांच करना नहीं, बल्कि ऐसी पारदर्शी एवं विश्वसनीय व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें किसी भी स्तर पर अनुचित हस्तक्षेप की गुंजाइश न्यूनतम हो। इस अवसर पर भारतीय डाक विभाग के सहायक पोस्ट मास्टर जनरल (पार्सल एवं लॉजिस्टिक्स) सुभाष चन्द मीणा ने ऐप के माध्यम से डाक विभाग द्वारा किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। समझौता ज्ञापन के अवसर पर कृषि आयुक्तालय के समस्त अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा गुण नियंत्रण शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

प्रताप नगर में 1125 किलो संदिग्ध सरसों तेल सीज

जयपुर। 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने प्रताप नगर स्थित मैसर्स संतोष सेल्स कॉर्पोरेशन पर कार्रवाई कर 1125 किलो संदिग्ध सरसों तेल सीज किया। तेल के रंग और सुगंध में प्रथम दृष्टया मिलावट का अंदेशा होने पर नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट आने तक 75 टिन तेल सीज रहेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव गायत्री राठौड़ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान फर्म पर दीप सारा ब्रांड सरसों तेल के पैक्ड टिन खुलवाकर जांच की गई। तेल के रंग और सुगंध में मिलावट की आशंका होने पर नमूने लिए गए और करीब 1125 किलो तेल सीज कर दिया गया। खाद्य सुरक्षा टीम ने अभियान के तहत मैसर्स महेश ट्रेडिंग कंपनी से घी और सरसों तेल, बस्सी स्थित मैसर्स छीतर मल पदमचंद जैन से लाल मिर्च पाउडर, मैसर्स रामचरण रामगोपाल से चाय, कानोता के कट्टा जनरल स्टोर से सरसों तेल और प्रहलादपुरा स्थित मैसर्स अरावली हनी इंडस्ट्रीज से शहद के नमूने लिए। विभाग के अनुसार सभी नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोविंद देवजी मंदिर में शरद पूर्णिमा पर होगा चंद्र गायत्री महायज्ञ

जयपुर। ठिकाना मंदिर गोविंद देवजी में शरद पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को विशेष धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा। मंदिर कार्यालय के पास गायत्री परिवार के तत्वावधान में और महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह आठ से दस बजे तक शरद पूर्णिमा महोत्सव एवं निशुल्क चंद्र गायत्री महायज्ञ संपन्न होगा। इस पांच कुंडीय निशुल्क महायज्ञ में देव आव्हान और षोडशोपचार पूजन के बाद विशेष आहुतियां दी जाएंगी। श्रद्धालु ''ऊं क्षीरपुत्राय विद्महे अमृततत्त्वाय धीमहि तन्नो चन्द्रः प्रचोदयात्'' चंद्र गायत्री मंत्र का उच्चारण करते हुए देसी नस्ल की गाय के दूध से बनी खीर से आहुतियां प्रदान करेंगे। इसके साथ ही हवन में पलाश के वृक्ष की समिधा का भी उपयोग किया जाएगा। मान्यता के अनुसार, चंद्रमा को चंद्र गायत्री मंत्र से आहुतियां अर्पित करने से मन को शांति मिलती है और भावनात्मक संतुलन बनता है। जिन लोगों में क्रोध, चिड़चिड़ापन, अधिक भावनात्मक उतार-चढ़ाव रहता है, जो सही निर्णय नहीं ले पाते या अपने विचार बार-बार बदलते हैं, अथवा किसी मनोविकास से ग्रस्त हैं, उन्हें इस यज्ञ से शीघ्र लाभ मिलने की बात कही गई है।

एसी का कॉपर वायर चुराने वाला गिरफ्तार

जयपुर। नाहरगढ़ थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकान से एसी का कॉपर वायर चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए 6.397 किलोग्राम कॉपर वायर बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी नशे का आदी है और नशे की पूर्ति के लिए सूने व निर्माणाधीन मकानों को निशाना बनाता था। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नाहरगढ़ थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकान से एसी का कॉपर वायर चोरी करने के मामले में नूर आलम (30) को गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से गांव धर्मपुर बारसोई, थाना आबादपुर, जिला कटिहार, बिहार का निवासी है और वर्तमान में नाहरी का नाका, शास्त्री नगर स्थित मक्का मस्जिद के पास रह रहा था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी रात के समय कचरा बीनने के बहाने सूने और निर्माणाधीन मकानों की रेकी करता था और मौका पाकर चोरी कर लेता था। उसके खिलाफ जयपुर शहर के विभिन्न थानों में पहले भी मामले दर्ज हैं, जिनमें संजय सर्किल थाने के वर्ष 2025 और 2026 के मामले शामिल हैं।

नकबजनी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

जयपुर। खोह नागोरियान थाना पुलिस ने कई इलाकों में सूने मकानों के ताले तोड़कर चोरी करने के मामले में शातिर नकबजन रामजीत मीणा (27) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का माल बरामद किया है। आरोपी पूर्व में भी नकबजनी के मामलों में सजा काट चुका है। पुलिस उससे अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी सुनील गोदारा के अनुसार पुलिस पूछताछ में आरोपी ने वर्ष 2021 में लुणियावास तथा वर्ष 2023 और 2025 में इंदिरा गांधी नगर में नकबजनी की वारदातें करना स्वीकार किया। इसके अलावा उसने 15 सितंबर 2026 को इंदिरा गांधी नगर, 20 जुलाई 2026 को गणेश विहार कॉलोनी और गोविंद एन्क्लेव, खोरी रोपाड़ा तथा 21 सितंबर 2026 को नारायण विहार, ढेर की ढाणी में सूने मकानों के ताले तोड़कर चोरी करना भी कबूला है।

युवक का अपहरण और मारपीट कर लूटे 1.08 लाख रुपये

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में बुधवार देर रात बदमाशों ने बाइक सवार युवक को गाड़ी से टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद नकाबपोश चार बदमाश उसे जबरन गाड़ी में डालकर ले गए और मारपीट कर 1.08 लाख रुपए लूट लिए। वारदात के बाद बदमाश युवक को सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने गुरुवार शाम मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

एएसआई रामावतार ने बताया कि भांकरोटा निवासी दिनेश कुमार माली (26) बुधवार देर रात करीब एक बजे चाकसू से बाइक पर घर लौट रहा था। चाकसू कट से एक गाड़ी उसके पीछे लग गई। कुछ दूरी पर अयोध्या नगरी के पास बदमाशों ने गाड़ी से उसकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इससे वह बाइक सहित सड़क पर गिर गया।

इसके बाद गाड़ी से उतरे नकाबपोश चार बदमाशों ने युवक के साथ मारपीट की और उसकी आंखों पर कपड़ा बांधकर जबरन गाड़ी में डाल लिया। बदमाश चलती गाड़ी में भी

- अयोध्या नगरी के पास बदमाशों ने गाड़ी से उसकी बाइक को पीछे से टक्कर मार
- नकाबपोश चार बदमाशों ने आंखों पर बांधा कपड़ा
- सुनसान जगह ले जाकर वारदात के बाद सड़क किनारे फेंका

उसके साथ मारपीट करते रहे। सुनसान जगह ले जाकर उसकी जेब में रखे 1.08 लाख रुपए छीन लिए।

लूट के बाद बदमाश युवक को सड़क किनारे फेंककर भाग गए। पीड़ित किसी तरह संभलकर मुख्य सड़क पर पहुंचा और राहगीरों की मदद से शिवदासपुरा थाने पहुंचा। पुलिस ने गाड़ी सवार नकाबपोश बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन स्पा सेंटरों पर छापेमारीः 19 गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने पुलिस आयुक्तालय की गाइडलाइन की पालना नहीं करने पर तीन स्पा सेंटरों पर औचक कार्रवाई कर 11 युवतियों और 8 युवकों सहित 19 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170 के तहत गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, स्पा संचालकों को पहले ही नियमों की पालना करने की चेतावनी दी गई थी।

शहर में नियमों के विपरीत संचालित स्पा सेंटरों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पारसमल जैन के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर शिवदयाल के पर्यवेक्षण में बजाज नगर थाने की टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने महिला पुलिसकर्मियों के साथ तीन स्पा सेंटरों पर दबिश दी। इनमें टोंक पुलिया के पास स्थित ग्लोरी थाई स्पा, गोपालपुरा स्थित कियारा थाई स्पा सेंटर और लक्ष्मी मंदिर के सामने स्थित एपी थाई स्पा शामिल हैं।

पुलिस लाइन में टॉक शो और स्वास्थ्य परीक्षण

- पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल की पहल एवं मार्गदर्शन में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, जयपुर की ओर से पुलिस लाइन में मानसिक स्वास्थ्य शिविर और टॉक शो आयोजित किया

जयपुर। पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल की पहल एवं मार्गदर्शन में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, जयपुर की ओर से पुलिस लाइन में मानसिक स्वास्थ्य शिविर और टॉक शो आयोजित किया गया। इसमें तनाव प्रबंधन, अवसाद, चिंता, नशे से जुड़ी समस्याओं और आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य संबंधी शुरुआती लक्षणों की पहचान कर समय पर विशेषज्ञ सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं मनोचिकित्सक डॉ. गजानंद वर्मा ने बताया कि पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान कई चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। उन्होंने तनाव प्रबंधन के व्यावहारिक उपायों, सकारात्मक जीवनशैली, भावनात्मक संतुलन और समय पर उपचार एवं परामर्श के महत्व की जानकारी दी। टॉक शो में प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

शिविर में मनोरोग देखभाल नर्स संजय मित्तल और केस रजिस्ट्री सहायक मनीष कुमार सुनारीवाल ने पुलिसकर्मियों का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किया। आवश्यकता के अनुसार निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं और व्यक्तिगत एवं गोपनीय परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्मिकों को बिना संकोच अपनी समस्याएं साझा करने तथा जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के आयोजन में पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अनुष्ठा कालिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पार्थ शर्मा, लाइन अधिकारी सागरमल, आरआई सपना पूनिया और पुलिस लाइन में पदस्थ डॉ. गिरिराज शर्मा का सहयोग रहा।

पुलिसकर्मियों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता के लिए टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 की जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि नियमित मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक महीने के चौथे शुक्रवार को पुलिस लाइन डिस्पेंसरी में शिविर लगाया जाता है। इसमें आवश्यकता के अनुसार परीक्षण, परामर्श और उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

अफेयर के शक में लिव-इन पार्टनर की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। पत्रकार कॉलोनी थाना पुलिस ने रामपुरा स्थित आमोर रेजिडेंसी में लिव-इन पार्टनर मोना जाटव (35) की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी युवराज सिंह उर्फ युगराज

- मोबाइल बंद कर बसों में दिल्ली, आगरा और भरतपुर घूमता रहा युवक

सिंह उर्फ दीपक (27) को गिरफ्तार किया है। आरोपी को गुरुवार देर रात भरतपुर के बी. नारायण गेट क्षेत्र से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में दूसरे व्यक्ति से प्रेम संबंध होने के शक में मोना की हत्या करना स्वीकार किया है। फिलहाल उससे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

डीसीपी दक्षिण राजर्षिराज वर्मा ने बताया कि आरोपी भरतपुर के

पुलिस ने हत्या के मामले का खुलासा करते हुए आरोपी युवराज सिंह उर्फ युगराज सिंह को गिरफ्तार किया।

चिकसाना क्षेत्र का निवासी है और पिछले करीब एक साल से रामपुरा की आमोर रेजिडेंसी में मोना के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था।

19 अक्टूबर को आमोर रेजिडेंसी के फ्लैट नंबर 901 में महिला का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतका की पहचान भरतपुर के नगला परशुराम निवासी मोना जाटव के रूप में हुई। रिपोर्ट के अनुसार, मोना की शादी वर्ष 2015 में हुई थी और उसके दो बच्चे हैं।

शेखावत का जीवन जन सेवा की मिशाल : देवनानी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधान सभा में शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय भैरोसिंह शेखावत को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. शेखावत को श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे शेखावत ने प्रदेश और देश की राजनीति में अपनी अद्वितीय पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि उनका राजनीतिक जीवन समर्पण, ईमानदारी और जनसेवा की मिसाल रहा। ग्रामीण विकास, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सुशासन की दिशा में उनके योगदान को सदा स्मरण किया जाएगा। पूर्व विधायक नरपत सिंह राजवी, स्व. शेखावत के परिजन राजस्थान विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा, नन्द किशोर शर्मा, अल्का दुआ सहित विधानसभा के अधिकारीगण एवं कर्मचारियों ने भी स्व. शेखावत को पुष्पांजलि दी।

खाई में कार गिरने से आगरा के चार युवकों की मौत

जयपुर। रायसर थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-148 (दौसा-मनोहरपुर) पर शुक्रवार सुबह टायर फटने से स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवक घायल हो गए। सभी आगरा (उत्तर प्रदेश) के रहने वाले थे और खाटूश्यामजी में भजन-कीर्तन का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण करने आए थे। हादसे के बाद हाईवे पर करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

सीओ रामकिशन विश्नोई ने बताया कि हादसा शुक्रवार सुबह करीब छह बजे रायसर थाना क्षेत्र में हुआ। कार का टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। हादसे में आगरा के रामबाग निवासी अतुल वार्ष्णेय (35), कालिंदी विहारनिवासी मुकुल जायसवाल (21), रूपेश जाटव (25) और शिवा सिंह (20) की मौत हो गई। वहीं, नुनिहाई निवासी राहुल

- दो युवक घायल, आगरा से भजन-कीर्तन का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण करने आए थे

शर्मा (36) और बल्केश्वर निवासी अर्पित बंसल (20) घायल हो गए। दोनों को निम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अतुल के छोटे भाई रोहित वार्ष्णेय ने बताया कि अतुल अपने दोस्तों और स्टाफ के साथ 21 अक्टूबर को आगरा से खाटूश्यामजी गए थे। वहां 22 अक्टूबर को एकादशी के अवसर पर आयोजित भजन-कीर्तन का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण करना था। कार्यक्रम की लाइव कवरेज पूरी करने के बाद सभी कार से लौट रहे थे। कार अतुल के नाम पर थी और उसे राहुल शर्मा चला रहा था।

दादू दयाल महासभा के फर्जी दस्तावेज तैयार करने के आरोप में तीन गिरफ्तार

जयपुर। मोती डूंगरी थाना पुलिस ने दादू दयाल महासभा के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनका इस्तेमाल करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर महासभा की बैठक की फर्जी कार्यवाही तैयार करने, सदस्यों के फर्जी हस्ताक्षर करवाने और दस्तावेज रजिस्ट्रार कार्यालय में पेश कर प्रमाण पत्र हासिल करने का आरोप है। शुक्रवार को अदालत ने आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

डीसीपी ईस्ट रंजिता शर्मा ने बताया कि कुलदीप स्वामी (45) निवासी एएसजीएम नगर रीको कांटा सांगानेर, मुकेश कुमार स्वामी (52) निवासी छोटी जमात वार्ड नंबर 6, लालसोट और नरेंद्र पंथी (56) निवासी इंदौर (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो दिन पहले तीनों को अदालत

पुलिस ने दादू दयाल महासभा के फर्जी दस्तावेज तैयार कर उनका इस्तेमाल करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

में पेश किया था, जहां से उन्हें एक दिन का पुलिस रिमांड मिला था। रिमांड अवधि पूरी होने पर शुक्रवार को फिर अदालत में पेश किया गया।

डीसीपी ईस्ट रंजिता शर्मा ने बताया कि परिवादी ने शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपियों ने अन्य लोगों के साथ मिलीभगत कर 30 जुलाई 2025 को दादू दयाल महासभा, मोती डूंगरी, जयपुर की बैठक होना दर्शाया। इसके बाद बैठक की फर्जी कार्यवाही विवरणिका तैयार कर उस पर महासभा के सदस्यों सहित अन्य लोगों के फर्जी हस्ताक्षर करवाए गए।

- बैठक की फर्जी कार्यवाही और हस्ताक्षरों के आधार पर रजिस्ट्रार कार्यालय से प्रमाण पत्र लेने का आरोप

आरोप है कि इन दस्तावेजों को महासभा की वास्तविक कार्यवाही बताकर रजिस्ट्रार कार्यालय जयपुर में पेश किया गया और कार्यालय को गुमराह कर प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया गया। दस्तावेजों में अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित विवरण भी शामिल होने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ता पक्ष ने इन दस्तावेजों को संस्था के संविधान और निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत बताया है।

थानाधिकारी मोहन सिंह ने बताया कि शिकायत के अनुसार 3 नवंबर 2025 को नरैना धाम में महंत गोपालदास महाराज के निर्वाण दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा के दौरान हस्ताक्षर रजिस्टर की फोटोकॉपी कराई गई थी। इसके बाद आरोप लगा कि 30 जुलाई 2025 की तारीख दर्शाकर महासभा की बैठक की फर्जी कार्यवाही तैयार की गई और उसे रजिस्ट्रार कार्यालय में प्रस्तुत किया गया।

थानाधिकारी मोहन सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता पक्ष ने दादू दयाल महासभा को ऐतिहासिक, सामाजिक और धार्मिक संस्था बताते हुए आरोप लगाया कि कथित फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल संस्था की करोड़ों-अरबों रुपए की अचल संपत्तियों से जुड़े मामलों में किया गया। पक्ष ने इसमें अन्य लोगों की भूमिका होने का भी आरोप लगाया है।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ 'संवाद' कार्यक्रम

जयपुर। राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के सुदृढ़ीकरण एवं तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में 'संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जोधपुर, अजमेर, कोटा, बीकानेर, जयपुर, राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जयपुर एवं कोटा के प्राचार्यों ने अपने-अपने संस्थानों की तकनीकी शाखाओं, उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों, भविष्य की कार्ययोजना एवं प्रमुख चुनौतियों पर प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य सचिव ने राजस्थान को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इन महाविद्यालयों को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

ई-कॉमर्स पर असली हेलमेट की जगह भेजते थे सस्ते हेलमेटः ओएलएक्स पर बेचते थे महंगा माल

जयपुर। ई-कॉमर्स मंचों के जरिए ग्राहकों को महंगे ब्लूटूथ हेलमेट के बदले सस्ते हेलमेट भेजकर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोपी हेडफॉक्स कंपनी के असली हेलमेट अपने पास रख लेते थे और ग्राहकों को दूसरी कंपनी के कम कीमत वाले हेलमेट भेज देते थे। इसके बाद असली हेलमेट ओएलएक्स पर कम कीमत में बेचने के लिए विज्ञापन देते थे। ज्योति नगर थाना पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 200 से अधिक असली ब्लूटूथ हेलमेट बरामद किए हैं।

इनकी कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई गई है। डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सुरेंद्र कुमार नागर (24), मूल निवासी ढोढसर, जयपुर ग्रामीण, हाल निवासी सूर्य नगर, मुरलीपुरा तथा सुशील कुमार बुराड़िया (27), मूल निवासी सीकर, हाल निवासी गणेश नगर-2, न्यू करणी कॉलोनी, हरमाड़ा शामिल हैं। पुलिस मामले में ई-कॉमर्स

- पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, 10 लाख रुपए कीमत के 200 से अधिक ब्लूटूथ हेलमेट बरामद

कंपनी में काम करने वाले एक अन्य व्यक्ति की भूमिका की भी जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार हेडफॉक्स इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि शुभम चौहान ने 19 अक्टूबर को ज्योति नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कंपनी हेडफॉक्स ब्रांड के ब्लूटूथ हेलमेट बनाती है। एक हेलमेट की बाजार कीमत करीब 4 हजार रुपए है और कंपनी ई-कॉमर्स मंचों के जरिए अपने उत्पाद बेचती है। शिकायत के मुताबिक, जनवरी से ग्राहकों की ओर से हेलमेट और अन्य उत्पादों को लेकर लगातार शिकायतें मिलने लगीं।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
SATURDAY
24 October 2026
A-B

Celebrating National Food Day: Honouring Nutrition and Community

National Food Day is observed to raise awareness about the importance of healthy eating, sustainable food practices, and access to nutritious meals for all. It encourages people to make mindful choices, appreciating fresh, wholesome ingredients while reducing processed foods. Beyond personal health, the day highlights the broader impact of food on communities, the environment, and local economies. Farmers, chefs, and nutritionists often come together to share knowledge, recipes, and initiatives that promote wellness. By celebrating National Food Day, individuals are reminded that food is not just fuel, it's culture, connection, and care.

#LITERAL MEANINGS

Biblical Hebrew Names and Their Meanings

Hebrew names were deeply meaningful in ancient Israelite culture. Rather than being simple labels, they often conveyed statements about God's nature

In Biblical Hebrew, the word "El" means God and is one of the earliest and most widely used divine titles in the Hebrew Bible. This term appears not only as a name for God but also as a key element in many personal names. Such names are known as theophoric names, meaning they include a reference to God and express faith, identity, or theological belief. Hebrew names were deeply meaningful in ancient Israelite culture. Rather than being simple labels, they often conveyed statements about God's nature, a person's destiny, or a family's devotion. Names containing El commonly highlight divine attributes such as strength, justice, and uniqueness.

One well-known example is Daniel, which literally means "God is my judge." The name is formed from the Hebrew verb *dan*, meaning to judge, combined with *El*, meaning God. This name reflects trust in divine justice over human authority and is fittingly borne by the biblical figure Daniel, who is portrayed as faithful and wise in the face of persecution.

Another significant name is Gabriel, which means "God is my strength" or "mighty one of God." The name derives from the Hebrew root *g-b-r*, associated with strength and power, joined with *El*. In biblical tradition, Gabriel appears as a messenger of God, and his name emphasizes the idea that divine strength operates through him. The root *Geber* itself means "strong man" or "mighty man." While Geber does not always include El as part of the name, it is an important linguistic root in Biblical Hebrew and forms the foundation for names such as Gabriel. In Scripture, *geber* is often used to describe a man characterized by strength, courage, or maturity.

The name Michael carries a uniquely theological meaning: "Who is like God?" Rather than making a direct statement, the name poses a rhetorical question. It is formed from *mi* (who), *kha* (like), and *El* (God), implying that no one can compare to God. Michael is depicted in biblical texts as a powerful heavenly protector, reinforcing the message of God's unmatched authority.

The repeated use of *El* in these names reflects the central role of God in Hebrew thought and daily life. By embedding God's name within personal identities, ancient Hebrews expressed dependence on divine justice, strength, and sovereignty. These names served as constant reminders of faith and covenant relationship.

In conclusion, Biblical Hebrew names containing *El* are rich in meaning and theology. Names such as Daniel, Gabriel, and Michael are not merely historical or religious labels but compact expressions of belief. Their literal meanings reveal how language, faith, and identity were deeply intertwined in the biblical world, leaving a lasting legacy that continues to influence religious and cultural traditions today.

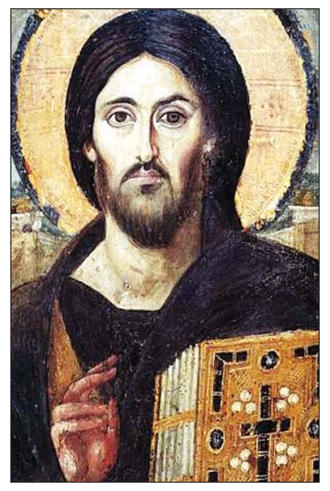

A Festival That Survived the Fall of Kings and Kingdoms

The howdah, a ceremonial seat covered with gold, represents the grandeur of Mysore's monarchy. Accounts commonly describe the structure as weighing around 750 kilograms, with approximately 80 kilograms of gold used in its covering, although descriptions of its weight and construction vary.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

From the grandeur of the Vijayanagara Empire to the illuminated Mysore Palace, the 416th celebration of Mysuru Dasara tells a story of power, devotion, loss and survival.

In October 2026, Mysuru celebrated Dasara for what is traditionally counted as the 416th time. Kingdoms have fallen, a palace has burned to the ground, a sultan has risen and fallen, and kings have lost their crowns. Yet, the festival has endured.

Mysuru Dasara is more than a religious celebration. It is a living historical tradition that has passed through empires, wars, colonial rule and independence. Its story raises an intriguing question: how did a festival once used by emperors and kings to display their power survive long after their kingdoms disappeared? To find the answer, we must travel back more than five centuries, to one of the richest and most powerful cities in southern India.

1443: A Persian Ambassador Witnesses the Grandeur

In 1443, Abdur Razzaq, a Persian ambassador, arrived at Vijayanagara, the capital of a mighty South Indian empire. He encountered a city of extraordinary wealth, elaborate ceremonies and royal splendour.

Among the important celebrations of the empire was Mahanavami, associated with the ninth day of Navaratri. Foreign visitors recorded the grandeur of these festivities, providing valuable accounts of how the occasion was celebrated at the Vijayanagara court.

Around eight decades later, the Portuguese traveller Domingo Paes visited Vijayanagara during the reign of Emperor Krishnadevaraya. His account offers one of the most detailed descriptions of the empire's royal celebrations.

For nine days, the city witnessed feasts, dancers, wrestling competitions, elephants, horses, gifts and ceremonies honouring the goddess. The festivities brought together the religious traditions of the kingdom and the political authority of its ruler. At the centre of the celebrations stood the Mahanavami Dibba, an elevated ceremonial platform. From this vantage point, the emperor presided over the festivities, while provincial governors and military chiefs, known as Nayakas, assembled to pay homage.

This was not merely a festival. It was a public demonstration of imperial authority.

Every governor who attended affirmed his connection to the emperor. Every procession, ceremony and royal appearance communicated the strength of the empire.

The celebration combined devotion with politics, spectacle with administration, and religion with the display of royal power.

But the empire that created this extraordinary tradition would not last forever.

1565: The Empire Falls, but Its Traditions Survive

In 1565, the Battle of Talikota dealt a devastating blow to the Vijayanagara Empire. Its forces were defeated by a coalition of Deccan sultanates, and the imperial capital was subsequently devastated and looted.

The empire did not disappear overnight, but its authority weakened dramatically. Its rulers struggled to maintain control over distant territories, and regional governors and local chiefs gradually asserted greater independence.

Among these regional powers was the Wadiyar family of Mysore.

At the time, Mysore was a comparatively small kingdom. Farther north, on an island formed by the River Kaveri, stood the fortified town of Srirangapatna, an important centre of power associated with Vijayanagara's administration.

As the old empire weakened, the political landscape of southern India began to change. Local rulers sought to establish their own authority, and the traditions of the imperial court became symbols that could be adopted by emerging kingdoms.

The Wadiyars would use one such tradition to announce their arrival on the political stage.

1610: The Beginning of Mysore's Royal Dasara

In 1610, Raja Wadiyar I took control of Srirangapatna and established it as his capital. The precise circumstances surrounding the transfer of power are described differently in historical accounts, but the year is central to the traditional chronology of Mysuru Dasara.

A family tradition adds another important detail. In 1609, a royal throne was reportedly transferred to Raja Wadiyar by Tirumala, the Vijayanagara viceroy. According to dynastic tradition, the throne had ancient associations with the Pandavas of the Mahabharata and had subsequently become connected with the Vijayanagara rulers.

Whether viewed as political symbolism or dynastic legend, the throne represented continuity with an older royal order.

Raja Wadiyar now possessed a capital, a throne and a growing kingdom. In 1610, he celebrated Dasara with royal ceremony at Srirangapatna.

The significance was unmistakable. The political centre of southern India was changing, but the grand imperial tradition was being preserved.

By adopting the ceremonies associated with Vijayanagara, the Wadiyars connected themselves with its prestige while presenting Mysore as an independent kingdom in its own right.

The year, 1610, is traditionally recognised as the starting point of the Mysore royal Dasara tradition. Counting from that year brings the festival's 416th celebration in 2026, although historical records and modern festival counts do not always follow an identical convention.

Alamelamma and the Curse of the Wadiyars

The story of Mysore's rise is also associated with one of Karnataka's most enduring legends: the curse of Alamelamma.

According to tradition, Alamelamma was connected to the former Vijayanagara administration at Srirangapatna. When Raja Wadiyar's forces took control, she is said to have fled with her jewellery.

The legend recounts that, pursued by the king's men, she threw her jewels into the River Kaveri, leapt into the water and pronounced a curse before her death. The curse supposedly declared that the Wadiyar dynasty would never have heirs.

The story became deeply woven into the dynasty's popular history. Successive generations interpreted episodes of uncertainty in the royal succession through the lens of Alamelamma's curse.

During Dasara, a doll representing Alamelamma is traditionally associated with worship inside the palace, reflecting the place her story occupies in the family's cultural memory.

The tale belongs to the realm of legend rather than established historical fact. Nevertheless, it reveals how the festival became intertwined not only with royal power but also with the beliefs, fears and memories of the dynasty that sustained it.

#MYSURU DASARA

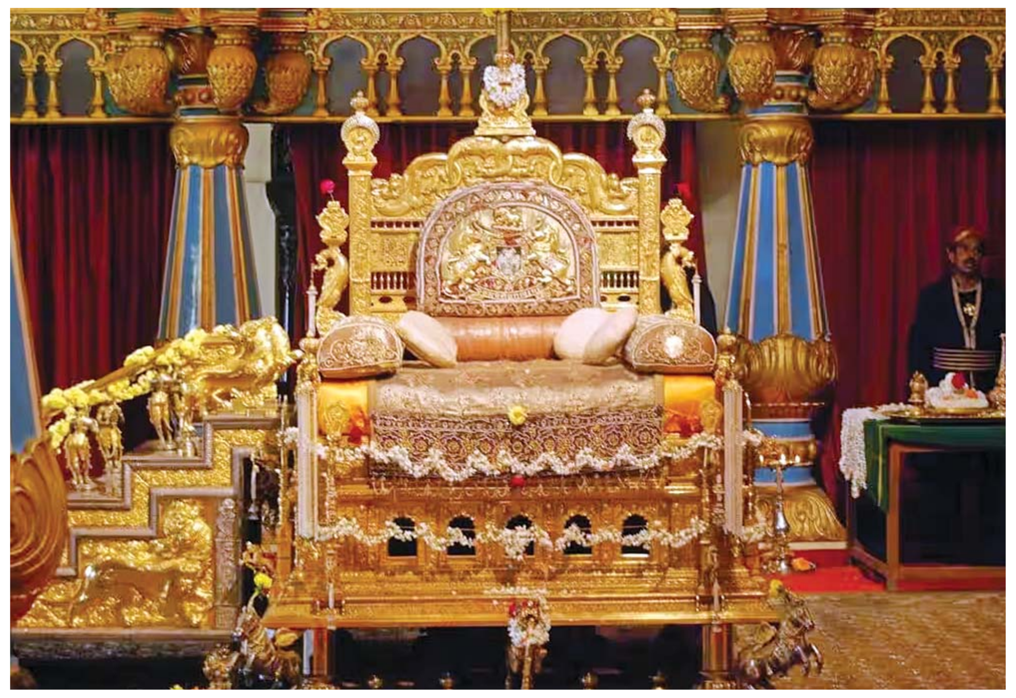

From Royal Grandeur to Political Uncertainty

For roughly a century and a half, the Wadiyars ruled from Srirangapatna, and Dasara remained an important royal celebration.

But by the 1760s, political authority was shifting. Hyder Ali, a military commander who rose through the Mysore state, became its effective ruler. The Wadiyar kings remained on the throne for periods under this new political arrangement, but their independent authority diminished.

What happened to Dasara during these years?

The festival continued, although its royal character and political significance changed as power moved away from the Wadiyar court. The continuity of the tradition was not always as grand as it had been during periods of strong royal patronage.

Hyder Ali's son, Tipu Sultan, subsequently ruled Mysore. In 1799, Tipu died defending Srirangapatna against the British and their allies.

The fall of Tipu Sultan transformed Mysore's political future. The British restored the Wadiyar dynasty, placing the five-year-old Krishnaraja Wadiyar III on the throne. The capital returned to Mysore, and the royal family began a new chapter.

Dasara would soon return to prominence.

The 19th Century: Dasara Becomes a Public Spectacle

Under Krishnaraja Wadiyar III, Dasara regained its position at the centre of royal life.

The king developed the tradition of holding a special Dasara Darbar in the palace. Historical accounts associate the development of the formal royal durbar with the early nineteenth century, although the precise starting year is not uniformly recorded.

The ceremonies brought together officials, courtiers and representatives of the kingdom. European officers and British officials also became part of the wider world of royal interaction.

Dasara was no longer simply an occasion for religious observance. It became a carefully staged public expression of Mysore's identity, authority and relationship with British power.

The festival allowed the monarchy to preserve its ceremonial importance even as the political environment around it changed.

In 1831, the British assumed direct administration of Mysore. For approximately five decades, the kingdom was administered under British authority rather than through the Wadiyar ruler's independent government.

Yet, Dasara endured.

In 1881, administrative authority was restored to Chamarajendra Wadiyar X under the process known as the Rendition of Mysore. The return of the kingdom to its ruler helped renew the importance of royal patronage and ceremonial life.

Another significant development had already begun in 1880: the Dasara Exhibition. Designed to showcase agricultural developments, trade, crafts, industries and new products, the exhibition reflected the changing ambitions of Mysore.

The festival was becoming a platform for presenting not only royal grandeur but also the material progress of the state.

More than 140 years later, the Dasara Exhibition remains part of the celebrations, connecting the modern festival with its nineteenth-century emphasis on commerce, innovation and public participation.

1897: A Palace Burns, and a New One Rises

In 1897, disaster struck the royal household.

During a royal wedding, the old wooden palace caught fire and was destroyed. A structure that had witnessed generations of ceremonies and celebrations was reduced to ashes.

But the destruction did not end Mysore's royal tradition.

The royal family commissioned British architect Henry Irwin to design a new palace. Construction took place during the reign of Krishnaraja Wadiyar IV, and the new palace was completed in 1912.

The building that emerged became one of the most recognisable landmarks in India, combining architectural influences into a grand royal complex.

Under Krishnaraja Wadiyar IV, Mysore became widely admired for its educational, administrative, cultural and public works initiatives. The Dasara Darbars acquired a legendary reputation, attracting visitors and dignitaries from different parts of India and beyond.

The palace became the spectacular setting for the festival that had survived the destruction of its predecessor.

Its illumination would eventually become one of Dasara's most recognisable sights. Thousands of lights outline its domes, arches and towers, transforming the building into a glowing symbol of Mysore's history.

In 2025, reports put the palace illumination at approximately 96,700 bulbs. The spectacle remains a major attraction for visitors during the festival season.

The Golden Howdah: A Symbol of a Lost Monarchy

Among the most famous features of Mysuru Dasara is the Jamboo Savari, the grand elephant procession held on Vijayadashami.

Historically, the Maharaja occupied the central position in this procession, seated in the Golden Howdah carried by a decorated elephant.

The howdah, a ceremonial seat covered with gold, represents the grandeur of Mysore's monarchy. Accounts commonly describe the structure as weighing around 750 kilograms, with approximately 80 kilograms of gold used in its covering, although descriptions of its weight and construction vary.

The last ruler of Mysore to ride in the Golden Howdah was Maharaja Jayachamarajendra Wadiyar.

After India became independent in 1947, the princely states were integrated into the Indian Union. In 1970, the recognition of former rulers was withdrawn through a presidential order. The 26th Constitutional Amendment, enacted in 1971, abolished privy purses and formally ended the constitutional arrangements associated with the former princes.

The royal era was over, but Dasara was not.

Jayachamarajendra Wadiyar's last public Dasara was held in 1969. For a moment, the disappearance of royal privileges and political authority appeared to threaten the festival's future.

Instead, the tradition adapted once again.

The Wadiyar family continued certain rituals inside the palace, while the state government assumed responsibility for organising the public celebrations. Mysuru Dasara became Karnataka's Nada Habba, or state festival.

The Golden Howdah remained part of the procession, but the royal figure was replaced by the idol of Goddess Chamundeshwari, the presiding deity of Mysuru.

The symbolism changed, yet, the procession continued.

What had once displayed the authority of a king now represented the cultural identity of an entire state.

Goddess Chamundeshwari and the Sacred Meaning of Dasara

At the heart of Mysuru Dasara is Goddess Chamundeshwari, the guardian deity of the city and the divine presence associated with Chamundi Hill.

The festival commemorates the triumph of good over evil, expressed through the victory of the goddess over the buffalo demon Mahishasura in Hindu tradition.

This religious significance gives the celebrations a meaning that extends beyond political history.

The palace, processions and royal ceremonies may have changed across the centuries, but devotion to the goddess remains central to the festival.

The idol of Chamundeshwari is carried in the Golden Howdah during the Vijayadashami procession, transforming a symbol of royal authority into a vehicle of religious devotion and public celebration.

For devotees, the procession is not simply a historical pageant. It is an expression of faith and an opportunity to honour the goddess who protects Mysuru.

From Forest Camps to the Streets of Mysuru

The elephants that participate in the procession are among its most celebrated participants.

Many are brought from forest camps such as Dubare and Mathigodu, with other elephants associated with the wider forest regions of Karnataka. Their preparation begins well before Dasara, involving training, veterinary attention, feeding and acclimatisation to crowds and ceremonial duties.

Their arrival is associated with Gajapayana, a ceremonial journey marking the beginning of the elephants' participation in the festival.

Historically, elephants travelled long distances towards Mysore for the celebrations. The ceremony has undergone interruptions and changes over time, with its revival commonly associated with 1998 and the region around Nagarahole.

Today, the elephants' arrival signals that Dasara is approaching. Their presence connects the festival with Karnataka's forest heritage while requiring careful attention to animal health, welfare and safety.

For spectators, the decorated elephants provide a striking visual link to the royal processions described in historical accounts.

The Throne That Appears Only Once a Year

Inside the Mysore Palace, another tradition continues away from the crowds. The royal throne associated with the Wadiyar dynasty is assembled for Dasara and dismantled after the celebrations. Its components are stored securely during the rest of the year.

Traditionally described as incorporating figwood, ivory plaques and gold ornamentation, the throne represents the ceremonial authority of the dynasty.

During Navaratri, the head of the Wadiyar family conducts the private Khasgi Darbar, maintaining a ritual associated with the old royal court.

Since 2015, Yaduveer Krishnadatta Chamaraja Wadiyar has continued this family tradition.

The private durbar is distinct from the state-organised public celebrations. Its continuation demonstrates how the festival now exists in two related forms: a public event belonging to Karnataka's cultural life and a private ceremonial tradition preserved by the former royal family. The king no longer governs Mysore as a sovereign ruler, but the rituals associated with the dynasty remain part of the city's historical memory.

Vijayadashami: From the Banni Tree to the Torchlight Parade

The climax of Mysuru Dasara arrives on Vijayadashami, the tenth day of the festival.

The procession moves through the city towards Bannimantap, where the celebrations include the traditional worship of the banni, or shami, tree.

According to the Mahabharata tradition, the Pandavas hid their weapons in a shami tree during their period of exile. The tree subsequently became associated with the recovery of weapons, victory and preparation for battle.

Mysore's rulers traditionally worshipped the banni tree as part of the Dasara ceremonies, seeking blessings before military campaigns. The ritual connected religious observance with the older responsibilities of kingship and warfare.

Today, the procession preserves this symbolic connection while serving as a major public celebration.

The festivities at Bannimantap culminate in the famous torchlight parade, featuring marching contingents, horses, illuminated formations and displays of coordinated movement.

What began within the context of royal and military ceremony has evolved into a large-scale cultural spectacle, attracting crowds eager to witness the final chapter of Dasara.

The weapons and armies of the old kingdom are gone. The ceremony, however, continues to recall their place in Mysore's history.

416 Celebrations Later, the Festival Still Stands

Mysuru Dasara has passed through extraordinary changes.

It inherited ceremonial traditions associated with the Vijayanagara Empire. It flourished under the Wadiyars, survived the rise of Hyder Ali and Tipu Sultan, returned to prominence under restored royal rule, endured British administration, witnessed the destruction of an old palace and continued after the monarchy lost its constitutional privileges.

At each turning point, the festival changed its form without disappearing.

Its royal processions became public celebrations. Its Golden Howdah ceased to carry a ruling Maharaja and began carrying the goddess. Its exhibition grew into a continuing public fair. Its palace rituals survived alongside state-organised events.

The festival's endurance does not mean that nothing changed. Almost everything around it did.

The political authority behind the ceremonies disappeared. The meaning of the procession evolved. The institution responsible for organising the celebrations changed. Yet, the people of Mysuru continued to recognise Dasara as part of their shared identity.

Perhaps, that is the most remarkable part of its history.

Mysuru Dasara began as a celebration shaped by royal power and religious devotion. Over centuries, it became something larger than the dynasty that sustained it.

In October 2026, as the palace lights shone, the elephants moved through the streets and the Golden Howdah carried Goddess Chamundeshwari, the city once again witnessed a tradition that has outlived empires. Kings have lost their crowns. Palaces have turned to ashes. Kingdoms have vanished from the map.

But Dasara continues. Because the story of Mysuru Dasara is no longer just the story of its kings. It is the story of a tradition that learned how to survive them.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

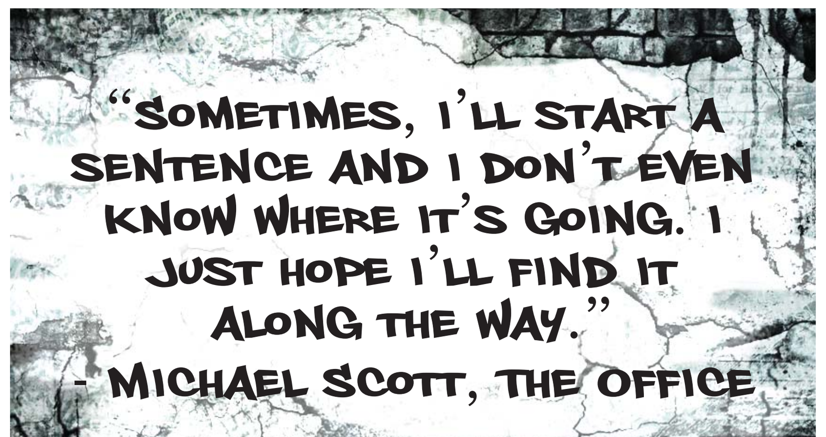

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

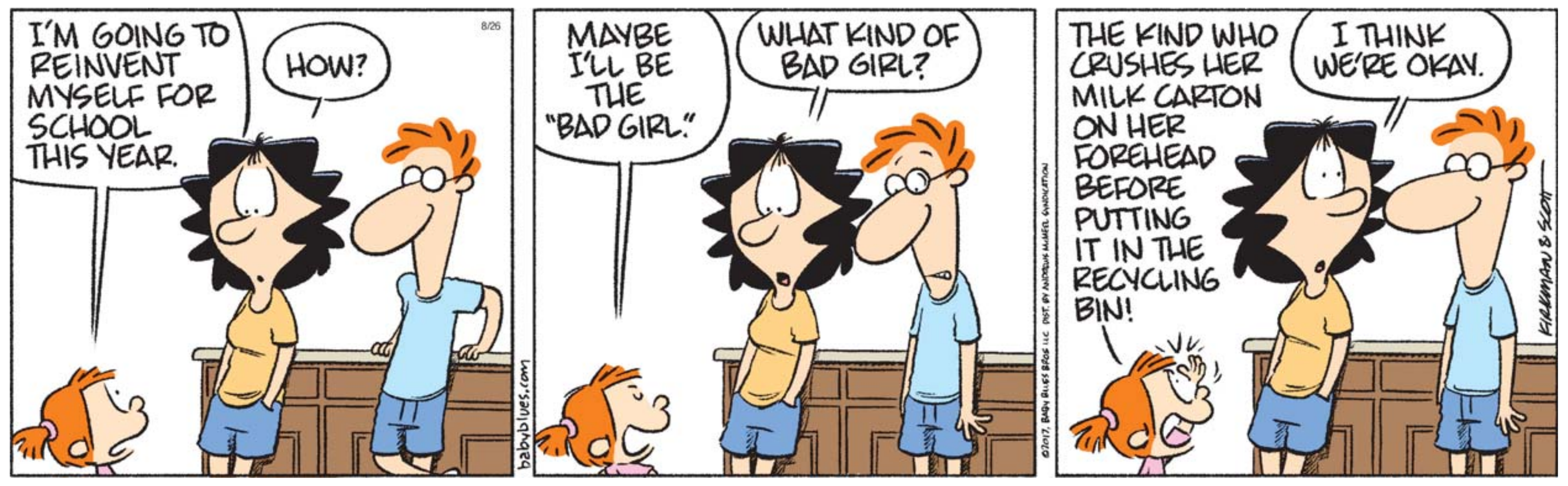

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

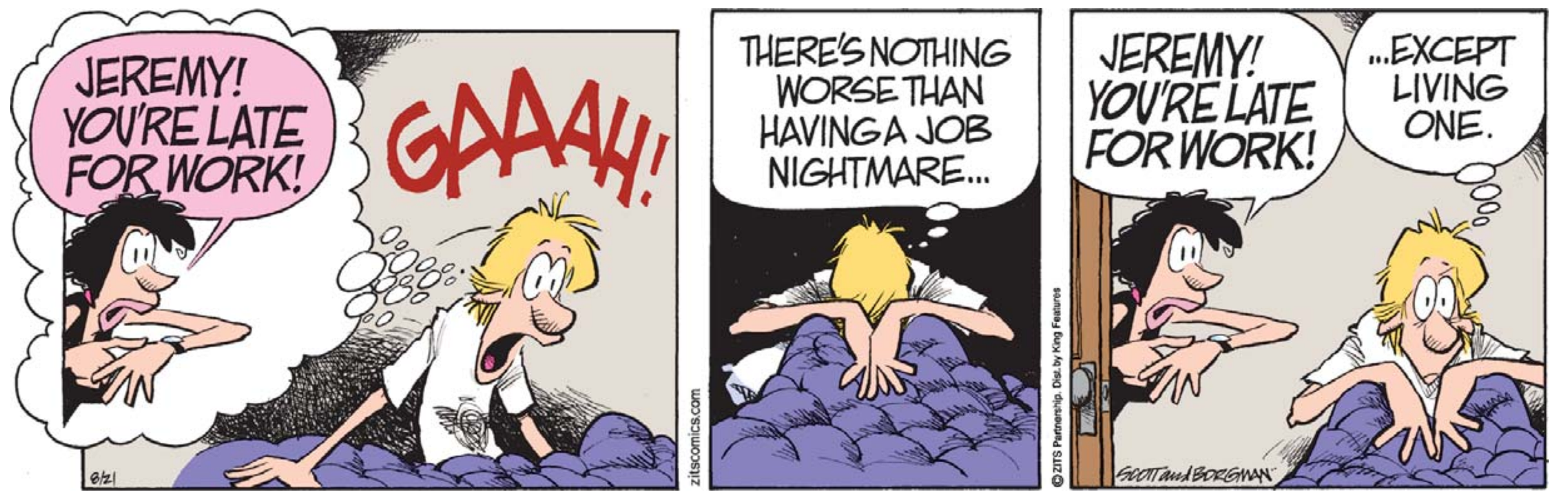

सांभर के गौरव पथ पर पेयजल लाइन फिर टूटी, लोग परेशान

सांभरझील, (निसं)। सांभर के गौरव पथ पर करीब दो-तीन साल से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की पेयजल लाइन टूटने का क्रम थमने का नाम नहीं ले रहा है। सांभर के किसी न किसी मोहल्ले में बताया जा रहा है कि हजारों लीटर पानी इसलिए बर्बाद हो जाता है कि आए दिन लीकेज होते रहते हैं। पुराने लोगों का कहना है कि सांभर की पाइपलाइन कई दशकों पहले डाली गई थी, जिसकी उम्र पूरी हो चुकी है। स्थानीय जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को हेड डिपार्टमेंट की ओर से पर्याप्त संसाधन उपलब्ध सही समय पर नहीं करवाए जाते हैं। बताया जा रहा है कि विभाग के पास तकनीकी कर्मचारियों की भी कमी है। जानकारी में आया है कि लीकेज को ठीक करने के लिए विभाग की ओर से ठेका दिया हुआ है। जनहित संघर्ष समिति के अध्यक्ष ओम सिंह राठौड़ बताते हैं कि कम से कम 20 बार विभाग के अलावा मैंने उन तक को अवगत करवा दिया जो यहां की राजनीति में भूमिका सक्रिय रखते हैं। सहायक अभियंता राम सिंह गुर्जर बताते हैं कि यहां की लाइन पूरी तरह से जवाब दे गई है, यह तो हमने बड़ी मुश्किल से जैसे-जैसे संभाल रखा है। हमें दुख होता है कि इससे जनता को परेशानी होती है। सरकार की ओर से मंजूर की गई योजना के अंतर्गत जैसे ही काम शुरू होगा संपूर्ण लाइन दोबारा से बिछाई जाएगी, तब तक तो हमारी मजबूरी है, हम भी क्या करें। फिर भी लाइन को ठीक सुबह तक करवा दिया जाएगा

लाडनूं के "कुलगुरु" सम्मान समारोह में जुटे देशभर के विद्वान

समारोह में वाराणसी, नई दिल्ली, उज्जैन आदि जगहों से विद्वान ने शिरकत की

लाडनूं तहसील के जसवंतगढ़ में अखिल भारतीय कुल गुरु सम्मान समारोह का भव्य आयोजन हुआ।

लाडनूं। तहसील के जसवंतगढ़ में अखिल भारतीय कुल गुरु सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह समारोह समाजसेवी महावीर प्रसाद तापड़िया के 90वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित यज्ञ सम्राट प्रखर जी महाराज ने समाज को अपना पावन आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन, तथा उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति सम्मिलित हुए। अपने 90वें जन्म दिवस पर समारोह को संबोधित करते हुए महावीर प्रसाद तापड़िया ने संस्थान के गौरवशाली इतिहास को साझा करते हुए कहा हमारे पूज्य पिताजी ने इस संस्था की स्थापना की थी। उस समय पिताजी का मुख्य लक्ष्य और संकल्प यह था कि यहाँ से अच्छे विद्वान तैयार हो सकें और देश के लिए संस्कारवान नागरिक तैयार हो सकें। इस अवसर पर तापड़िया परिवार के वरिष्ठ सदस्य विजय कुमार तापड़िया और शिवरतन तापड़िया भी मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर एक भव्य पांडुलिपि प्रदर्शनी भी लगाई गई, जो सभी के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। यह प्रदर्शनी ज्ञान भारतम परियोजना के तहत लगाई गई। समारोह में प्रखर जी महाराज ने सनातन संस्कृति और आधुनिक शिक्षा के समन्वय पर बल दिया।

- **यज्ञ सम्राट प्रखरजी महाराज ने समाज को दिया आशीर्वचन**

युवाओं ने निष्पक्ष व विवेकपूर्ण मतदान का संकल्प लिया

कोटपूतली, (निसं)। यहां के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय के निर्वाचन साक्षरता क्लब के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं व छात्र-छात्राओं को भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान के वास्तविक महत्त्व, अपने संवैधानिक अधिकारों तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के प्रति प्रेरित करना था। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि एक सशक्त, स्वस्थ और पारदर्शी लोकतंत्र की सफलता पूरी तरह से जागरूक नागरिकों की सक्रियता पर निर्भर करती है। मतदान केवल एक कानूनी अधिकार ही नहीं, बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति हमारा एक अनिवार्य नागरिक दायित्व भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं निर्वाचन प्रक्रियाओं के प्रति सतर्क रहें और अपने परिवार एवं सामाजिक परिवेश में भी मतदाता जागरूकता की अलख जगाएं।

उन्होंने निष्पक्ष, निर्भीक और विवेकपूर्ण मतदान को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन करने व प्रक्रिया की ऑनलाईन और ऑफलाईन जानकारी दी गई। इस दौरान डॉ. हंसराज सोनी, डॉ. हुकम चंद गुर्जर, एनएसएस प्रभारी प्रो. घनश्याम, डॉ. अमित कुमार समेत महाविद्यालय स्टॉफ व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

भिवाड़ी में जेप्टो वेयरहाउस पर खाद्य विभाग का छापा

किशनगढ़ बास(निसं)। दीपावली से पहले मिलावट के खिलाफ जिले में चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को भिवाड़ी में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने मैसर्स किराणा कार्ट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (जेप्टो) के खिजोरीवास रोड स्थित वेयरहाउस पर छापा मारकर करीब 150 किलो खाद्य पदार्थ और 50 किलो आटा मौके पर ही नष्ट करवाया है। कार्रवाई के दौरान निरीक्षण में वेयरहाउस में भारी अनियमितताएं और गंदगी मिलने पर साफ सफाई रखने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट के दिशा-निर्देश में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को भिवाड़ी के जेप्टो वेयरहाउस पर कार्रवाई की। टीम ने मौके से पांच सैंपल लिए है, जिनमें डेली गुड ब्रांड का देसी घी, सरसों का तेल, सूजी, रिफाइंड सनफ्लावर ऑयल और राजधानी ब्रांड का बेसन शामिल है। सभी सैंपलों को जांच के लिए लैब में भिजवाया गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग के नोडल अधिकारी हेमंत कुमार यादव ने बताया कि निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में साफ-सफाई की भारी कमी पाई गई। सबसे गंभीर अनियमितता कोल्ड स्टोरेज में मिली। कोल्ड हाउस में शाकाहारी खाद्य पदार्थों के साथ ही नॉनवेज खाद्य पदार्थ जैसे चिकन और फिश को एक साथ रखा गया था, जो कि अधिनियम 2006 के नियमों के बिल्कुल खिलाफ है। इस पर वेयरहाउस के कर्मचारियों को तुरंत पाबंद कर खाद्य पदार्थों को अलग-अलग और सही तरीके से रखने के दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान काफी मात्रा में खाद्य पदार्थ खुला हुआ, एक्सपायरी डेट का और बिना साफ-सफाई के पाया गया। जिस पर टीम ने सख्त रुख अपनाते हुए मौके पर ही कार्रवाई की। टीम ने करीब 150 किलो खाद्य पदार्थ जिसमें सफ़ल मटर, चिकन, फिश, दूध, आइसक्रीम आदि सहित करीब 50 किलो आटा मौके पर ही नष्ट करवाया। विभाग ने गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर प्रतिष्ठान के खिलाफ इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया है। नोटिस में साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने, वेज-नॉनवेज को अलग-अलग रखने और एक्सपायरी प्रबंधन दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। तय समय में सुधार नहीं होने पर लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इस कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम में नोडल अधिकारी हेमंत कुमार यादव के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीषा शर्मा, बबीता और सुरेंद्र मौजूद रहे। विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट कहा है कि त्योहारी सीजन को देखते हुए आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी ताकि आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ मिल सके।

सीकर में 18 साल की युवती लापता

सीकर (निसं)। जिले में 18 साल की युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। परिवार के लोगों को सुबह युवती घर पर नहीं मिली। परिवार ने परिचित युवक पर शक जताते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 18 साल की युवती के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 18 अक्टूबर की रात परिवार के सभी लोग घर पर सो रहे थे। अगले दिन 19 अक्टूबर की सुबह करीब 4 बजे उनकी आंख खुली तो देखा कि 18 साल की बेटी घर पर नहीं है। इसके बाद आस-पड़ोस और गांव में बेटी की काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। परिवार ने दूसरे जिले के रहने वाले एक युवक पर शक जताया है। युवक परिवार का परिचित ही है। फिलहाल अब पुलिस मामले की जांच कर रही है। फतेहपुर कस्बे में मकान में चोरी का मामला सामने आया है। वार्ड 55 निवासी फारूख के अनुसार चोर उनके घर से 20 अक्टूबर की रात चोर कई सामान चुराकर ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चुनाव प्रशिक्षण में अनुपस्थित कार्मिकों को नोटिस

टोंक(निसं)। पंचायतीराज चुनाव-2026 के तहत आयोजित प्रथम प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले 16 कार्मिकों को जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी ने नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। प्रथम प्रशिक्षण में 15 से 18 अक्टूबर तक 3 रिटर्निंग अधिकारी, 9 पीठासीन अधिकारी एवं 4 प्रथम मतदान अधिकारी अनुपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने के मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने बताया कि बिना उचित कारण के प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

अवैध देशी शराब सहित आरोपी पकड़ा

टोंक(निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ व शराब की रोकथाम के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए थाना पुरानी टोंक थाना टीम ने कार्यवाही करते हुए आरोपी लक्की कुमार सांसी पुत्र दिलिप कुमार सांसी उम्र 19 साल निवासी ढाणी पोल्याडा थाना दूनी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 51 देशी शराब के पव्वे जप्त किया गया है।

स्कूलों का अवलोकन किया

निवाई(निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुन्सी एवं राजकीय प्राथमिक विद्यालय मालियों की ढाणी निदेशालय बीकानेर जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह मीणा ने अवलोकन करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला शिक्षा अधिकारी रामसिंह मीणा ने विद्यालय में बच्चों के गृह कार्य एवं वर्क बुक की जांच की एवं पुस्तकालय, वर्कबुक वितरण, पाठ्य पुस्तक वितरण, नो बेग डे, मिड डे मील, बालिका प्रोत्साहन व गार्गी पुरस्कार सहित अन्य गतिविधियों का अवलोकन एवं संबलन किया गया। साथ ही कक्षा-कक्षों एवं शौचालय की साफ सफाई का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने आवश्यक कार्रवाई के लिए दिशा निर्देश दिए। इस प्रकार प्राथमिक विद्यालय मालियों की ढाणी के विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर का अवलोकन किया, जिसमें अंग्रेजी भाषा की सुलेख उत्तर पुस्तिका एवं हिंदी विषय की वर्क बुक की जांच कर सम्बलन प्रदान किया गया। इस दौरान विद्यालय इंचार्ज दीपचंद वर्मा, आत्माराम सांवरिया, बाबूडी मीणा, रोहिताश मीणा, मीनाक्षी शर्मा, रामगोपाल, सोनू यादव व मदनलाल माली सहित कई शिक्षक मौजूद थे।

रामलीला समापन के बाद रामायण पाठ शुरु, भक्तिमय माहौल में गूंजे प्रभु श्रीराम के जयकारे

- **रामलीला में भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, त्याग का संदेश देने वाली लीलाओं का मंचन**

पावटा(निसं)। श्री आदर्श रामलीला मंडल पावटा के तत्वावधान में रामलीला मंचन के सफल समापन के बाद धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए रामायण पाठ का आयोजन किया गया। आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धाभाव के साथ भाग लिया। रामायण की चौपाइयों और प्रभु श्रीराम के गुणगान से वातावरण भक्तिमय हो उठा। रामलीला के दौरान भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों, त्याग, मर्यादा और धर्म की विजय का संदेश देने वाली लीलाओं का मंचन किया गया। समापन के पश्चात रामायण पाठ के आयोजन से धार्मिक उत्सव को आध्यात्मिक स्वरूप मिला। श्रद्धालुओं ने रामायण पाठ का श्रवण कर परिवार, समाज और क्षेत्र में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। श्री आदर्श रामलीला मंडल पावटा की ओर से 75 वर्षों से रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। मंडल की यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा क्षेत्र में आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आयोजन के माध्यम से श्रद्धालुओं को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा धर्म, सत्य, सदाचार और सेवा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। इस दौरान मंडल संरक्षक महेश पारीक, उमेश टांक, वरिष्ठ सदस्य रमाकांत गौड़ व शंकर शर्मा, अध्यक्ष योगेश शर्मा, डायरेक्टर मोहन गौड़, उपाध्यक्ष दीपक पटेल, सांवरमल बोहरा, रामशरण बोहरा, नरेंद्र गौड़, सोनू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, ललित शर्मा, दीपक भारद्वाज, सुनील गौड़, लक्की भारद्वाज, शुभम शर्मा, मुकेश सोनी, लक्ष्मीकांत शर्मा, सोमदत्त शर्मा, राघव टीलावत, केशव, लक्ष्य और धर्मेंद्र सहित मंडल के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

सरकारी बैंक के कर्मचारी ने बैंक में ही लगाया फंदा

टोंक (निसं)। देवली में केनरा बैंक के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने बैंक के अंदर ही आत्महत्या कर जीवनलीला समाप्त कर ली। शुक्रवार सुबह 9 बजे बैंक खुलने से पहले ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी धनराज मीणा (उम्र 36 साल) जो सुसाइड से पहले मेन गेट अंदर से लॉक कर लिया, जिसके बाद अन्य कर्मचारी बैंक पहुंचे तो उन्होंने काफी देर तक गेट खटखटाया, धनराज को आवाज दी, लेकिन गेट नहीं खुला। जिसके बाद कर्मचारी दूसरी चाबी से गेट खोलकर अंदर घुसे तो धनराज पंखे से फंदा लगाकर लटका हुआ मिला। बैंक कर्मचारियों ने बताया कि धनराज बीते 15 साल से इस ब्रांच में काम कर रहा था, वो पत्नी और 2 बच्चों के साथ देवली शहर में रहता था। जिसकी पंखे से फंदा लगाकर सुसाइड करते का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

चुनावी रंजिश में पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष के बेटे पर फायरिंग

रुदावल भरतपुर (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह खेरिया मोड चौराहे पर चुनावी रंजिश को लेकर बाइक सवार बदमाश ने एक युवक पर फायरिंग कर दी। बाइक सवार बदमाश ने पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष निरंजन सूपा के बेटे यशपाल सिंह पर जान से मारने की नीयत से दो राउण्ड फायरिंग की। पीड़ित पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष के बेटे ने नीचे झुककर अपनी जान बचाई। गोली ऑफिस के शीशे को तोड़ते हुए अंदर लगे मीटर में जा लगी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना पर एडीशनल एसपी रामगोपाल बसवाल, सीओ रोहित श्रीवास्तव व रुदावल थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने घटनास्थल का जायजा लेकर जांच की। एफएसएल व एमआईयू की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मौके से आवश्यक साक्ष्य लिए है। रुदावल थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि गांव सूपा निवासी यशपाल सिंह गुर्जर पुत्र निरंजन सिंह ने रिपोर्ट में बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे वह खेरिया मोड़ स्थित अपने ऑफिस के सामने बैठा था। इसी दौरान गांव हरनगर निवासी गौरव उर्फ तोती उर्फ गिल्लू गुर्जर बाइक से वहां पहुंचा। उसने रुकते ही कट्टा निकालकर यशपाल पर निशाना साधते हुए गोली चला दी। यशपाल नीचे झुक गया, जिससे गोली उसे नहीं लगी और ऑफिस का शीशा तोड़ते हुए अंदर मीटर में जा लगी। जबकि दूसरी गोली टीनशेड से टकरा गई। रिपोर्ट में बताया गया कि घटना के समय भान सिंह निवासी बैदपुरा और लब्बी उर्फ लवकुश निवासी सूपा मौके पर मौजूद थे। दोनों ने घटना को देखा है। वारदात के बाद आरोपी बाइक से फरार हो गया। पुलिस की चार टीमें बदमाश की तलाश में जुटी हुई है।

गीता एमपी पटेल का भव्य स्वागत

अलवर(निसं)। मालाखेडा के वार्ड 14 से पंचायत समिति सदस्य डायरेक्टर का चुनाव लड रही प्रत्याशी गीता एमपी पटेल का क्षेत्र में भारी स्वागत ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है। मालाखेडा के बडेर का बडा बास गांव में शाम को प्रत्याशी गीता एमपी पटेल का ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया जिसमें सैकडो की संख्या में महिला पुरूष मौजूद रहे यहां ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत करते हुए उन्हें पूर्ण बहुमत से जिताने का आश्वासन दिया है साथ ही ग्रामीणों ने यह भी कहा है कि एमपी पटेल एक सुलझे हुए भाजपा कार्यकर्ता है उन पर ग्रामीण भरोसा करते है वे क्षेत्र का चहुमुखी विकास करने में सक्षम है।

शिविर में 24 यूनिट रक्त संग्रह, सैकड़ों मरीजों को मिला नि:शुल्क परामर्श

- **नगरपालिका चेयरमैन ने रक्तदान कर किया शिविर का शुभारंभ, फिजियोथेरेपी शिविर में भी मरीजों ने उठाया लाभ**

पावटा(निसं)। सेवा, समर्पण और मानवता के संदेश के साथ बसन्ती देवी दिव्यांग सेवा समिति मांजूकोट-ललाना, पावटा के तत्वावधान में 22 अक्टूबर को श्री महादेव प्रसाद भगत की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में रक्तदान एवं फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 24 यूनिट रक्तदान किया। वहीं, चिकित्सा शिविर में सैकड़ों मरीजों को नि:शुल्क परामर्श देकर राहत पहुंचाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका चेयरमैन द्वारा स्वयं रक्तदान कर किया गया। राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं एवं अन्य रक्तदाताओं ने मानव सेवा के उद्देश्य से रक्तदान किया। समिति के सचिव ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए उनके योगदान को जरूरतमंद मरीजों के लिए महत्वपूर्ण बताया। शिविर के दौरान कोटपूतली के डॉ. राहुल बायलान द्वारा फिजियोथेरेपी शिविर लगाया गया, जिसमें मरीजों को आवश्यक परामर्श दिया गया। वहीं, भगत जी हॉस्पिटल के फिजिशियन चिकित्सक द्वारा सैकड़ों मरीजों को नि:शुल्क ओपीडी परामर्श प्रदान किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन को बेहतर चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों, चिकित्सकों एवं सहयोगकर्ताओं का समिति के सचिव द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों एवं भामाशाहों ने भी भाग लेकर आयोजन में सहयोग दिया। आयोजन के माध्यम से दिवंगत श्री महादेव प्रसाद भगत को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ रक्तदान, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। समिति की इस पहल को मानव सेवा और जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में देखा गया।

राहुल आसीवाल पीआरओ बने

कोटपूतली(निसं)। सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, कोटपूतली-बहरोड़ में पदस्थापित सहायक जनसंपर्क अधिकारी (एपीआरओ) राहुल आसीवाल को पदोन्नित प्रदान कर जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

उनकी इस उपलब्धि से परिजनों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। राहुल आसीवाल का चयन वर्ष 2022 में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में सहायक जनसंपर्क अधिकारी के पद पर हुआ था। विभाग में उन्होंने इससे पूर्व भरतपुर एवं बारां में सहायक जनसंपर्क अधिकारी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

वृंदावन रास व फूलों की होली में उमड़े श्रद्धालु

- **भजनों की गूंज के साथ खेली फूलों की होली,**
- **अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आज,**
- **हास्य एवं मिमिक्री कार्यक्रम कल**

निवाई(निसं)। प्रताप स्टेडियम में नगरपालिका मण्डल के तत्वावधान में आयोजित रामलीला में आर्यवीर कलाकार रंगमंच संस्थान के कलाकारों द्वारा अलौकिक वृंदावन रास व फूलों की होली का मंचन किया गया। जिसमें शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र से भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष नरेन्द्र जयसिंहपुरा, भाजपा चुनाव प्रभारी नीरज शर्मा एवं शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा सहित कई पार्षदों द्वारा मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम व श्रीकृष्ण की संयुक्त महाआरती व दीप प्रज्वलन करके किया। रंगमंच संस्थान के पवन शर्मा गुरूजी ने बताया कि रामलीला में महारास के कलाकारों ने भगवान श्री कृष्ण व राधारानी के अलौकिक प्रेम व ब्रज की पारंपरिक होली को जीवंत कर दिया। कलाकारों ने पारंपरिक ब्रज धुनों पर होरी खेल रहे नंदलाल, मथुरा की कुंज गलीयन में, आज बिरज में होरी रे रसिया, फाग खेलन आए हैं बनवारी सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दीं, जिससे स्टेडियम भक्ति के रस में सराबोर हो उठा। भजनों के सुरों एवं ढोलक-झांझ की थाप पर दर्शक उत्साहित होकर झूमने लगे एवं पूरा परिसर राधे-राधे व जय श्री कृष्ण के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। उत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में राधा-कृष्ण के स्वरूपों पर गुलाब, गेंदा व मोगरे के फूलों की वर्षा शुरू हुई, तो पूरा पांडाल सुगंध से महक उठा। इस दौरान महिला, पुरुषों, बुजुर्गों एवं नन्हें बालक-बालिकाओं ने राधा-कृष्ण पर फूल बरसाकर जमकर फूलों की होली खेली। देर रात तक चले इस भक्ति रस से ओत-प्रोत कार्यक्रम में दर्शक मंत्रमुग्ध होकर जमे रहे। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष नरेन्द्र जयसिंहपुरा द्वारा रामलीला में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को श्री गणेश जी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष नरेन्द्र जयसिंहपुरा ने बताया कि शनिवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कवि सम्मेलन में अनिल चौबे, शशिकांत यादव, अमन अक्षर, श्रीवास्तव, गौरव चौहान, सोनरूपा विशाल, मुकेश मोलवा, अर्जुन अल्हड़, सोनल जैन, महेश डांगरा एवं कन्हैया शर्मा सहित देश के ख्यातनाम कवि काव्य पाठ करेंगे। महोत्सव के समापन पर 25 अक्टूबर को भव्य गीत-संगीत संध्या आयोजित होगी। इसमें इंडिया लाफ्टर फेम कलाकारों द्वारा शानदार गीत एवं मनोरंजक प्रस्तुतियां दी जाएगी। साथ ही उज्जैन के मलखम ग्रुप द्वारा विशेष हास्य एवं मिमिक्री कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। जिसको लेकर शहरवासियों में भारी उत्साह है। आयोजन को सफल बनाने के लिए नगरपालिका मण्डल के कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। इस अवसर पर पार्षद नितिन छाबड़ा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा, अजय पारीक, गिर्राज जाट, आशु गौड़, रामकेश मीणा, नाथूसिंह किराड़, गोविन्द सोनी, चंदन वर्मा, दयाराम जाट, शंकरलाल सैनी, जयनारायण कुमावत, जीतू विजय, गुलाबचन्द मीणा, करण सिंह, सीता देवी वर्मा, अनिता गोयल, कोशल्या शर्मा, चन्द्रकला खण्डेलवाल व जीतू धारवाल सहित कई पार्षद व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

चुनाव प्रभावित करने के लिए प्रत्याशी ने बुर्जा में लगाई पोलों पर लाइट

अलवर(निसं)। इस बार नई बनी बुर्जा ग्राम पंचायत में चुनाव लडने के लिए एक प्रत्याशी द्वारा लाखों रूपये वाटर कूलर और बिजली विभाग की परमिशन के बिना बिजली पोलों पर निजी खर्च से लाइट लगवाने का जो काम किया है जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है बिजली विभाग मामले को दबाने में लगा है वही निर्वाचन विभाग मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रत्याशी पर कार्यकाही करने की तैयारी में है। मामला कुछ इस प्रकार से खुला है प्रमुख समाचार पत्र समाचार का प्रकाशन किया। जब इसकी पडताल की तो पाया कि मजबूत दावेदार बनाने के लिए जयपुर से आए करोडपति चाचा ने गांव को चुनाव से पहले ही चकाचक करने का निर्णय लेते हुए गांव में तीन चार वाटर कूलर लगवा दिए और गलियों को रोशन करने के लिए विधुत विभाग के खंबों पर अपने खर्च से लाईट की व्यवस्था कर दी जो निर्वाचन विभाग के नियमों के विरूद्ध है। वही गांव के कुछ सभ्रांत लोगों को इसकी सूचना मिली तो उन्होंने बिजली विभाग को इसकी सूचना दी तो बिजली विभाग ने उक्त प्रत्याशी को नोटिस भी जारी किया है कि यह लाइट आपने किसके आदेश पर लगवाई है।

भीलवाड़ा में चुनावी रंजिश में पानी की टंकी पर चढ़ा युवक

भीलवाड़ा। समीपवर्ती सुवाणा गांव में शुक्रवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवक अचानक अस्पताल के पास स्थित पानी की ऊंची टंकी पर जा चढ़ा। युवक के टंकी पर चढ़ते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे काफी देर तक हाई-वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और युवक को नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। टंकी पर चढ़े युवक की पहचान रामेश्वर जाट के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में आधिकारिक बयान आना शेष है, लेकिन ग्रामीणों में चर्चा है कि पूरा मामला हाल ही में संपन्न पंचायत चुनाव से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि सरपंच पद की एक महिला उम्मीदवार के नाम से मिलते-जुलते (डमी) नाम का फायदा उठाकर किसी अन्य महिला से नामांकन दाखिल करवा दिया गया था, जो बाद में अचानक गायब हो गई। इसी चुनावी धांधली और रंजिश से आक्रोशित होकर रामेश्वर जाट ने विरोध दर्ज कराने का यह अनोखा रास्ता अपनाया।

पुलिस व प्रशासन मुस्तैद : घटना के बाद से क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम और प्रशासनिक अधिकारी युवक से समझाइश कर उसे सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास में जुटे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि युवक के नीचे उतरने के बाद ही पूरे घटनाक्रम के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

भीलवाड़ा के समीपवर्ती सुवाणा गांव में एक युवक चुनावी रंजीश में अचानक अस्पताल के पास स्थित पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गया।

- **युवक के टंकी पर चढ़ते ही मौके पर ठामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे काफी देर तक हाई-वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और युवक को नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए।**

डूंगरपुर पुलिस ने लुधियाना से नकली नोटों का मास्टरमाइंड पकड़ा

करीब 1300 किलोमीटर तक तीन दिन पीछा कर आखिरकार गिरफ्तार किया

डूंगरपुर, (निसं)। नकली नोट बनाने और सप्लाई करने के मामले में फरार चल रहे मास्टरमाइंड रवि कुमार मिश्रा को डूंगरपुर पुलिस ने पंजाब के लुधियाना रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसकी लोकेशन बदलने के बावजूद करीब 1300 किलोमीटर तक तीन दिन पीछा कर आखिरकार गिरफ्तार कर लिया।

मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ और साइबर सेल के तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों को भी अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया है। गिरोह के दो सदस्य पहले ही 4 लाख 95 हजार 500 रुपए के जाली नोटों के साथ पकडे जा चुके हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि 30 सितंबर को रामसागडा थाना क्षेत्र के माडा स्कूल ग्राउंड से भावेश खटीक और नयन जोशी को 500-500 रुपए के जाली नोटों के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ में यूपी निवासी रवि कुमार मिश्रा का नाम मास्टरमाइंड के रूप में सामने आया। पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही रवि डूंगरपुर से फरार हो गया था। जिला पुलिस की साइबर सेल और विशेष टीम ने उसकी लोकेशन ट्रेस कर पीछा किया और लुधियाना रेलवे स्टेशन से उसे पकड लिया । रवि मिश्रा से पूछताछ के बाद पुलिस ने अलग-अलग राज्यों में टीमें भेजीं। हरियाणा के अंबाला निवासी आनंद राजपूत, कानपुर निवासी आरिफ मोहम्मद उर्फ अंकित और छत्तीसगढ निवासी तरुण मालेकर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आनंद ने रवि को नोट बनाने के लिए कागज मंगवाने और छपाई की जानकारी दी थी। आरिफ टेलीग्राम पर अंकित पेपर सेलर चैनल चलाकर जाली नोट बनाने के लिए कागज उपलब्ध करवाता था। वहीं, तरुण ने मास्टरमाइंड को 500 रुपए के नोटों की पीएसडी फाइलें भेजी थीं।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों को वेब सीरीज ष्फर्जीष् देखकर जाली भारतीय मुद्रा बनाने का आइडिया आया था। पुलिस के अनुसार आनंद राजपूत ने यूट्यूब और फोटोशॉप के जरिए नकली नोट छापने का तरीका सीखा था और चीनी ऑनलाइन कंपनी अलीबाबा से विशेष कागज मंगवाता था। पुलिस गिरोह के नेटवर्क और जाली नोटों की सप्लाई से जुडे अन्य संपर्कों की जांच कर रही है।

नकली नोट बनाने के मामले में पुलिस ने मास्टर माइंड सहित चार अभियुक्तों को पकड़ा ।

■ **मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के बाद तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों को भी अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया है। गिरोह के दो सदस्य पहले ही 4 लाख 95 हजार 500 रुपए के जाली नोटों के साथ पकड़े गये**

निर्धारित समय पर चली ट्रेनें

जोधपुर, (कासं)। ट्रेन समय पर चले तो यात्रियों का सफर आसान होने के साथ उनके समय की भी बचत होती है। इसी दिशा में उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने गुरुवार को शत प्रतिशत समयबद्धता हासिल की।

इस दिन मंडल की सभी मेल, एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें निर्धारित समय पर संचालित हुईं। इससे यात्रियों को अपने गंतव्य तक समय पर पहुंचने, आगे की यात्रा की योजना बनाने और जरूरी काम तय समय पर पूरे करने में सहूलियत मिली। जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने कहा कि ट्रेनों का समय पर संचालन यात्रियों के लिए केवल सुविधा ही नहीं,बल्कि उनकी यात्रा को अधिक भरोसेमंद बनाने का भी आधार है।

समयबद्ध रेल सेवाओं से यात्रियों को स्टेशन पर अनावश्यक इंतजार की परेशानी से बचने और अपने समय का बेहतर उपयोग करने में मदद मिलती है। खासकर नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और जरूरी काम से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए समय पर ट्रेन मिलना काफी महत्वपूर्ण है। डीआरएम के निर्देशानुसार मंडल पर बेहतर अंतर-विभागीय समन्वय, परिचालन दक्षता और सतत निगरानी से यह उपलब्धि हासिल हुई। जोधपुर मंडल में ट्रेनों के सुचारू संचालन पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है।

मंडल का लक्ष्य यात्रियों को सुरक्षित, सुगम, समयबद्ध और भरोसेमंद रेल सेवाएं उपलब्ध कराना है।

सार-समाचार

कॉलेज निदेशक, टीचर व लेक्चरर पांच हजार रूपये की रिश्वत लेते दबोचे

बांसवाड़ा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ोदिया के ग्लोबल बीएड कॉलेज में निदेशक, टीचर और लेक्चरर को पांच हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों धरदबोचा। आरोप है कि विद्यार्थियों की उपस्थिति की पूर्ति की एवज में 20 हजार रूपये की मांग रखी गयी थी। एसीबी के डीएसपी रतनराज पुरोहित के निर्देशन में यह कार्यवाही की गयी। बताया जाता है कि कॉलेज में उपस्थिति की कमी पूरी करने के नाम पर रिष्वत का खेल खेला जा रहा था। एसीबी मामले की जांच कर रही है। एसीबी टीम ने रसायन विज्ञान के अध्यापक भूपेन्द्र जैन को पांच हजार रूपये की रिष्वत लेते हुए रंगे हाथो पकड़ा। ब्यूरो से मिली जानकारी के अनुसार विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के बावजूद पूरे वर्श सहयोग करने और इंटर्नषीप के रिलीविंग लेटर जारी करने की एवज में रिष्वत मांगी जा रही थी। सत्यापन में प्रत्येक विद्यार्थी से 20 हजार रूपये की मांग का तथ्य सामने आया। सत्यापन में मुख्य भूमिका पाये जाने पर निदेशक सिद्धांत जैन और राजनीति विज्ञान की व्याख्याता सुनीता जैन को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि एसीबी उदयपुर रेंज के प्रभारी एसपी पीयूश दीक्षित के सुपरविजन में यह कार्यवाही की गयी।

फाइनेंस कंपनी से गोल्ड रिलीज करवाने के नाम पर 25.57 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर की एक फाइनेंस कंपनी से गोल्ड छुड़ाकर अन्य कंपनी में जमा करवाने के नाम पर एक व्यक्ति ने कंपनी के साथ 25.57 लाख की धोखाधड़ी कर ली। आरोपी ने गोल्ड छुडाने के बाद उठाई गई रकम को अपने रिश्तेदारों के खाते में ट्रांसफर कर दी। मगर फाइनेंस कंपनी को गोल्ड जमा नहीं कराया। शाखा प्रबंधक ने अब आरोपी को नामजद कर केस दर्ज कराया है। देवनगर पुलिस ने बताया कि पूनावाला फिनकॉप लिमिटेड आखलिया चौराहा के शाखा प्रबंधक हेमंत जोशी ने यह रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि सूंथला निवासी महावीर सिंह ने कंपनी में आकर गोल्ड पर लोन दिलाए जाने की बात की थी। मगर उसका गोल्ड पांचवीं रोड स्थित एक अन्य फाइनेंस कंपनी में जमा था जोकि वह छुड़ाना चाहता था। इसके लिए उसने 25 लाख से ज्यादा रूपए की जरूरत बताई और गोल्ड छुड़ाने के बाद परिवादी की कंपनी में जमा कराने की बात की थी। रिपोर्ट में बताया कि आरोपी की बातों का विश्वास करते हुए उसे कंपनी की तरफ से 25 लाख 57 हजार का लोन दिया गया। मगर उसने जालसाजी करते हुए रकम को प्राप्त कर अपने रिश्तेदारों और परिचितों के खातें में डाल दिया। पांचवीं रोड स्थित कंपनी से गोल्ड छुड़ाने के बाद उसकी कंपनी में जमा नहीं कराया। देवनगर पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

लूणकरणसर में आंधी-बूंदाबांदी के बाद रातें ठंडी होने लगी

लूणकरणसर । मौसम ने करवट ली है। बीती रात आंधी और हल्की बूंदाबांदी के बाद ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे मौसम का मिजाज बदल गया। दिन में अभी भी गर्मी है, लेकिन रात होते ही ठंडक महसूस होने लगी है। आने वाले दिनों में सुबह और रात के समय ठंड का असर बढ़ ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 23 से 29 अक्टूबर तक अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। वहीं, रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी। अभी रात का तापमान करीब 21 डिग्री है, जो अगले सप्ताह 16 से 18 डिग्री तक पहुंच सकता है। इससे सुबह-शाम मौसम सुहावना और रातें ठंडी होंगी। आगामी दिनों में मौसम ज्यादातर शुष्क रहने का अनुमान है। 23 से 28 अक्टूबर तक बारिश की संभावना कम है, लेकिन 29 अक्टूबर की रात को बारिश हो सकती है। हालांकि, मौसम के अनुमान में बदलाव संभव है।

श्रीगंगानगर में तेज हवा के साथ हुई बारिश

श्रीगंगानगर । जिले में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से शुक्रवार सुबह हल्की बारिश हुई। आसमान में काले घने बादल छाए हुए हैं और तेज हवाओं का दौर जारी है। मौसम विभाग ने जिले में 24 अक्टूबर तक बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरन 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज रफ्तार से हवाएं चली।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकतम तापमान 36 डिग्री रहा था। वहीं, बुधवार को न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया था। जिले में सुबह-शाम के समय ठंड का एहसास होने लगा है। बारिश होने से तापमान में गिरावट आने और ठंड बढ़ ने की संभावना है। मौसम के मौजूदा रुख के बीच 30 अक्टूबर तक सर्दी के जोर पकड़ने की उम्मीद है। जिले में सरसों, चना और गेहूं की बिजाई का काम शुरू हो चुका है।

फॉल्स सीलिंग गिरने से मतदान अधिकारी का हाथ टूटा

उदयपुर । उदयपुर जिले की झाड़ोल पंचायत समिति के सभागार में सोते कर्मचारियों पर देर रात छत पर लगी पीवीसी की फॉल सीलिंग टूटकर गिर गई। हादसे में एक कर्मचारी का हाथ टूट गया। हादसा देर रात करीब सवा एक बजे हुआ।

हादसे के समय ज्यादातर कर्मचारी सो रहे थे। उनकी पंचायत चुनाव में ड्यूटी लगी थी। कर्मचारी पंचायत समिति सभागगार में सो रहे थे। देर रात हुए इस हादसे से कर्मचारियों में अफरा.तफरी मच गई। हादसे में एक कर्मचारी के हाथ फ्रेक्चर हो गया जबकि दो कर्मचारियों को भी चोट लगी है।

जानकारी के अनुसार पंचायत चुनाव की ड्यूटी में आई मतदान टीमों को रात में रुकने के लिए झाड़ोल पंचायत समिति के सभागार में ठहराया गया था। दिनभर की थकान के बाद सभी कर्मचारी हॉल में सो रहे थे। रात को सभागार में बने स्टेज के ठीक ऊपर लगी पीवीसी छत का हिस्सा अचानक भर.भराकर नीचे गिर गया।

घटना से सोते कर्मचारी घबरा गए,तेज आवाज के साथ छत गिरते ही गहरी नींद में सो रहे कर्मचारी घबराकर उठे और बाहर की तरफ भागे। अंधेरे और भगदड़ के कारण कई कर्मचारी हॉल में रखी टेबलों से टकराकर भी नीचे गिर गए। इससे भी कुछ कर्मचारियों को हल्की चोटें आई हैं। गनीमत रही कि बड़ा हिस्सा सीधे सभी कर्मचारियों पर नहीं गिरा वरना बड़ा हादसा हो जाता।

इस हादसे में नयागांव क्षेत्र के पाटिया स्कूल में कार्यरत पीटीआई रमेश चंद्र के हाथ में गंभीर चोट आई। उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया। वे चुनाव ड्यूटी के लिए झाड़ोल आए हुए थे। हादसे के तुरंत बाद साथी कर्मचारी उन्हें झाड़ोल अस्पताल लेकर पहुंचे।वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें देर रात ही उदयपुर रेफर कर दिया। बाकी चोटिल कर्मचारियों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।पंचायत समिति के सभागार की छत पर करीब 2 साल पहले ही यह पीवीसी सीलिंग लगाई गई थी। छत के अंदर लगे लोहे के स्क्रू और अन्य सामान में जंग लगने से वे गलकर खराब हो गए थे।

सीए इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम में भीलवाड़ा की बेटियां अव्वल

भीलवाड़ा । शाखा अध्यक्ष सीए दिनेश सुथार ने बताया कि इस बार भी भीलवाड़ा का परिणाम आल इंडिया के परिणाम से बेहतर रहा है।

उन्होंने बताया कि सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में आल इंडिया परिणाम 13.21 रहा, जबकि भीलवाड़ा का परिणाम 21.31 रहा, जो कि राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में मुंबई के नील राजेश शाह और नासिक की साक्षी चांडक ने 600 में से 502 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया । भीलवाड़ा की श्रेया कोठारी ने 600 में से 452 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया स्तर पर 32वीं रैंक हासिल कर अपने परिवार, समाज और पूरे भीलवाड़ा शहर का नाम रोशन किया है। भीलवाडा की शीर्ष 5 रैंक पर भीलवाडा की बेटियों ने अपने नाम की। शाखा सचिव सीए पुलकित राठी ने परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

पारिवारिक कलह में छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या

कोटा, (निसं)। जिला बूंदी के केशवराय पाटन थाना इलाके में पारिवारिक कलह के चलते छोटे भाई ने बड़े भाई के सिर पर लोहे के पाइप से वार कर दिया, गंभीर रूप से घायल बड़े भाई को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए हत्या की धाराओं मे मामला दर्ज कर आरोपी छोटे भाई को गिरफ्तार कर लिया है। केश्वरायपाटन थानाधिकारी भुपेन्द्र सिंह ने बताया कि इलाके के ईश्वर नगर में मारपीट की सूचना मिली जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले में सामने आया कि ईश्वर नगर निवासी चेतराम मीणा और उसके छोटे भाई रामहेत मीणा के बीच गुरूवार देर रात पारिवारिक कलह को लेकर कहासुनी हो गई। शुरुआत में दोनों के बीच चल रही बहस देखते ही देखते झगड़े में बदल गई, विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर रामहेत मीणा ने अपने बड़े भाई चेतराम के सिर पर लोहे के पाईप से हमला कर दिया, अचानक हुए हमले में चेतराम गंभीर रूप से घायल हो गया। थानाधिकारी ने बताया कि हमले में घायल को परिजन और आसपास के लोग तत्काल केशवराय पाटन अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे कोटा रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान चेतराम ने दम तोड़ दिया। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में हत्या का मामला दर्ज करते हुए आरोपी रामहेत मीणा को गिरफ्तार कर लिया है, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

■ **पारिवारिक कलह रामहेत मीणा ने अपने बड़े भाई चेतराम के सिर पर लोहे के पाईप से हमला कर दिया**

बूंदी के अजय की जिंदगी में पीएम स्वनिधि योजना से खुशी

जयपुर । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान बेरोजगार हो गए रेहड़ी व ठेला संचालक, छोटी गुमटी, दुकान या फुटपाथ से छोटे- मोटे सामान बेचने वालों की आर्थिक स्थिति को पुनः पटरी पर लाने के लिए पीएम स्वनिधि योजना शुरू की थी। इसमें राज्य के 3,06,255 पात्रों को 439 करोड़ रुपये का लोन मिला है, जिससे कई लाभार्थियों ने तो जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर और जॉब गिवर की भूमिका में अन्य जरूरतमंदों को रोजगार उपलब्ध करवाया है।

बूंदी में भी ऐसा ही उदाहरण सामने आया है। जिला मुख्यालय निवासी अजय के पास कारोबार के लिए सामान खरीदने हेतु पर्याप्त पूंजी नहीं बची थी। उसे अपने फास्ट फूड के व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए पैसे की जरूरत थी। उसे अक्सर ऊंची ब्याज दर पर उधार लेना पड़ता था। इससे कमाई का बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में खर्च हो जाता था। इसी दौरान उन्हें नगर परिषद बूंदी के माध्यम से पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। उन्होंने योजना के तहत आवेदन किया और ऋण प्राप्त कर अपने व्यवसाय को फिर से व्यवस्थित किया। समय पर ऋण चुकाने के बाद उन्होंने दूसरे ऋण के लिए 20,000 रुपये का आवेदन किया। डिजिटल भुगतान अपनाने से ग्राहकों की संख्या बढ़ी और वे कारोबार के लिए अतिरिक्त स्टॉक रखने में सक्षम हुए। निरंतर मेहनत, नियमित भुगतान और कारोबार में हुई प्रगति के चलते अजय ने आगे चलकर 50,000 रुपये का ऋण भी प्राप्त किया।

वे इस ऋण का पुनर्भुगतान कर रहे हैं। उनके अच्छे पुनर्भुगतान रिकॉर्ड के आधार पर वे पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र बने। अजय की कहानी बताती है कि समय पर मिलने वाला वित्तीय सहयोग और मेहनत छोटे व्यवसाय को नई दिशा दे सकते हैं। पीएम स्वनिधि योजना ने उन्हें ऊंचे ब्याज वाले उधार पर निर्भरता कम करने, कारोबार बढ़ाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की राह पर आगे बढ़ने में मदद की।

नकली घी बनाने की फैक्ट्री का भण्डाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड और पंचायत राज चुनावों के मद्देनजर राजसमंद पुलिस ने बडी कार्रवाई करते हुए 26 किलो 986 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही आरोपी के घर पर संचालित नकली देसी घी बनाने की फैक्ट्री का भी खुलासा किया गया। यहां नामी ब्रांड के नाम से नकली घी तैयार कर पैकिंग किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव उदयपुर रेंज के निर्देशानुसार तथा जिला पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेंद्र पारीक और वृत्ताधिकारी नेत्रपाल सिंह के सुपरविजन में राजनगर थाना अधिकारी ओंकार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस टीम ने राजनगर थाना क्षेत्र के डिप्टीखेडा गांव में आरोपी कालूलाल गुर्जर पुत्र वरदाराम गुर्जर (50) निवासी डिप्टीखेडा मुंडोल, थाना राजनगर,ए जिला राजसमंद के निवास से 26 किलो 986 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद कर जब्त किया। आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत प्रकरण संख्या 26०/26 दर्ज किया गया। मामले में अनुसंधान कुंवारिया थाना पुलिस निरीक्षक पूर्ण सिंह राजपुरोहित द्वारा किया जा रहा है। पुलिस की सूचना पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने आरोपी के निवास पर संचालित नकली घी बनाने की फैक्ट्री पर कार्रवाई की। मौके पर प्रतिष्ठित ब्रांड सरस, नोवा और कृष्णा के नाम से नकली घी तैयार करने और पैकिंग करने का मामला सामने आया। खाद्य निरीक्षक प्रेमचंद अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई करते हुए कुल 351 किलोग्राम संदिग्ध नकली देसी घी जब्त किया। इसमें नोवा ब्रांड का 39 किलोए सरस ब्रांड का 239 किलो और कृष्णा ब्रांड का 73 किलो घी शामिल है। इसके अतिरिक्त नकली घी बनाने में इस्तेमाल होने वाला 88 किलो वनस्पति घी और 148 किलो सोयाबीन तेल भी जब्त किया गया। नामी कंपनियों की पैकिंग सामग्री भी जब्त की। मौके से घी में सुगंध मिलाने के लिए इस्तेमाल होने वाले एसेंस, नकली घी बनाने की सामग्री, विभिन्न प्रतिष्ठित ब्रांडों की सील, रैपर, टीन, तेल के डिब्बे, खाली टीन कंपनियों के नाम से छपे कार्टून, गत्ते और पैकिंग मशीनें भी जब्त की गईं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जांच के लिए नमूने लिए हैं, जिन्हें एफएसएल जांच के लिए भेजा गया है। मामले में अग्रिम कार्रवाई जारी है। कार्रवाई में राजनगर थाना अधिकारी ओंकार सिंह, सहायक उपनिरीक्षक भंवर सिंह, हेड कांस्टेबल हिम्मत सिंह, कांस्टेबल मांगीलाल, शक्ति सिंह, रामविलास, मनोज कुमार, महिला कांस्टेबल पूनम, कांस्टेबल जगदीश और चालक कांस्टेबल कन्हैयालाल सहित पुलिस टीम शामिल रही।

■ **घर में चल रही थी नकली घी बनाने की फैक्ट्री**

एसीबी की कार्रवाई, 2 लाख की रिश्वत लेते पुलिस डीएसटी के 2 कांस्टेबल ट्रैप

एसीबी ने खैरथल-तिजारा जिले की जिला विशेष टीम (डीएसटी) में तैनात दो कांस्टेबलों को 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया ।

किशनगढ़ बास(निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को खैरथल-तिजारा जिले की जिला विशेष टीम (डीएसटी) में तैनात दो कांस्टेबलों को 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ब्रजेश कांस्टेबल नंबर 210 और ईश्वर सिंह कांस्टेबल नंबर 333 के रूप में हुई है। दोनों पर परिवादी एवं सहपरिवादियों की फर्मों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने तथा तैयार माल नष्ट नहीं करवाने की एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। एसीबी ने आरोपियों के कब्जे से रिश्वत की राशि बरामद कर ली है भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी अलवर प्रथम को परिवादी ने शिकायत दी थी कि 21 अक्टूबर 2026 को खैरथल-तिजारा डीएसटी प्रभारी गौरव तथा उनकी टीम के सदस्य ब्रजेश और ईश्वर सिंह सादे कपड़ों में उसके कारखाने पर पहुंचे थे। आरोप है कि टीम ने कारखाने में लगे कैमरे हटवा दिए और परिवादी पर नकली कलाकंद बनाने का आरोप लगाते हुए खाद्य विभाग की टीम को मौके पर बुलाया। खाद्य विभाग की टीम ने वहां से माल के नमूने लिए थे। इसके बाद कांस्टेबल ब्रजेश ने कारखाने का माल नष्ट करवाने से बचाने और कारखाना सीज नहीं करवाने की एवज में एक-दो दिन के भीतर एक लाख रुपये देने की मांग की। वहीं, कांस्टेबल ईश्वर सिंह पर परिवादी के परिचित अन्य व्यक्तियों से भी 50-50 हजार रुपये लेकर डीएसटी कार्यालय आने के लिए कहा गया। शिकायत में बताया गया कि रुपये नहीं देने पर संबंधित कारोबारियों के व्यवसाय के खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी दी गई।

जेएनवीयू के पेंशनर्स का कुलगुरु आवास के बाहर प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) के पेंशनर्स को पिछले छह माह से पेंशन नहीं मिली है। बकाया पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर वह प्रतिदिन धरना प्रदर्शन कर रहे है।

शुक्रवार को उन्होंने कुलगुरु के निवास स्थान के बाहर हाथों में काले झंडे लेकर प्रदर्शन किया।पेंशनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष प्रोफेसर रामनिवास शर्मा ने बताया कि कुलगुरु के एक साल का कार्यकला पूर्ण हो गया है। इन एक सालों वह पेंशन की समस्या का समाधान नहीं निकाल पाए है। इसी को लेकर पेंशनर्स काला दिवस मना रहे है। विश्वविद्यालय के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब सेवानिवृत्त कर्मचारियों को छह महीने तक पेंशन नहीं मिली हो। पेंशनर्स ने शुक्रवार को छह महीने की पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर कुलगुरु के आवास के बाहर प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

कुएं में मानसिक रूप से कमजोर युवती का मिला शव

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के रामसागडा थाना क्षेत्र के माडा बरंडा फला में एक मानसिक रूप से कमजोर युवती का शव कुएं में मिला। युवती एक दिन पहले घर से लापता हुई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। माडा बरंडा फला निवासी गौतमलाल ने बताया कि उनकी बेटी संगीता जन्म से ही मानसिक रूप से कमजोर थी। 21 अक्टूबर की रात को परिवार के साथ खाना खाकर सोई थी, लेकिन अगली सुबह वह खाट पर नहीं मिली। परिजनों ने संगीता की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। शुक्रवार सुबह घर से कुछ दूरी पर स्थित कुएं में उसका शव तैरता हुआ दिखा। रामसागडा थाने के हैड कॉनि. राजेन्द्र कुमार ने बताया

खरीद-फरोख्त मामले में दो दोषियों की 20 साल की सजा निलंबित

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की को पैसे देकर खरीदने और उसकी शादी कराने के आरोप में दोषी ठहराए गए दो लोगों को राहत दी है। हाईकोर्ट ने दोनों की 20 साल तक की सजा निलंबित कर अपील का फैसला होने तक जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। जस्टिस फरजंद अली ने आदेश में कहा कि मामले में लड़की को बेचने के बदले पैसे दिए जाने या लिए जाने के ठोस सबूत नहीं हैं। कोर्ट ने एक अहम गवाह के बयान को भी महत्वपूर्ण माना। हाईकोर्ट ने कहा कि सिर्फ नाबालिग की शादी होने से यह अपने आप साबित नहीं हो जाता कि आरोपियों ने उन सभी अपराधों को अंजाम दिया है, जिनमें उन्हें दोषी ठहराया गया। हाईकोर्ट ने माना कि पैसों के कथित लेन-देन, गवाह के बयान और शादी की परिस्थितियों पर अपील की सुनवाई के दौरान विस्तार से विचार करने की जरूरत है। हालांकि, कोर्ट ने अभी दोषसिद्धि पर अंतिम फैसला नहीं दिया है। दोनों की सजा अपील का फैसला आने तक निलंबित की गई है। यानी उन्हें सिर्फ अपील का फैसला आने तक जेल से बाहर रहने की राहत मिली है। मामले में श्रवण नाथ की ओर से अधिवक्ता जे.वी.एस. देवड़ा और आरएस रावल ने पैरवी की। वहीं, राज्य सरकार की ओर से डिप्टी गवर्नमेंट एडवोकेट नरेंद्र गहलोत और राजेंद्र चारण ने पक्ष रखा। मामला श्रवण नाथ और मांगूनाथ से जुड़ा है। उदयपुर की विशेष पॉक्सो कोर्ट ने 25 मार्च 2026 को दोनों को दोषी ठहराते हुए 20 साल के कठोर कारावास और एक लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। दोनों को पॉक्सो एक्ट की धारा 6/17 और 5/6 के तहत सजा दी गई थी। अन्य अपराधों में भी कम अवधि की सजा सुनाई गई थी। दोनों ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की ।

■ **लड़की को बेचने के बदले पैसे दिए जाने या लिए जाने के ठोस सबूत नहीं मिले**

गंदगी-धूम्रपान पर रेलवे ने सख्ती दिखाई

जोधपुर (कासं)। ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर गंदगी फैलाना और धूम्रपान करना गैरजिम्मेदार यात्रियों पर भारी पड़ रहा है। जोधपुर मंडल में रेलवे ने अप्रैल से सितंबर तक प्रथम छमाही के दौरान ऐसे 7,100 से ज्यादा मामलों में कार्रवाई कर करीब 13.73 लाख रुपए जुर्माना वसूला।

इनमें सबसे ज्यादा साढ़े छह हजार मामले गंदगी फैलाने के थे,जबकि धूम्रपान के 611 मामले पकड़े गए। गंदगी फैलाने वालों से करीब 7.84 लाख रुपए और धूम्रपान करने वालों से 5.89 लाख रुपए जुर्माना वसूला गया। यह जानकारी उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव ने दी ।

वी. श्रीनिवास ने छठे राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की

'विकसित राजस्थान 2047' के विजन और राज्य की श्रेष्ठ कार्य-पद्धितयों को मिलेगा प्रमुख स्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन(रीति) के तत्वावधान में 26 से 28 दिसंबर तक आयोजित होने वाले छठे राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन (एनसीसीएस) की तैयारियों की समीक्षा बैठक शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित हुई।

■ 'सम्मेलन के प्रस्तुतिकरण में प्रमुखता से शामिल हों राज्य की प्रमुख योजनाएं, बेस्ट प्रैक्टिसेज और नवाचार''

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन के तत्वावधान में 26 से 28 दिसंबर तक होने वाले सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा बैठक ली।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सम्मेलन के लिए तैयार किए जाने वाले प्रस्तुतिकरण और दस्तावेजों में 'विकसित राजस्थान 2047' के विजन, राज्य की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं तथा बेस्ट प्रैक्टिसेज को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी सूचनाएं और आंकड़े समय-समय पर अद्यतन भी रखे जाएं।

श्रीनिवास ने कहा कि तैयारियों और आपसी समन्वय को बेहतर बनाने के लिए एक पृथक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए, जिससे सभी आवश्यक सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान सुनिश्चित हो सके।

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग अपने फीडबैक और स्टेट-स्पेसिफिक नोट्स तय समय-सीमा में पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।इस दौरान बताया गया कि आयोजन स्थल पर लगने वाली प्रदर्शनी के लिए राजस्थान रिन्यूएबल एनर्जी कॉर्पोरेशन लिमिटेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। प्रदर्शनी में राज्य की उपलब्धियों, जैसे सोलर पार्क, पीएम-कुसुम, रूफटॉप योजना और डिजिटल गवर्नेंस के मॉडलों को प्रभावी एवं व्यवस्थित रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।श्रीनिवास ने सभी नोडल विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय मजबूत करने और तय समय-सीमा में सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के विकास मॉडल को उत्कृष्ट रूप से प्रस्तुत किया जा सके।

नवनियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारियों के आमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

■ निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीणा ने सभी नवनियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने सेवाकाल में तकनीकी कौशल के साथ-साथ शासकीय नियमों, नवीनतम संशोधनों और विभागीय निर्देशों का कड़ाई से पालन करें

■ वरिष्ठ व अधीनस्थ कार्मिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला

जयपुर । पशुपालन विभाग द्वारा आयोजित नवनियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारियों का आमुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हो गया। कार्यक्रम के दूसरे दिन राजस्थान सेवा नियमों के अंतर्गत आचरण नियम एवं अवकाश नियम विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर पशुपालन विभाग के निदेशक डॉ. सुरेश चंद मीणा ने सभी नवनियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने सेवाकाल में तकनीकी कौशल के साथ-साथ शासकीय नियमों, नवीनतम संशोधनों और विभागीय निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी अधिकारी फील्ड में जाकर उत्कृष्ट कार्य करेंगे और पशुपालकों की सेवा में विभाग का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम में तकनीकी एवं चिकित्सकीय कार्यों के साथ-साथ कार्यालयीन प्रशासन, विभागीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और वरिष्ठ व अधीनस्थ कार्मिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। सरकारी सेवा में अधिकारी का आचरण व्यक्तिगत न होकर पूरे विभाग की छवि और जनता के विश्वास से जुड़ा होता है। राजस्थान सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1971 के तहत सभी नवनियुक्त अधिकारियों को पूर्ण सत्यनिष्ठा, कर्तव्य के प्रति समर्पण और पद की गरिमा बनाए रखने के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही, राजस्थान सेवा नियमों के तहत अवकाश की पात्रता, विभिन्न प्रकार की छुट्टियों और सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति से जुड़े कानूनी व व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया।

अंत में विषय विशेषज्ञों द्वारा अधिकारियों की शंकाओं का समाधान करने के लिए एक प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया। निदेशक एवं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए आमंत्रित विषय विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

जमीन का पूरा भुगतान किए बिना रजिस्ट्री कराने का आरोप

जयपुर। सांगानेर सदर थाना क्षेत्र में 25.14 बीघा जमीन का पूरा भुगतान किए बिना पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए रजिस्ट्री कराने और जेडीए से पट्टे जारी करवाकर भूखंड बेचने के आरोप में 11.11 करोड़ रुपए की कथित धोखाधडी का मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने जय इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और उनके कर्मचारी के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पडताल में जुटी है।

पुलिस के अनुसार 30 नवंबर 2023 को जमीन मालिकों और कंपनी के बीच 63 लाख रुपए प्रति बीघा की दर से सौदा हुआ था। परिवादी का आरोप है कि पूरा भुगतान किए बिना चालक के नाम बेचान अधिकारों सहित पावर ऑफ अटॉर्नी करवाई गई ।

कार्तिक मास: साधना में लीन रहेंगे छोटी काशी के श्रद्धालु

जयपुर। छोटी काशी जयपुर में कार्तिक मास के दौरान भक्ति और साधना का विशेष वातावरण रहेगा। भगवान दामोदर की आराधना, हरिनाम संकीर्तन, तुलसी पूजन, दीपदान और मंदिरों की परिक्रमा के लिए श्रद्धालु पूरे महीने नियम सेवा करेंगे। जयपुर के आराध्य देव, राधा दामोदर जी, राधा गोपीनाथ जी, इस्कॉन मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। गोविंद देवजी मंदिर में मंगला झांकी सवा घंटे खुली रहेगी। एक माह तक रहकर साधना, भजन और पूजन में समय बिताएंगे। उनके लिए यह समय केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि अपनी दिनचर्या को साधना में ढालने, संयम बरतने और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पण व्यक्त करने का अवसर होगा।

कार्तिक मास में श्रद्धालुओं की दिनचर्या सुबह मंगला आरती से शुरू होगी।

विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग पर राहुल गांधी देश को जवाब दें: मदन राठौड़

■ राष्ट्रीय हितों से ऊपर राजनीति नहीं, संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी भाजपाः मदन राठौड

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोलते हुए कहा कि विदेशी संगठनों से संपर्क, अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक समूहों के साथ बैठकों, समझौतों और विरोध-प्रदर्शनों की फंडिंग को लेकर उठ रहे सवालों पर कांग्रेस को चुप्पी तोड़नी चाहिए। देश की जनता जवाब चाहती है और कांग्रेस नेतृत्व को सवालों से बचने के बजाय तथ्यों एवं दस्तावेजों के साथ अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस को यह स्पष्ट करना होगा कि विदेशी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठकों का उद्देश्य क्या था, किन विषयों पर चर्चा हुई और क्या समझौता किया गया। राठौड़ ने कहा कि प्रतिष्ठित न्यूज मैंगजीन ने अपनी रिपोर्ट में जिस प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल और इंडियन अलांयस पेरिस का जिक्र फ्रांस सहित दूनिया के विभिन्न देशों में हुए दंगों, आगजनी और ऐतिहासिक स्मारकों को नष्ट करने की घटनाओं में किया है, और उसका लिंक दुनिया के 101 संगठन जो 9 देशों में काम करते है, उन से आया है। इन दोनों ही संगठनों से कांग्रेस का संबंध स्थापित होता है। इसलिए कांग्रेस को ये बताना चाहिए क्या उसका संबंध रेड ग्रीन इको सिस्टम से है, जिसमें वामपंथी और इस्लामिस्ट समूह आते है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि 10 जनपथ पर सोनिया गांधी और राहुल गांधी की प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल के प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई मुलाकात के संदर्भ में कांग्रेस को पारदर्शिता बरतनी चाहिए। जनता जानना चाहती है कि इस बैठक का एजेंडा क्या था, चर्चा किन मुद्दों पर हुई और क्या इस संगठन का कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी के कार्यालय अथवा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के साथ कोई समझौता है ! यदि सब कुछ स्पष्ट और नियमों के अनुरूप है, तो कांग्रेस को तथ्य सार्वजनिक करने में संकोच क्यों होना चाहिए? राठौड़ ने कहा कि भारत की राजनीति में विदेशी प्रभाव, आर्थिक सहायता और राजनीतिक गतिविधियों के बीच संभावित संबंधों को लेकर उठने वाले सवालों की अनदेखी नहीं की जा सकती। विरोध-प्रदर्शनों के फंडिंग को लेकर भी कांग्रेस को स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए। इन प्रदर्शनों को कितनी विदेशी सहायता मिली है? जो सहायता मिली है, उसका स्त्रोत, स्वरूप और उद्देश्य क्या है? इन सवालों का जवाब आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि प्रमाणित तथ्यों से दिया जाना चाहिए। कांग्रेस नेतृत्व को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ वर्ष 2008 में हुए समझौतें के संबंध में भी देश के सामने स्पष्ट जानकारी रखनी चाहिए।

अनशनकारी लक्ष्मी तंवर की बिगड़ी तबीयत: 25 को जयपुर में जुटेगा सवर्ण समाज

जयपुर। सवर्ण समाज की मांगों को लेकर राष्ट्रीय करणी सेना की महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मी तंवर का अनिश्चितकालीन अनशन छठे दिन भी जारी रहा। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने की जानकारी सामने आई है। संगठन के अनुसार, मेडिकल जांच में यूरिन में कीटोन बॉडीज का स्तर 3 मिला है। साथ ही ब्लड शुगर बार-बार गिरने और शरीर में पानी की कमी के कारण इलेक्ट्रोलाइट्स में असंतुलन की स्थिति बताई गई है। संगठन ने सरकार की ओर से अब तक कोई प्रतिनिधि अनशन स्थल पर नहीं पहुंचने पर नाराजगी जताते हुए आंदोलन को देशव्यापी स्तर पर ले जाने की चेतावनी दी है।

राष्ट्रीय करणी सेना भवन पर अनशन कर रहीं लक्ष्मी तंवर की स्वास्थ्य जांच के लिए सुबह-शाम मेडिकल टीम निगरानी कर रही है। टीम में डॉ. राजेंद्र यादव, एमडी मेडिसिन, डॉ. कुलदीप सिंह सहित मेडिकल स्टाफ शामिल है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत के अनुसार, ब्लड शुगर बार-बार कम होने के कारण लक्ष्मी तंवर को फ्लूइड देना पड़ रहा है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बावजूद वह अनशन जारी रखने पर अडिग हैं।

शिव सिंह शेखावत ने कहा कि सवर्ण समाज की मांगें लंबे समय से उठाई जा रही हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अनशन पर बैठी महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष की तबीयत बिगड़ने के बावजूद सरकार का कोई प्रतिनिधि उनसे मिलने नहीं पहुंचा। मांगों पर तत्काल विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को राजस्थान से बाहर देशभर में फैलाया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए

झोटवाड़ा पुलिया के नीचे स्ट्रीट लाइट का लोकार्पण

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहुंचे और पानी, बिजली, सड़क, अतिक्रमण सहित विभिन्न समस्याओं से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया।

दिया कुमारी ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता और ध्यानपूर्वक सुनते हुए मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और सभी शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुना।

जनसुनवाई के बाद उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने झोटवाड़ा पुलिया के नीचे वार्ड नंबर 17 में लता सर्किल से रेलवे लाइन तक लगायी गई स्ट्रीट लाइट का का बटन दबाकर शुभारंभ किया । स्ट्रीट लाइट शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और रात के समय रोशनी की बेहतर व्यवस्था हो सकेगी। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का जोरदार स्वागत किया। जनसुनवाई के माध्यम से जहां लोगों को अपनी समस्याएं सीधे सरकार तक पहुंचाने का अवसर मिला, वहीं स्ट्रीट लाइट के लोकार्पण से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक और कदम उठाया गया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद सुमेर सिंह जोधा, स्थानीय लोग मौजूद रहे ।

ब्लेस्ड होम आनंद में सिमटे 84 कोस ब्रजभूमि के सारे धाम

■ बुजुर्गों के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए मंदिर का भूमि पूजन

जयपुर। जीवन लक्ष्य फाउंडेशन कि संस्थापक सुश्री अंजू गर्ग बताया की संस्था के द्वारा जयपुर में गांव गुड़ा सर्जन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए जो अपनी जीवन की दूसरी पारी को पूरी जीवंतता और ऊर्जा से जीना चाहते हैं, सम्मान के साथ जीना चाहते हैं उनके लिए एक ब्लेस्ड होम आनंद का निर्माण किया जा रहा है, इसी कड़ी में आज इस ब्लेस्ड होम आनंद में मंदिर के लिए भूमि पूजन का आयोजन किया गया।

वरिष्ठ नागरिकों के अपने घर के शांत और सौम्य वातावरण में मंदिर का निर्माण सोने पे सुहागा जैसा है । शिव परिवार एव राधा गोविंद के बनने वाले वाले इस मंदिर में गर्भ गृह के अतिरिक्त एक बड़ा भजन हॉल तथा दो छोटे लॉन कृष्ण वाटिका एव मधु कुंज होंगे ।

जीवन लक्ष्य फाउंडेशन द्वारामानवता की सेवा और समाज में सकारात्मक बदलाव के सात गौरवशाली वर्ष पूरे करने वाले जीवन लक्ष्य फाउंडेशन के अति आम लोगों द्वारा अब तक लगभग पांच लाख से अधिक सेवा कार्य कर ज़रूरतमंदों के जीवन को संवारने एव पर्यावरण के क्षेत्र में अद्भुत सफर तय करते हुए अपने कार्यों की श्रृंखला में एक और ऐतिहासिक व दिव्य अध्याय जोड़ते हुए वरिष्ठ नागरिकों के लिए अत्याधुनिक और सर्वसुविधायुक्त सीनियर सिटीजन होम ब्लेस्ड होम आनंद का निर्माण किया जा रहा है । इसी निर्माण की निरंतरता में आज एक अत्यंत पावन कदम टीम जीवन लक्ष्य फाउंडेशन द्वारा उठाया गया , जब पूरे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूर्ण विधि विधान एव श्रद्धा के साथ इसके भव्य मंदिर की नींव (शिलान्यास) रखी गई ।

इस कार्यक्रम में कई गणमान्य जनों द्वारा शिरकत की गई । मंदिर नीव पूजन के साथ ही परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया एव सहयोगकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया । कार्यक्रम के दौरान सम्पूर्ण परिसर का भ्रमण करवा कर इस अनोखे आनंद की भावी कार्ययोजना भी साझा की गई ।

चोरी-नकबजनी करने वाले पांच चोर गिरफ्तार

जयपुर । आमेर थाना पुलिस ने चोरी और नकबजनी की चार वारदातों का खुलासा कर पांच आरोपियों और चोरी का माल खरीदने वाले एक कबाड़ी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान और कॉपर वायर बरामद किए हैं।

थानाधिकारी राजेन्द्र कुमार गोदारा ने बताया कि चोरी और नकबजनी की वारदात करने वाले सुभान (20), निवासी फरीदपुर, बरेली, उत्तर प्रदेश, हाल घाट की गुणी, ट्रांसपोर्ट नगर; असलम (20), निवासी गांधी विहार, खो-नागोरियान; पारसमल (32), निवासी जवाहर नगर कच्ची बस्ती, चोरी का माल खरीदने वाला कबाड़ी; मोहम्मद कासिम (27), निवासी जयसिंहपुरा खोर, हाल गलतागेट; रोहित ओझा (28), निवासी जामडोली; और सोहेल खान उर्फ हसीन (18), निवासी पाड़ा मंडी ईदगाह, गलतागेट को गिरफ्तार किया है।पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अलग-अलग समूह बनाकर वारदात करते थे। एक समूह दिन में सूने और निर्माणाधीन मकानों तथा बिजली की दुकानों की रेकी कर सुबह चोरी करता था।

140 किलो कीट-संक्रमित बादाम नष्ट कर 690 किलो घी सीज किया

जयपुर। शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा टीम ने जयपुर प्रथम में कार्रवाई करते हुए 140 किलो कीट-संक्रमित बादाम नष्ट करवाए और 690 किलो घी सीज किया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण अविचल चतुर्वेदी तथा सीएमएचओ प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

खाद्य सुरक्षा टीम ने वीकेआई के कृष्णा विहार स्थित अनस्त्या फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में कीट-संक्रमित बादाम नष्ट करवाकर नमूना लिया। श्रेयास ग्लोबल इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड से डेयरी बेस्ट एवं वर्सेटाइल ब्रांड के घी के नमूने लिए गए तथा 690 किलो डेयरी बेस्ट घी सीज किया गया।

इसी तरह कृष्णा विहार स्थित पायनियर बिजनेस सॉल्यूशन से काजू टुकडी व मसालों के नमूने लेकर सुधार नोटिस जारी किया गया। बजाज नगर स्थित मिलन स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट से मावा व घी से बनी मिठाइयों के चार नमूने लिए गए और कमियां मिलने पर नोटिस दिया गया। टीम ने खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता और सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खोया पाया

मेरे मकान नम्बर64/142 मानसरोवर, जयपुर का अलाटमेंट लेटर संख्या 8824 कही खो गया मिलने पर सूचित करें मीनाक्षी-8503897344

आवास संख्या 5/40 SFS मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र एवं लीज़ मुक्ति प्रमाण पत्र कहीं गिर/गुम हो गया है, मिलने पर सूचित करें। सुमन गुप्ता मोबाइल नंबर 9314513099

I Keeeti Agrawal, 9461254773 inform that propetry papers of property A-135, shri ram nikunj, Jaipur have been lost. Pls inform if found.

नाम परिवर्तन

मैं संदीप कुमार निवासी 34-ए, के गोपालन नगर, मरुधर हॉस्पिटल के पीछे, खातीपुरा, जयपुर घोषणा करता हूं कि मेरे बेटे के दस्तावेजों में उसका नाम गलती से Hridhaan Choudhary दर्ज है। उसका सही नाम Aviraj Dhankhar है। राजपत्र अधिसूचना दिनांक 20.08.2026 के अनुसार

I, Harshit Dhingra S/o Ravi Dhingra have lost my class 12th transfer certificate, issued year- 2026 issued by Sharda Vidhya Mandir School, Jaipur. If anyone found this transfer certificate, please return/ contact me: 9649907602

I Govind Singh Kapkoti Father of JC-415358K, Rank Nb Sub, Name Puran Singh Kapkoti, Add- Vill.- Panora, PO – Kapkote, Teh.- Kapkote, Distt. – Bageshwar, State – Uttarakhand, PIN – 263632, Have Change my Name is Govind Singh Kapkoti to Govind Singh Vide Affidavit No-FH0021682705, Dated 23.10.26 Notary Public Jaipur Raj.

I Laxmi Devi Mother of JC-415358K, Rank Nb Sub, Name Puran Singh Kapkoti, Add- Vill.- Panora, PO – Kapkote, Teh.- Kapkote, Distt. – Bageshwar, State – Uttarakhand, PIN – 263632, Have Change my Name is Laxmi Devi to Laxmi Kapkoti Vide Affidavit No-FH0021682704 ,Dated 23.10.26 Notary Public Jaipur Raj.

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि व्यावसायिक उपयोग की संपत्ति, दुकान संख्या 5, योजना बस्सी सीतारामपुरा, जयपुर, राजस्थान में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 40 वर्ग गज है। उक्त संपत मेरे पक्षकार श्री मुरारीलाल लाल अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय श्री चिरंजी लाल अग्रवाल ने श्री मिथलेश गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्री मथुरा प्रसाद कानूनगो से दिनांक 05.09.2024 के विक्रय पत्र द्वारा क्रय किया है। अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी पक्ष का उपरोक्त संपत्ति के संबंध मे किसी भी प्रकार का स्वामित्व अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, बंधक, ऋणभार, ग्रहणाधिकार अथवा अन्य कोई कानूनी विवाद हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिवस के भीतर अपने दावे/आपत्ति के समर्थन में समस्त वैध दस्तावेजो सहित अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप मे प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि समाप्त होने के पश्चात प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति को शून्य, अप्रभावी एवं निष्प्रभावी समझा जाएगा।
मनोज कुमार शर्मा (एडवोकेट) जयपुर, राजस्थान
मोबाईल नं. -9887464643, 6376513270

उत्तर पश्चिम रेलवे
निविदा का प्रथम शुद्धि पत्र
1. निविदा संख्या : EL/C/JP/EPC/CUR/PSI/T01/2026-27 2. कार्य का नाम : बीकानेर डिवीजन के चूरू-सादुलपुर और भिवानी-दोभ बहाली सेक्शन में, SPs और SSPs तथा SCADA के साथ 132/55KV TSS (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफॉर्मर) की डिज़ाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। 3. निविदा प्रपत्र जमा कराने व खुलने की तारीख व समय पहले ही प्रकाशित किया जा चुका है : 13.11.2026 Upto 15.00 Hrs 20.11.2026 Up to 15.00 Hrs 4. संशोधन के बाद निविदा प्रपत्र भरने की अंतिम तारीख व समय : 20.11.2026 Up to 15.00 Hrs निविदा की अन्य सभी शर्ते यथावत रहेगी।
उप मुख्य बिजली अभियन्ता (निर्माण)
1525-CQ/26 उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर
/NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नम्बर मिलाइए
8890333139
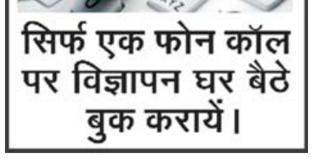
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

एसबीआई लाइफ ने लॉन्च 'प्रीमियम माफी' राइडर किया

■ लंबी अवधि की वित्तीय योजनाओं को जारी रखने में मिलेगी मदद

मुंबई। भारत की सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 'वेवर ऑफ प्रीमियम' राइडर लॉन्च किया है। इसे इस तरह तैयार किया गया है कि गंभीर बीमारी या दिव्यांगता जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण पॉलिसीधारकों की लंबी अवधि की वित्तीय योजनाएं प्रभावित न हों।

वित्तीय नियोजन लंबी अवधि की प्रक्रिया है, जिसमें कई वर्षों तक आर्थिक प्रतिबद्धताएं निभानी होती हैं। बच्चों की शिक्षा की योजना बनाना, रिटायरमेंट के लिए तैयारी करना, परिवार को आर्थिक सुरक्षा देना या अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय जरूरतों को पूरा करना हो, इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा के साथ लंबे समय तक वित्तीय योगदान जारी रखना भी जरूरी है। किसी अप्रत्याशित घटना के कारण प्रीमियम का भुगतान करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। एसबीआई लाइफ का 'वेवर ऑफ प्रीमियम' राइडर इसी जरूरत को ध्यान में रखकर पेश किया गया है। राइडर के तहत इसमें शामिल निर्धारित परिस्थितियों के उत्पन्न होने पर भविष्य के सभी प्रीमियम, अतिरिक्त प्रीमियम सहित, माफ कर दिए जाएंगे। इससे मूल पॉलिसी और उससे जुड़े अन्य राइडर अपनी तय शर्तों के अनुसार जारी रह सकेंगे। इस तरह, पॉलिसीधारक प्रीमियम का भुगतान जारी रखने में असमर्थ होने पर भी परिवार की सुरक्षा और बच्चों की शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्य प्रभावित होने से बच सकते हैं। यह राइडर कंपनी के चुनिंदा व्यक्तिगत नॉन-लिंक्ड और लिंक्ड जीवन बीमा उत्पादों के साथ उपलब्ध होगा। इसके जरिये जीवन बीमा योजना से जुड़ी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को और मजबूती मिलेगी। राइडर लॉन्च के अवसर पर एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के प्रेसिडेंट एवं चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर एम. आनंद ने कहा, वित्तीय सुरक्षा का मतलब सिर्फ भविष्य की जरूरतों के लिए तैयारी करना नहीं है, बल्कि भविष्य की वित्तीय प्रतिबद्धताओं को मुश्किल परिस्थितियों में भी जारी रखने की क्षमता विकसित करना भी है।

देवनानी ने हासी देवी की 200वीं जयंती पर डाक टिकट का अनावरण किया

■ राष्ट्रपति ने माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती पर 200 रूपये का स्मारक सिक्का जारी किया

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रायपुर (छत्तीसगढ) स्थित पूज्य शदाणी दरबार में आयोजित कार्यक्रम में शदाणी दरबार की पांचवीं पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के अवसर पर डाक टिकट जारी किया।

देवनानी ने कहा कि माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती पर डाक टिकट जारी करना उनके आध्यात्मिक योगदान एवं सेवा परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है। संत-महापुरुषों का जीवन समाज को सेवा, सद्भाव, संस्कार और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। शदाणी दरबार की समृद्ध धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपरा भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह डाक टिकट माता साहिब हासी देवी के जीवन एवं योगदान को स्मरण करने के साथ ही उनकी प्रेरणाओं को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

देवनानी ने माता साहिब हासी देवी के जीवन, आध्यात्मिक योगदान एवं शदाणी दरबार की धार्मिक परंपराओं के महत्व को स्मरण करते हुए कहा कि डाक टिकट का विमोचन उनकी स्मृति को संजोने तथा उनके आध्यात्मिक योगदान को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। समारोह को इंदौर के सांसद शंकर लालवानी, पूर्व मंत्री निर्मला वाधवानी, सुरेश खत्री ने भी सम्बोधित किया। समारोह में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आभार मोहन ने ज्ञापित किया।

वासुदेव देवनानी ने कार्यक्रम में पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के अवसर पर डाक टिकट जारी किया।

राष्ट्रपति ने माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती पर 200 रूपये का स्मारक सिक्का जारी किया, स्पीकर देवनानी समारोह में हुए सम्मिलित समारोह में भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में 200 रुपये का स्मारक सिक्का जारी किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित लोक भवन (छत्तीसगढ़ मंडपम) में शदाणी दरबार की पांचवीं पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की 200वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में सम्मिलित हुए। देवनानी ने बताया कि माता साहिब हासी देवी की स्मृति और उनके आध्यात्मिक योगदान को व्यापक स्तर पर सम्मान देने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे आयोजन देश की संत परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की समारोह में उपस्थिति राजस्थान और देश की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान का प्रतीक रही। समारोह भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं, संत परंपरा और समाज सेवा के मूल्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर रहा। माता साहिब हासी देवी का स्मरण भारतीय संस्कृति की उस समृद्ध परंपरा का स्मरण है, जिसमें आध्यात्मिक चेतना, मानवीय संवेदना, सेवा और सद्भाव को विशेष महत्व दिया गया है।

सार्वजनिक सूचना अधिवक्ता के माध्यम से
सर्वसाधारण को मेरे मुवक्किल श्री इकबाल अली खान, उनके पुत्र श्री हैदर इकबाल खान एवं स्वर्गीय श्री यूसुफ इकबाल खान तथा उनसे संबंधित संस्थाओं की ओर से एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि स्टाम्प विक्रेता श्रीमती माया गिरधानी, दुकान नं. 20, आदर्श नगर, जयपुर द्वारा दिसंबर 2015 में जारी ₹10/- मूल्यवर्ग के निम्नलिखित स्टाम्प पेपरों से मेरे मुवक्किल, उनके उक्त पुत्रों एवं संबंधित संस्थाओं का कोई संबंध नहीं है:- 1. स्टाम्प संख्या 1853 एवं 1854- स्वर्गीय श्री यूसुफ इकबाल खान। 2. स्टाम्प संख्या 1855 एवं 1856- श्री हैदर इकबाल खान। 3. स्टाम्प संख्या 1857 एवं 1858- श्री इकबाल अली खान। 4. स्टाम्प संख्या 1859 -ए. आर. ए. मार्बल्स प्राइवेट लिमिटेड। 5. स्टाम्प संख्या 1860- स्मृति माइनिंग कंपनी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उक्त स्टाम्प पेपर अकबर खान, पुत्र श्री इशरत जावेद, द्वारा अनधिकृत एवं कथित रूप से अवैध तरीके से जारी करवाए गए हैं। उक्त व्यक्तियों एवं संस्थाओं का इन स्टाम्प पेपरों से कोई संबंध नहीं है तथा न ही उनके द्वारा अकबर खान को उक्त स्टाम्प पेपर क्रय करने, जारी करवाने अथवा उनकी ओर से प्राप्त करने हेतु किसी प्रकार से अधिकृत या नियुक्त किया गया था। अतः सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित एवं सावधान किया जाता है कि यदि उक्त स्टाम्प पेपरों का पूर्व में उपयोग किया गया है अथवा भविष्य में उपयोग किया जाता है, तो संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं की सहमति अथवा प्राधिकार के बिना ऐसा उपयोग अनधिकृत होगा। मेरे मुवक्किल एवं संबंधित पक्ष ऐसे किसी भी अनधिकृत दस्तावेज अथवा कृत्य से उत्पन्न दायित्व को स्वीकार नहीं करते तथा उनके समस्त विधिक अधिकार एवं उपचार सुरक्षित हैं। यह सार्वजनिक सूचना उक्त तथ्यों के हाल ही में संज्ञान में आने के कारण सर्वसाधारण को अवगत कराने तथा मेरे मुवक्किल, उनके परिवार एवं संबंधित संस्थाओं के हितों की रक्षा हेतु जारी की जा रही है।
नौशाद कुरैशी
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर, राजस्थान

पिछले दिन की जीत के बाद भावनात्मक रूप से वह थोड़ी थकी हुई थीं, लेकिन वह टूर्नामेंट में मिली बढ़त और लय को खोना नहीं चाहती थीं। उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और अगले दौर में पहुंचकर खुशी जताई। - अनाहत सिंह

भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी, सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

सब्बिनेनी मेघना

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज सब्बिनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। आंध्र प्रदेश में जन्मीं मेघना घरेलू क्रिकेट में रेलवे का प्रतिनिधित्व करती थीं। उन्होंने वर्ष 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने भारत की ओर से तीन एकदिवसीय और 17 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। मेघना 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम का भी हिस्सा थीं।

क्या आप जानते हैं ?... भुवनेश्वर कुमार टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट लेने वाले और टी-20आई में सबसे ज्यादा (680) डॉट बॉल फेंकने वाले भारतीय तेज गेंदबाज हैं।

प्रतीका के शतक और श्री चरणी की घातक गेंदबाजी से भारत ने जिम्बाब्वे को नौ विकेट से हराया

भारतीय महिला टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई

वडोदरा, 23 अक्टूबर। प्रतीका रावल के नाबाद शतक और श्री चरणी की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। भारत ने 198 रन के लक्ष्य को केवल 27.1 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। प्रतीका रावल ने 96 गेंदों पर नाबाद 100 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, शेफाली वर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों पर नाबाद 64 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी के दौरान छक्कों की झड़ी लगाकर भारतीय टीम को आसान जीत दिलाई। स्मृति मंधाना ने भी 32 रन का योगदान दिया।

शुक्रवार को बीसीए स्टेडियम कोटांबी में खेले गए इस मुकाबले में जिम्बाब्वे की कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उन्होंने धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी की, लेकिन काफी धीमी गति से रन बनाए। नियमित अंतराल पर उनके विकेट गिरते रहे। भारत को जिम्बाब्वे को ऑलआउट करने में काफी संघर्ष करना पड़ा। उनके बल्लेबाजों ने आखिरी ओवर तक दम दिखाया और 299 गेंदों का सामना किया। सिर्फ आखिरी गेंद नहीं खेल सके। जिम्बाब्वे की बल्लेबाज बिलव्ड बिजा ने अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 92 गेंदों में 62 रनों की पारी खेली जिसमें पांच चौके शामिल थे। भारत के लिए श्री चरणी ने चार, क्रांति गौड ने 3, शैफाली वर्मा ने 1 और दीप्ति शर्मा ने 2 विकेट हासिल किए।

198 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की सलामी जोड़ी में परवर्तन देखने को मिला। आमतौर पर शैफाली वर्मा स्मृति मंधाना के साथ ओपनिंग करती हैं लेकिन कप्तान मंधाना ने अलग सोच दिखाई और प्रतिका रावल को अपने साथ ओपनिंग ले गईं। प्रतिका ने इस मौके को खूब भुनाया और शतक जड़ दिया। उन्होंने 96 गेंदों का सामना करते हुए 100 रनों की पारी खेली जिसमें 15 चौके शामिल थे। उनका साथ कप्तान स्मृति मंधाना ने शुरुआत में दिया लेकिन वे 34 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हो गईं। प्रतिका और स्मृति के बीच पहले विकेट के लिए 94 रनों की साझेदारी हुई। इस स्कोर पर मंधाना के आउट हो जाने के बाद शैफाली वर्मा तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आईं और उन्होंने भी ताबड़तोड़ अंदाज में अर्धशतक जड़ा। शैफाली ने प्रतिका के साथ मिलकर 70 गेंदों में 106 रनों की साझेदारी की। उन्होंने खुद 33 गेंदों में 64 रन पांच चौके और चार छक्कों की मदद से बनाए। भारत ने इस लक्ष्य को 22.5 ओवर यानी 13 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

ओलिंपिक क्रिकेट के क्वालीफायर जनवरी-फरवरी 2028 में

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में क्रिकेट के क्वालिफायर जनवरी-फरवरी 2028 में हो सकते हैं। आईसीसी ने अक्टूबर में दुबई में हुई बैठकों के बाद सदस्य देशों के साथ नया कैलेंडर साझा किया है। क्वालिफायर ऐसे मुकाबले होते हैं, जिनमें टीमें मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने के लिए खेलती हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। महिला वर्ग में 4 टीम पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं। क्वालिफायर में 8-8 टीमें होंगी। हर क्वालिफायर से एक टीम ओलिंपिक में पहुंचेगी। 6 टीमों को दो ग्रुप में बांटकर मुकाबले कराए जाएंगे।

भारत की महिला टीम ने कैसे पक्की की जगह?

भारत की महिला टीम ओलिंपिक में खेलने की जगह पहले ही हासिल कर चुकी है। ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और ग्रेट ब्रिटेन की टीमें भी उसके साथ क्वालिफाई कर चुकी हैं। इन चार टीमों को 2026 के महिला टी-20 वर्ल्ड कप में अपने महाद्वीप की सबसे बेहतर टीम रहने के आधार पर जगह मिली।

पुरुष टीम के लिए रैंकिंग क्यों अहम?

पुरुषों के मुकाबले में अफ्रीका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया। इन चार महाद्वीपों की सबसे ऊंची रैंक वाली टीमों को 31 दिसंबर 2026 की आईसीसी टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग के आधार पर जगह मिलनी है। इसलिए भारतीय पुरुष टीम के लिए साल के आखिर की रैंकिंग बेहद अहम होगी।

// एशियाई पैरा खेल //

एशियाई पैरा खेलों में भारत ने झटके रिकॉर्ड 114 पदक, तालिका में चौथे स्थान पर

30 स्वर्ण, 25 रजत और 49 कांस्य पदक जीतकर भारत ने 2023 के प्रदर्शन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। एशियाई पैरा खेल-2026 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 पदकों के साथ अपने अभियान का समापन किया है। भारत ने 30 स्वर्ण, 34 रजत और 49 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस तरह भारतीय दल ने कुल पदकों की संख्या के मामले में पिछले संस्करण के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। भारत ने शुक्रवार को 9 स्वर्ण सहित कुल 26 पदक जीतकर अपने अभियान का समापन किया, हालांकि, इन खेलों का आधिकारिक समापन 24 अक्टूबर दिन शनिवार को भव्य समापन समारोह के साथ किया जाएगा।

प्रणव सूरमा ने क्लब थ्रो में दिलाया भारत को 30वां स्वर्ण, धरमबीर ने जीता कांस्य

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलीट प्रणव सूरमा ने पुरुषों की क्लब थ्रो एफ51 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश को बड़ी सफलता दिलाई। प्रणव ने 32.87 मीटर दूर क्लब फेंककर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। इसी स्पर्धा में भारत के धरमबीर ने 27.71 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह भारत ने स्पर्धा में दो पदक जीते, जबकि एक अन्य भारतीय खिलाड़ी अमित कुमार मामूली अंतर से पदक से चूककर चौथे स्थान पर रहे।

थुलासिमथि-मानसी की जोड़ी ने महिला युगल एसएल3-एसयू5 वर्ग में जीता स्वर्ण

भारत की थुलासिमथि मुरुगेसन और मानसी गिरिशचंद्र जोशी की जोड़ी ने एशियाई पैरा खेल-2026 में बैडमिंटन की महिला युगल एसएल3-एसयू5 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया है। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक के मुकाबले में चीन की मौजूदा विश्व चैंपियन यांग क्यूशिया और शियाओ जूशियान को सीधे गेमों में 21-16, 21-13 से हराया। भारतीय जोड़ी ने 28 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर स्वर्ण पदक जीता। थुलासिमथि और मानसी ने पूरे मुकाबले में शानदार तालमेल और दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया, जबकि दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमा लिया।

मोना अग्रवाल ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण पदक, अवनी चौथे स्थान पर

भारत की पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल ने पैरा एशियाई खेल-2026 में शुक्रवार को दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। एक अन्य भारतीय अवनि लेखरा चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 357.5 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। चीन की झांग कुइपिंग 353.7 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और रजत पदक जीता। दक्षिण कोरिया की किम मियॉन्ग ने 344.4 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

संदीप और हेनी ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीते स्वर्ण

पैरा एशियाई खेल-2026 में भारतीय पैरा एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व रिकॉर्ड के साथ दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। संदीप ने पुरुषों की 400 मीटर दौड़ में विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि हेनी ने भाला फेंक में नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा अजय कुमार ने 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया। पैरा टेबल टेनिस में जेहान दोराब मदान और शुभम वाधवा ने भी कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में योगदान दिया।

नवीन ने जीता स्वर्ण, सुमति और निमिषा को रजत

पैरा एशियाई खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पैरा बैडमिंटन में नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल-4 स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता, जबकि सुमति सिवन नित्या श्री को महिला एकल में रजत पदक मिला। एथलेटिक्स में प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 स्पर्धा और निमिषा चक्कुंगलपरम्बिल ने महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही भारत ने एशियन पैरा खेल में 100 पदक पूरे हो गए हैं। समाचार लिखे जाने तक पदक तालिका में 100 पदक (25 स्वर्ण, 32 रजत,43 कांस्य) के साथ भारत चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

नितेश कुमार ने प्रमोद भगत को हराकर जीता स्वर्ण

भारत के नितेश कुमार ने एशियाई पैरा खेल-2026 में पुरुष एकल एसएल3 बैडमिंटन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। शुक्रवार को खेले गए फाइनल में उन्होंने हमवतन और मौजूदा विश्व चैंपियन प्रमोद भगत को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया। नितेश के स्वर्ण जीतने के साथ प्रमोद को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ी पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं, जिससे यह मुकाबला भारतीय पैरा बैडमिंटन के लिए खास रहा।

हरविंदर-विजय की जोड़ी ने तीरंदाजी में दिलाया स्वर्ण

एशियाई पैरा खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को खेलों के पांचवें दिन हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की जोड़ी ने पुरुष रिकर्व युगल तीरंदाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके अलावा थुलासिमति मुरुगेसन, प्रमोद और महिला रिकर्व युगल जोड़ी भावना तथा पूजा ने रजत पदक अपने नाम किए। पुरुष रिकर्व युगल स्पर्धा के फाइनल में हरविंदर सिंह और पदार्पण कर रहे विजय सुंडी ने चीन को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। दोनों टीमों के बीच पहला सेट 35-35 से बराबर रहा। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने दूसरे सेट में 37-36 और तीसरे सेट में 38-36 से जीत दर्ज कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। हरविंदर और विजय ने दबाव के बीच सटीक निशाने लगाते हुए चीन की चुनौती को समाप्त किया। हरविंदर लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना से जुड़े खिलाड़ी हैं।

भावना और पूजा ने रचा इतिहास,महिला रिकर्व युगल स्पर्धा में जीता रजत पदक

भारतीय पैरा तीरंदाज भावना और पूजा जाट्ययान ने एशियाई पैरा खेल-2026 में शुक्रवार को महिला रिकर्व युगल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय खेल प्राधिकरण के सोनीपत स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण लेने वाली इस जोड़ी ने फाइनल तक का सफर तय किया। इस स्पर्धा में भारत का यह पहला पदक है।

चोट के कारण दूसरे टी-20 से बाहर हुए ईशान किशन, वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

क्राइस्टचर्च, 23 अक्टूबर। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार, 24 अक्टूबर को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बाहर हो गए हैं। उन्हें दाहिनी जांघ की मांसपेशी में खिंचाव आया है। यह चोट उन्हें श्रृंखला के पहले मुकाबले के दौरान लगी थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है।

ईशान की चोट के कारण ही भारत ने पहले टी20 मुकाबले में अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया था। उनके नियमित तीसरे नंबर पर तिलक वर्मा को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, जबकि ईशान पांचवें नंबर पर उतरे। हालांकि, ईशान तीन गेंदों पर एक रन बनाकर मिचेल सैंटनर की गेंद पर बाउंड्री के पास कैच आउट हो गए। तिलक वर्मा भी 11 गेंदों पर छह रन बनाकर माइकल ब्रेसवेल का शिकार बने। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने पहले मुकाबले के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि ईशान की कमर के पास मांसपेशी में खिंचाव है। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किसी रणनीतिक फैसले के तहत नहीं, बल्कि ईशान की चोट के कारण किया गया था। कोटक ने उस समय ईशान के एक मुकाबले से बाहर रहने की आशंका जताई थी।

ईशान की जगह अंतिम एकादश में वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलने की संभावना है। वैभव पिछले चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारतीय टीम की अंतिम एकादश से बाहर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने भारत के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक अभियान के दौरान सेमीफाइनल और फाइनल में हिस्सा लिया था।

सिंधु फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची, अश्मिता चालीहा का संघर्षपूर्ण सफर क्वार्टर फाइनल में थमा

पेरिस, 23 अक्टूबर। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सिंधु ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियान को सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराया। भारत की अश्मिता चालीहा को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ 21-10, 17-21, 21-16 से हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहले गेम में चिउ को दबाव में रखते हुए 21-13 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में भी सिंधु ने अपना दबदबा बनाए रखा और मध्यांतर तक 11-2 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। चिउ ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सिंधु ने उन्हें ज्यादा अवसर नहीं दिया और दूसरा गेम 21-14 से जीतकर अंतिम चार में प्रवेश कर लिया।

मेफेयर पोलो को हराकर जयपुर ने 7-5 के स्कोर से जीता मैच

जयपुर, 23 अक्टूबर। जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत शुक्रवार को बीएम बिड़ला कप (4 गोल्स) टूर्नामेंट के लिए टीम मेफेयर पोलो और टीम जयपुर के बीच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर मुकाबला हुआ। इस रोमांचक मुकाबले में 7-5 के स्कोर से टीम मेफेयर पोलो को हराकर टीम जयपुर ने मैच अपने नाम कर लिया। विजेता टीम जयपुर की ओर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 4 गोल और डीनो धनखड़ ने 3 गोल किए। टीम से विश्वराज सिंह राठौड़ और अनय शाह भी खेले। मेफेयर पोलो से प्रताप सिंह कानोता ने 2 गोल हासिल किए। वहीं, देवव्रत सिंह झालामंड, सिद्धांत सिंह और शमशीर अली प्रत्येक ने 1 गोल किया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला कल नाइट पोलो में टीम जयपुर और टीम मेफेयर पोलो के बीच खेला जाएगा। मैच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 6.30 बजे से आयोजित होगा।

खुशी के स्वर्ण से चमका राजस्थान, मिक्स टीम ने भी जीता गोल्ड

जयपुर, 23 अक्टूबर। जगतपुरा स्थित तीरंदाजी रेंज पर चल रही 46वीं जूनियर नेशनल तीरंदाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खुशी कुमावत ने महिला व्यक्तिगत एलिमिनेशन में स्वर्ण और रैंकिंग राउंड में रजत पदक जीता। वहीं अथर्व शर्मा ने पुरुष रैंकिंग राउंड में रजत पदक हासिल किया।

मिक्स टीम स्पर्धा में अथर्व शर्मा और खुशी कुमावत की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का मान बढ़ाया। पुरुष रैंकिंग राउंड में मेघालय के देवराज महापात्र ने स्वर्ण, जबकि महिला वर्ग में प्रांजल ठोलिया ने पहला स्थान हासिल किया। पुरुष टीम में पंजाब और महिला टीम में महाराष्ट्र ने स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने बताया कि प्रतियोगिता में पदक विजेताओं को समारोह में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी शिप्रा शर्मा, भारतीय तीरंदाजी संघ के संयुक्त सचिव संदीप जायसवाल और अर्जुन पुरस्कार विजेता राहुल बनर्जी मौजूद रहे। प्रतियोगिता 27 अक्टूबर तक आयोजित होगी।

राज्य सब-जूनियर बैडमिंटन में मुख्य दौर के मुकाबले शुरू

सीकर, 23 अक्टूबर। राजस्थान राज्य सब-जूनियर (अंडर-11 एवं अंडर-13) बैडमिंटन चैंपियनशिप में शुक्रवार को मुख्य ड्रॉ के मुकाबलों में युवा खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। बालिका अंडर-13 एकल वर्ग में राउंड ऑफ 64 तथा बालक अंडर-11 और अंडर-13 वर्गों में विभिन्न दौर के मुकाबले खेले गए। बालिका अंडर-13 एकल वर्ग में गीत शर्मा, रीवा गुर्जर, आराध्या बिश्नोई, जलजाक्षी चौधरी, अविका मीणा, केया शर्मा, स्वरा टकसाली, देवांशी, चित्रांशी गुप्ता, दिव्यांशी यादव, खुशी राठी और विधि नेगी ने जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। बालक अंडर-11 एकल वर्ग के राउंड ऑफ 128 में रिद्धान धनावत, पुरंजय सिंह राठौड़, विवान, नुपुंज जांगिड़, श्रेयांश, नक्ष माथुर और अंश कुमार ने अपने मुकाबले जीते।

राजस्थान के 40 से ज्यादा खिलाड़ी दूसरे दौर में, जल्द बनेगा ऑल ग्लास कोर्ट

खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने की घोषणा, पहले दिन करीब 300 मुकाबले खेले गए

जयपुर, 23 अक्टूबर। सब जूनियर एवं जूनियर नेशनल स्क्वैश चैंपियनशिप के पहले दिन राजस्थान के 40 से ज्यादा खिलाड़ियों ने जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। शुक्रवार को एसएमएस स्टेडियम, जयपुर क्लब और मॉडर्न स्कूल के कोर्ट्स पर क्वालीफाइंग राउंड के करीब 300 मुकाबले खेले गए। आरएस एकेडमी के समर देवरवाल, अर्णव जैन, हार्दिक सोनी, ओम ठाकुर, प्रथम चौधरी, हार्विन सेठिया, श्लोक सोमानी, अमय महाजन और विवान ने दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, मेयो कॉलेज अजमेर के आरव राठी, अधिराज अग्रवाल और अभय मिर्धा के अलावा जोधपुर के सिद्धांत मुर्जानी, अविश खेतानी और देवांश सिंघल ने भी अपने मुकाबले जीते। अविरल गुप्ता, काव्यांश सिंह, आरुष कांकरिया, यदुराज सिंह गहलोत, विवान कुमार भाटिया, ध्रुव गुप्ता और तरण मक्कड़ भी विजयी रहे। इससे पहले खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। उन्होंने एसएमएस स्टेडियम में जल्द ही ऑल ग्लास स्क्वैश कोर्ट बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए स्थान और बजट तय हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का प्रशिक्षण वास्तविक मुकाबलों की परिस्थितियों के अनुरूप होना चाहिए, ताकि वे प्रतियोगिता के दबाव से बेहतर ढंग से निपट सकें। एक श्रेष्ठ खिलाड़ी तैयार करने में पूरे इकोसिस्टम की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस अवसर पर राजस्थान स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र मेहता, सचिव धीरज सिंह, जयपुर क्लब के अध्यक्ष अजीत सक्सेना, सचिव हिमांशु सहगल और आयोजन सचिव सुरभि मिश्रा मौजूद रहे।

खेल प्रशिक्षकों का डेटाबेस बनाएंगी क्रीड़ा परिषद, खेल मित्र पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य

जयपुर, 23 अक्टूबर। राजस्थान में खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति और अंशकालिक सेवाओं के लिए योग्य अभ्यर्थियों का डेटाबेस तैयार किया जाएगा। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने इसके लिए 'खेल मित्र पोर्टल' शुरू किया है। परिषद के साथ कोच या पार्ट-टाइम कोच के रूप में कार्य करने के इच्छुक प्रशिक्षकों को पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। परिषद के सचिव राजकेश मीणा ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी://...पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं। आवेदन के दौरान सही जानकारी दर्ज करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पोर्टल के माध्यम से प्रदेशभर के योग्य प्रशिक्षकों का व्यवस्थित डेटाबेस तैयार किया जाएगा। भविष्य में प्रशिक्षकों की आवश्यकता होने पर परिषद इसी डेटाबेस के आधार पर अभ्यर्थियों से संपर्क करेगी।

राजस्थान अंडर-23 महिला टी-20 कैम्प आज

जयपुर, 23 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की ओर से अंडर-23 महिला टी-20 टीम का कैंप 24 अक्टूबर से जयपुर में आयोजित किया जाएगा। कैंप के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों की 35 महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। चयनित खिलाड़ियों में अजमेर से दीक्षा के. सैनी और विद्या रावत, अलवर से वंशिका यादव और निकिता, बीकानेर से कंचन और काव्या बिश्नोई, दौसा से याना वर्मा और सोनम सैनी तथा हनुमानगढ़ से सिमरन कौर और आरती बिश्नोई शामिल हैं। जयपुर से मानसवी कट्टा, यशस्वी कट्टा, शिवानी चौधरी, अंजलि जाट, अनुष्का चौधरी, हृतिका भाटी और अर्चना योगी को चुना गया है। इसके अलावा जोधपुर, नागौर, उदयपुर, सीकर, झुंझुनूं, बाड़मेर, बांसवाड़ा, श्रीगंगानगर, प्रतापगढ़ और राजसमंद जिलों की खिलाड़ी भी कैंप में भाग लेंगी।

सुफियान की हैट्रिक से जयपुर की जीत, सिरोही को 4-0 से हराया

जयपुर, 23 अक्टूबर। सुफियान की शानदार हैट्रिक और अनुज के एक गोल की बदौलत जयपुर की टीम ने सिरोही को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों ने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन जयपुर की आक्रामक रणनीति के सामने सिरोही की टीम दबाव में नजर आई। मैच के 25वें मिनट में सुफियान ने शानदार गोल कर जयपुर को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 30वें मिनट में अनुज ने गोल दागकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। दूसरे हाफ में जयपुर ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखा। 15वें मिनट में सुफियान ने अपना दूसरा गोल किया, जबकि 25वें मिनट में एक और गोल दागकर अपनी हैट्रिक पूरी की और टीम को 4-0 की शानदार जीत दिलाई। मुकाबले में कबीर और दिव्यांशु ने भी बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, वहीं मनीष ने शानदार डिफेंडिंग करते हुए टीम की रक्षापंक्ति को मजबूती प्रदान की। मुख्य कोच विश्वजीत सिंह के मार्गदर्शन में जयपुर की टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक फुटबॉल का प्रदर्शन किया। टीम मैनेजर राहुल गुर्जर भी इस दौरान मौजूद रहे। इस जीत के बाद जयपुर की टीम की नजर अगले मुकाबले पर है। अब जयपुर का क्वार्टर फाइनल मुकाबला हनुमानगढ़ और उदयपुर के बीच होने वाले मैच के विजेता से कल सुबह 8 बजे खेला जाएगा। टीम अगले मुकाबले में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत की लय बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

सीनियर फुटबॉल चैम्पियनशिप में जयपुर, हनुमानगढ़ और भीलवाड़ा की जीत

आबू रोड (सिरोही), 23 अक्टूबर। राजस्थान सीनियर फुटबॉल चैंपियनशिप के दूसरे दिन विभिन्न जिलों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। जयपुर ने मेजबान सिरोही को 4-0 से हराया, जबकि हनुमानगढ़ ने सवाई माधोपुर और गंगानगर ने जालोर को 4-0 व 2-0 से शिकस्त दी। अन्य मुकाबलों में सीकर ने जोधपुर अकादमी को 3-1, बीकानेर ने बूंदी को 1-0, जोधपुर ने नागौर को 2-0, झुंझुनूं ने राजसमंद को 3-1, कोटा ने चित्तौड़गढ़ को 3-0 और अजमेर ने धौलपुर को 1-0 से हराया। भीलवाड़ा ने दौसा को 4-3 से पराजित किया। उदयपुर ने हनुमानगढ़ को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया, जबकि जोधपुर ने झुंझुनूं के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के तीसरे दिन क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

ई-निविदा सूचना दिनांक :- 21/10/2026

ई-निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
RSMM/CO/GGM(Cont.)/ LE-Taxi/2026-27/123 Dated 13.10.2026 UBN No. MML2627SLLB00136	आरएसएमएमएल कॉर्पोरेट कार्यालय, उदयपुर में राजस्थान सरकार के परिपत्र संख्या एफ.2(4) एफडी /एसपीएफसी/2017 जयपुर दिनांक 03.10.2023 वित्त विभाग (जी एंड टी एसपीएफसी) की दरों, नियमों व शर्तो के अनुसार मासिक आधार पर मय ड्राईवर किराए पर 04 (चार) टेक्सी कार (मॉडल 2025 ओर उसके बाद) व्यक्तिगत फार्मो, ट्रावेल एजेंसियों ओर सेवा प्रदाताओं से सीमीत प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं। अनुमानित लागत 27.75 लाख। अनुबंध अवधिः 02 वर्ष।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा प्रमुख (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/12372 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

दिनांक :- 21/10/2026

संशोधित निविदा सूचना - 02

ई-निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस/ प्रमुख एवं प्रभारी-एलएस/ संविदा-09/2026-27 दिनांकः-15.09.2026 UBN : MML2627SSOB00120	आर.एस.एम.एम.एल के एसबीयू एंव पीसी लाइमस्टोन जोधपुर कार्यालय में लेखा कार्मिको के माध्यम से बिक्री लेखांकन का कार्य करने हेतु। अनुमानित मूल्य (रू.) 20.00 लाख, धरोहर राशि (रू.) - 40000/-, निविदा राशि - 1180/- निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 28.10.2026 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनिकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 29.10.2026 को सांय 3.30 बजे।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/26/12373 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगर परिषद हिण्डौन सिटी जिला करौली (राज.)

क्रमांक :- 2416 दिनांक - 21.10.2026

ई-निविदा सूचना वर्ष 2026-27

नगर परिषद हिण्डौन सिटी द्वारा वर्ष 2026-27 के तहत स्टोर शाखा/संस्थापन शाखा/पूल शाखा से सामग्री आपूर्ति एवं अन्य कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसमें पंजीकृत संवेदको/एन.जी.ओ./प्लेसमेन्ट एजेन्सियों/उत्पादको/संभरण कर्ताओ एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक संवेदको को ई-निविदा में भाग लेने हेतु बेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

NIB CODE : DLB2627A8970

आयुक्त
नगर परिषद हिण्डौन

राज.संवाद/सी/26/12396

कार्यालय नगर पालिका, बालेसर सत्ता (जोधपुर) राज.

Municipal Board, Balesar Satta (Jodhpur) Rajasthan e-mail:- eombbalesar2022@gmail.com

क्रमांकः-नपाबास./स्टोर/2026-27/1474 दिनांकः- 12.10.2026

-: ई-निविदा सूचना :-

(एनआईबी नं. - DLB2627A8704)

उक्त सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका बालेसर सत्ता द्वारा Supply and Installation of Street Lights at Various Location in Nagarpalika balesar कार्य की संवेदक/फर्मो के लिए मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जिस कार्य की अनुमानित लागत 35.07 लाख रू. हैं। उक्त निविदा को ऑनलाईन जमा कराने की अंतिम दिनांक 22.10.2026 को शाम 06.00 बजे तक व उक्त दस्तावेजो की हार्डकॉपी कार्यालय नगरपालिका बालेसर सत्ता में जमा कराने की दिनांक 23.10.2026 को दोपहर 01.00 बजे तक रखी गई हैं। तथा प्राप्त निविदा कॉपी को दिनांक 26.10.2026 को सुबह 10.00 बजे खोली जायेगी।

उक्त कार्य की निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती हैं।

राज.संवाद/सी/26/12350 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

कांग्रेस सरकार में विद्युत तंत्र के कुप्रबंधन से उपभोक्ता बिजली को तरसते थे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार से 5 गुना अधिक बिजली उत्पादन क्षमता हासिल की

जयपुर, 23 अक्टूबर। राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने, प्रदेश की अपार सौर ऊर्जा क्षमता का प्रभावी उपयोग करने और भविष्य की बढ़ती बिजली आवश्यकताओं के अनुरूप मजबूत आधारभूत ढांचा विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। योजनाओं और नीतियों के समयबद्ध क्रियान्वयन से भाजपा सरकार ने 34 माह के कार्यकाल में, पूर्ववर्ती सरकार के पहले 34 माह के साथ-साथ पूरे 5 वर्ष के कार्यकाल के कार्यों को कई गुना पीछे छोड़ते हुये, बड़े कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि आज प्रदेश के 26 जिलों में किसानों को दिन के दो ब्लॉक में बिजली मिल रही है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बिजली उत्पादन और सौर ऊर्जा उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि राज्य सरकार की नीतियों के सफल क्रियान्वयन का परिणाम है। आज हमारी सरकार के समय प्रदेश में 26 जिलों में अन्नदाताओं को दिन के दो ब्लॉक मे बिजली मिल रही है। कस्बों से लेकर गांव-ढाणी तक गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार के समय में विद्युत तंत्र कुप्रबंधन का शिकार रहा, डिस्कॉम्स घाटे में ही रहे और उपभोक्ता बिजली को तरसे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार ने रोडमैप के तहत, बिजली, पानी जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर प्रतिबद्ध होकर कार्य किया है। परिणामस्वरूप गत 34 माह के कार्यकाल में राज्य के उपयोग के लिए बिजली उत्पादन क्षमता में 10 हजार 920 मेगावाट की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस के पूरे 5 वर्ष के कार्यकाल में यह आंकड़ा 3 हजार 958 मेगावाट तक ही पहुंचा था। इस प्रकार भाजपा सरकार के कार्यकाल में कांग्रेस की तुलना में पौने तीन गुना बिजली उत्पादन की वृद्धि दर्ज की गई है। अगर कांग्रेस सरकार के पहले 34 महीनों की तुलना की जाए तो भाजपा सरकार का आंकड़ा लगभग 5 गुना से अधिक है।

उन्होंने कहा, राजस्थान डिस्कॉम्स की वित्तीय स्थिति इस सरकार के कार्यकाल में उल्लेखनीय रूप से बेहतर हुई है। अजमेर डिस्कॉम ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 825 करोड़ रूपये एवं वर्ष 2025-26 में जयपुर डिस्कॉम ने 931 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहा बोरा की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की बेंच ने ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा की दिल्ली पुलिस की ओर से जारी नोटिस के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। याचिका में नेहा बोरा ने दस हजार रुपये के निजी मुचलका भरने और शांति बनाए रखने का निर्देश देने वाले आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने 22 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

नेहा बोरा को 16 अक्टूबर, 2026 को तब एहतियातन गिरफ्तार किया गया था, जब वे काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के "लहरा दो तिरंगा" मार्च में हिस्सा लेने जा रही थीं। दिल्ली पुलिस ने नेहा बोरा को 17 अक्टूबर को रिहा कर दिया था।

जयपुर जिले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

19 ग्राम पंचायतों में 120, जोबनेर की 28 ग्राम पंचायतों में 232, किशनगढ़ रेनवाल की 26 ग्राम पंचायतों में 184, मौजमाबाद की 27 ग्राम पंचायतों में 185 तथा सांभर की 26 ग्राम पंचायतों में 157 अभ्यर्थी सरपंच पद के लिए चुनाव मैदान में हैं।

जनवरी से मोबाइल फोन में लागू होगा सिम लॉग इन वेरिफिकेशन

सिम बांइडिंग नियम से मैसेजिंग एप को यूजर्स के रजिस्टर्ड मोबाइल के सिम से लिंक होना होगा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर। डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्युनिकेशन (डीओटी) ने मैसेजिंग और कम्युनिकेशन एप्स को 1 जनवरी, 2027 से "सिम-बाइंडिंग" नियमों का पालन करने का निर्देश दिया है। नियमों के तहत एप्स को सिम आधारित लॉगइन वेरिफिकेशन भी लागू करनी होगी। इसका उद्देश्य यूजर के अकाउंट को उसके रजिस्टर्ड भारतीय मोबाइल नंबर के एक्टिव सिम कार्ड से लिंक रखना तथा ऑनलाइन स्कैम को रोकना है।

डीओटी ने 28 नवंबर 2025 को टेलीकॉम सायबर सिक्योरिटी रूल्स, 2024 के तहत सिम बाइंडिंग के निर्देश जारी किए थे। इसके साथ ही सरकार ने 1 दिसंबर 2025 को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के जरिए इस आदेश को सार्वजनिक किया था। शुरुआत में इसे लागू करने के लिए 90 दिन का समय दिया गया था। बाद में इससे पालन करने की समय सीमा बढ़ाकर 31 दिसंबर 2026 कर दी गई थी। शुरुआत में इसमें व्हाट्सएप, टेलीग्राम, स्नैपचैट, अरट्टई, शेयरचैट, जोश, जिओचैट और सिंगल एप्स शामिल थे।

■ **डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकम्यूनिकेशन का कहना है कि इस व्यवस्था से ऑन लाइन स्कैम को रोका जा सकेगा।**

ये नियम उन एप्स के लिए हैं, जो कम्युनिकेशन सर्विस ऑफर करते हैं, जो यूजर्स की पहचान या सेवाएं देने के लिए इंडियन मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करते हैं।

सिम-बाइंडिंग के नियम के तहत मैसेजिंग एप को यूजर्स के रजिस्टर्ड इंडियन मोबाइल नंबर के एक्टिव सिम कार्ड से लिंक रहना अनिवार्य होगा। अगर सिम कार्ड निकाल दिया जाता है या सिम एक्टिव नहीं रहता है, तो एप उस डिवाइस पर काम नहीं करेगी।

इसके साथ ही वेब वर्जन के लिए भी नियम लाए गए हैं। खबरों की मानें तो कई मैसेजिंग एप्स ने इन नियमों के पालन की तैयारी भी शुरू कर दी है। वॉट्सएप इसके लिए ट्रैकर फीचर लेकर आएगा, जो यह चेक करेगा कि यूजर के फोन में सिम कार्ड मौजूद है या नहीं।

सरकार कहना है कि इन नियमों से डिजिटल स्कैम को कम किया जा सकता है। टेलीकॉम डिपार्टमेंट का कहना था कि बैंकिंग और यूपीआई एप्स में सिम-लिंक्ड वेरिफिकेशन को सफलता पूर्वक किया गया है।

पूर्व उपराष्ट्रपति एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरोंसिंह शेखावत की 103वीं जयंती पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जयपुर के विद्याधर नगर स्थित भैरों सिंह शेखावत स्मृति स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, सांसद मदन राठौड़, सतीश पूनिया, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी सहित विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे

यूपी विधान परिषद चुनाव में 55.24 प्रतिशत मतदान

लखनऊ, 23 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों को मिलाकर, कुल 11 सीटों के द्विवार्षिक चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। सभी सीटों पर कुल 55.24 फीसदी मतदान हुआ है। मतदान सुबह आठ बजे से अपराह्न चार बजे तक चला।

■ **चुनाव परिणाम 27 अक्टूबर को आयेंगे।**

गोरखपुर, मुजफ्फरनगर और आगरा जैसे कुछ जिलों में गड़बड़ी के आरोप-प्रत्यारोप के साथ मतदान शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। इसी के साथ 152 उम्मीदवारों का भाग्य बैलट बक्से में कैद हो गया है। 27 अक्टूबर को चुनाव परिणाम आएगा।

उल्लेखनीय है कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों की निगरानी में मतदान केन्द्रों पर त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा तैयार किया गया था, ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी न होने पाए। स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के इस चुनाव में प्रदेश भर में 14 लाख 81 हजार 310 मतदाता हैं।

अमिताभ बच्चन के घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली

मुंबई मेयर के कार्यक्रम को प्राप्त ई-मेल में दिलजीत दोसांझ व कई स्कूलों को निशाना बनाया गया

मुंबई, 23 अक्टूबर। अमिताभ बच्चन के घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। शुक्रवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की मेयर रितु तावड़े के कार्यालय को बम धमाकों से जुड़ा धमकी भरा एक ईमेल मिला है। इस ईमेल में अमिताभ बच्चन के साथ ही, सिंगर दिलजीत दोसांझ और शहर के कई स्कूलों को भी निशाना बनाने की धमकी दी गई है। पुलिस के मुताबिक, खालिस्तान नेशनल आर्मी (केएनए) नाम के एक संगठन ने इस धमकी की जिम्मेदारी ली है।

■ **पुलिस के अनुसार खालिस्तान नेशनल आर्मी नाम के संगठन ने धमकी की जिम्मेवारी ली।**

■ **ई-मेल के बाद पुलिस की गहन जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।**

बीते रविवार को टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले और सलमान खान से लेकर ऋतिक रोशन जैसे दिग्गज सैलिब्रिटीज़ के घर की रेकी के बाद, यह खबर दिल दहला देने वाली है। 23 अक्तूबर को सुबह 11:31 बजे भेजे गए ईमेल में मुंबई मेयर कार्यालय में रात 3:11 बजे धमाका करने की धमकी दी गई है। ईमेल में 31 अक्तूबर को मुंबई के एक स्कूल में ग्रेनेड हमले और 27 नवंबर को महालक्ष्मी रेस कोर्स में बम धमाके की धमकी दी गई है। इसके अलावा, ईमेल में खालिस्तान समर्थक नारे का उल्लेख किया गया है। धमकी भरे ईमेल की जांच की जा रही है।

मुंबई पुलिस ने पुष्टि की है कि ईमेल मिलने के बाद उन्होंने गहन जांच की, लेकिन कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। मेयर के कार्यालय को यह ईमेल शुक्रवार सुबह 11:30 बजे मिला था। मुंबई पुलिस के ज़ोन-1 के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) मनीष कलवानिया ने बताया, बीएमसी कार्यालय को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। जांच की गई है और कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

दिल्ली-चेन्नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिखा हुआ संदेश मिला था। धमकी की सूचना मिलने के बाद एहतियातन विमान को आइसोलेशन बे में ले जाने का निर्णय लिया गया, जहां उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलने के बाद यही विमान यात्रियों को लेकर चेन्नई रवाना हुआ।

एयर इंडिया विमान की हैदराबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

हैदराबाद, 23 अक्टूबर। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंडिया के एक विमान की आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। मुंबई जा रही उड़ान एआई 417 में टेकऑफ के महज पांच मिनट बाद तकनीकी खराबी सामने आई। स्थिति को भांपते हुए पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचना दी और विमान को वापस हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया। विमान में सवार सभी 109 यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

■ **मुंबई जाने वाली उड़ान में उड़ते ही तकनीकी खराबी सामने खराबी आई, सभी यात्री सुरक्षित हैं।**

एटीसी के निर्देशों और मार्गदर्शन के बीच पायलट ने विमान को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया पूरी की। कुछ ही देर बाद विमान की हैदराबाद एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है।

बिहार की पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 7 मरे

सीवान, 23 अक्टूबर। बिहार में सीवान जिले के आलमपुर गांव में पटाखा बनाने के दौरान हुए विस्फोट में करीब सात लोगों की मौत हो गई। सीवान के पुलिस अधीक्षक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी तक 05 लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि अन्य लोग अभी अन्दर हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम और एफएसएल की टीम जांच कर रही है, उनकी रिपोर्ट के बाद ही सही जानकारी मिलेगी। ग्रामीणों के अनुसार, मृतकों में एक ही परिवार के पांच लोग शामिल हैं। पटाखा कारोबारी अमीरुद्दीन, उनकी तीन पोतियां, एक पोते के अलावा, दो मजदूरों की बात सामने आई है। हालांकि सीवान के डीएम विजय प्रकाश मीणा और एसपी भरत सोनी ने कहा कि अभी तक 05 लोगों के ही शव बरामद किए जा सके हैं।

'सीमा पर भारत-चीन टकराव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले ही पूरी फोर्स की सभी इकाइयों को "स्ट्राइक ट्रेनिंग" (हमला करने का प्रशिक्षण) दे दी जाएगी। साथ ही गलवान जैसी स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी अग्रिम सीमा चौकियों (फॉरवर्ड बॉर्डर आउटपोस्ट) पर जरुरी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। सुरक्षा बनाए रखने और सीमा की रक्षा के लिए, आईटीबीपी और सेना के जवान ऊंचाई वाले सीमावर्ती इलाकों के अहम और संवेदनशील स्थानों पर तैनात हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए आईटीबीपी अग्रिम मोर्चों पर मजबूत भूमिगत ढाँचों (अंडरग्राउंड इन्फ्रास्ट्रक्चर) का बड़े पैमाने पर निर्माण कर रही है।

इन खुलासों के बाद तुरंत ही राजनीतिक प्रतिक्रिया भी आने लगीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सीमा सुरक्षा और व्यापारिक संबंधों को लेकर मोदी सरकार के रवैये की आलोचना की।

एक्स पर पोस्ट करते हुए रमेश ने मोदी और उनके प्रशासन पर आरोप लगाया कि वे "लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल" (एलएसी) पर चल रहे घटनाक्रमों को लेकर पूरी तरह से खामोश हैं।

मोदी सरकार पर एक और तंज करते हुए कांग्रेस ने कहा, "एक तरफ जहाँ खुद को विश्वगुरु बताने वाले नेता चीन को लगातार रियायतें दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ, आईटीबीपी के महानिदेशक ने अरुणाचल प्रदेश में पीएलए के साथ हाल में हुए टकरावों में अपने जवानों के प्रदर्शन की सराहना की है, जो सही भी है। लेकिन प्रधानमंत्री और उनके प्रशासन ने इस मुद्दे पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।"

"पिछले महीने तक्सिंग में हुई झड़प के बाद, अरुणाचल प्रदेश के वाचा और दामाई में कोर कमांडर स्तर की बातचीत हुई थी। स्थानीय लोगों ने बताया है कि लद्दाख की तरह ही, यहाँ भी हमारे पैट्रोलिंग पॉइंट हमारे हाथ से निकल गए हैं। चीन लगातार अरुणाचल प्रदेश के हमारे कस्बों के नाम बदल रहा है और 60,000 मेगावाट क्षमता वाले एक बाँध का निर्माण कर रहा है, जिससे हमारी पर्यावरणीय और जल सुरक्षा को खतरा है," कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में यह बात कही।

जानकारों ने कहा कि यह वाकई हैरानी की बात है कि आईटीबीपी के जवानों को राष्ट्रीय राजधानी में जंतर-मंतर और अन्य विरोध स्थलों पर हो रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को दबाने के लिए तैनात किया गया है, जबकि चीन के साथ लगी हमारी सीमाओं की सुरक्षा के लिए उनकी सख्त ज़रुरत है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंगः तीनों आरोपी 28 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में

मुंबई, 23 अक्टूबर। मुंबई की एस्प्लेनेड अदालत ने शुक्रवार को फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले में गिरफ्तार तीन आरोपियों को 28 अक्टूबर तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। इन आरोपियों की पहचान अंकित खट्टर, समीर खत्री और जतिन पांचाल के रूप में हुई है। पुलिस ने तीनों को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार करने के बाद आज अदालत में पेश किया था। इस मामले की सुनवाई के दौरान, मुंबई पुलिस ने अदालत को बताया कि इन आरोपियों की फायरिंग की घटना की कथित साजिश में तीनों की अहम भूमिका रही है। पुलिस के अनुसार, अंकित खट्टर कथित तौर पर रेकी करने के लिए मुंबई आया था, जबकि समीर खत्री का वांछित आरोपी अनिल पंडित से संपर्क था।

आईएएस अफसर ने अपने बच्चों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बार-बार नए सिरे से व्यवस्थित करना पड़ता था।

बच्चों के लिए ऐसी स्थितियों का मतलब है, अपने दोस्तों, परिचित शिक्षकों और व्यवस्थित रूटीन को पीछे छोड़ देना। उनका अनुभव बताता है कि जिस करियर को अक्सर अधिकार और नौकरी की सुरक्षा से जोड़कर देखा जाता है, उसकी कुछ कीमत भी चुकानी पड़ सकती है।

मुंडे की यह सलाह सरकारी सेवा को पूरी तरह नकारने के बारे में नहीं है। इसके बजाय, वे चाहते हैं कि उनके बच्चे समाज की सेवा करने के दूसरे रास्तों पर भी विचार करें।

"इंडियन मास्टरमाइंड्स" के अनुसार, उनका मानना है कि युवाओं में पारंपरिक व्यवस्था से बाहर निकलकर करियर के दूसरे विकल्प तलाशने की ऊर्जा, ज्ञान और क्षमता होती है। उनके विचार में, उद्यमिता और जननेतृत्व के जरिए व्यक्ति अपने विचारों को लागू करने और समस्याओं को सुलझाने में कहीं अधिक स्वतंत्र हो सकता है।

मुंडे महाराष्ट्र कैडर के 2005 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वे नियमों को सख्ती से लागू करने और बार-बार होने वाले तबादलों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मई 2026 में महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त का पद संभाला। उनके विभाग ने असुरक्षित खाद्य पदार्थों, मिलावट और घटिया गुणवत्ता वाले उत्पादों के खिलाफ कार्रवाही की है।

अपने करियर के कारण, मुंडे महाराष्ट्र के प्रशासनिक क्षेत्र में एक जाना-पहचाना नाम बन गए हैं। लेकिन उनका हालिया बयान आईएएस बनने के सपने को एक अलग नजरिए से देखने का मौका देता है। किसी एक व्यक्ति का करियर चुनने का फैसला उसके पूरे परिवार के रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर सकता है।

सिविल सेवा की प्रतिष्ठा और उससे जुड़ी जिम्मेदारियों के बीच चुनाव करने वाले युवाओं के लिए मुंडे का अनुभव एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा करता है: आप जो करियर चुनते हैं, उसकी कीमत आपके साथ जीवन बिताने वाले लोगों को कितनी चुकानी पड़ती है?

हाई कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की पालना नहीं की और उसे सेवा में वापस नहीं लिया। प्रार्थी ने अदालती आदेश की पालना के लिए अवमानना याचिका दायर की।

म्यांमार में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जोखिम में रहता है। 1903 में बागो में आए 7.0 तीव्रता के भूकंप से यांगून भी प्रभावित हुआ था।

'अरूणाचल में कई स्थानों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसे लेकर दोनों देशों के बीच विवाद है। यह विवाद औपनिवेशिक काल की सीमाओं (जिनमें मैकमोहन रेखा भी शामिल है) की अलग-अलग व्याख्याओं से जुड़ा है। सन् 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान, चीन ने अक्साई चिन पर कब्जा कर लिया था (जो आज भी उसके नियंत्रण में है, जबकि भारत इस पर अपना दावा करता है)। उस समय चीनी सेना पूर्वी क्षेत्र में भी आगे बढ़ गई थी, लेकिन बाद में पीछे हट गई। कई दशकों तक शांति रहने के बाद, मई-जून 2020 में यह शांति तब भंग हो गई, जब चीनी सैनिक पूर्वी लद्दाख के इलाकों में घुस आए। इसके परिणामस्वरूप 15 जून को गलवान घाटी में एक हिंसक झड़प हुई, जिसमें आमने-सामने की लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए, यह पिछले 45 वर्षों में हुई सबसे भीषण हिंसा थी। बाद में कुछ जगहों पर सेनाएं पीछे हटीं, लेकिन तनाव बना रहा। इसमें अरुणाचल के तवांग में 2022 में हुई झड़प भी शामिल है।

■ **1962 के युद्ध में चीन ने अक्साई चिन पर कब्जा कर लिया था और पूर्वी सैक्टर में भी काफी आगे बढ़ गया था, पर, बाद में पीछे हट गया, लेकिन मई-जून 2020 में चीन ने फिर लद्दाख की गलवान घाटी में घुसपैठ की और इस हिंसक टकराव में 20 जवान शहीद हुए थे, यह 1962 के बाद का सबसे ज्यादा हिंसक टकराव था। वर्ष 2022 में अरूणाचल के तवांग में भी टकराव हुआ था।**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हालात "बेहद चिंताजनक" हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से "सच बताने" की मांग की और पूछा कि क्या डोकलाम और गलवान के बाद, अब एक और गंभीर टकराव की स्थिति बन रही है? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या गश्त (पेट्रोलिंग) करने की पहुंच पर कोई असर पड़ा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की "खामोशी" पर सवाल उठाते हुए, खुद को "विश्वगुरु" कहने वाले पीएम पर "चीन को जान-बूझकर रियायतें देने" का आरोप लगाया। उन्होंने लद्दाख की तरह गश्त वाले पॉइंट्स के हाथ से निकल जाने, चीन द्वारा अरुणाचल की जगहों के नाम बदलने और भारत की जल सुरक्षा के लिए खतरा बने एक बड़े बांध (मेगा-डैम) का जिक्र किया।

इधर सरकार का कहना है कि भारत का कोई भी इलाका हाथ से नहीं गया है। भाजपा प्रवक्ताओं ने सीमा को "बदलता हुआ" (डायनामिक) बताया और कहा कि कहीं-कहीं होने वाली झड़पों को युद्ध नहीं माना जा सकता। वहीं, केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि अरुणाचल में चीन ने कोई नया कब्जा नहीं किया है, हालांकि स्थानीय लोगों ने पशु चराने की जगह को लेकर चिंता जताई है।

'अभी और आराम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बस अपने अनुभव के आधार पर कोई सामान्य विचार साझा कर रहे थे। उनकी भावुक पोस्ट इस बात पर केन्द्रित थी कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घर लौटना, कभी-कभी इलाज के समय से भी ज़्यादा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बच्चन ने ठीक होने के दौरान होने वाले शारीरिक दर्द, भावनात्मक संघर्ष और मानसिक मज़बूती के बारे में बताया।

अपने ब्लॉग पर, अमिताभ बच्चन ने लिखा, "अस्पताल में सर्जरी, आईसीयू, कुशल डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की देखरेख, फिर अस्पताल से छुट्टी और घर वापसी। घर वापसी का यह दौर शारीरिक, मानसिक और व्यावहारिक रूप से सबसे मुश्किल चरण होता है। आप एक सम्मानित चैंपियन हैं और अचानक एक दिन हार आपके सामने आ खड़ी होती है, यह आपके जीवन का सबसे कठिन समय होता है।"

"कुछ लोग हिम्मत से इसका सामना करते हैं, तो कुछ हार मान लेते हैं। जो संघर्ष करते हैं और बहादुर बने रहते हैं, वे हमेशा चैंपियन ही रहते हैं। जो ऐसा नहीं कर पाते, वे समझौता कर लेते हैं और बस अपनी पुरानी उपलब्धियों के सहारे जीते हैं। यह हर किसी का अपना निजी चुनाव है, और दोनों में से कोई भी रास्ता गलत नहीं है। स्वस्थ रहें, खुश रहें।"

उनके ब्लॉग पोस्ट से प्रशंसकों के बीच चिंता पैदा होने के एक दिन बाद, अमिताभ बच्चन ने पर एक और छोटा और रहस्यमयी संदेश शेयर किया। उन्होंने लिखा, "खेल खत्म हो गया है! लेकिन काम अभी भी जारी है।" चूंकि मेगास्टार ने यह नहीं बताया कि उनका क्या मतलब था, इसलिए इस पोस्ट ने उनकी सेहत को लेकर और भी उत्सुकता बढ़ा दी।

मई में, ऐसी खबरें आई थीं कि अमिताभ बच्चन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाद में, ई टाइम्स ने बताया कि ये खबरें गलत थीं। रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेता केवल अपने नियमित मासिक स्वास्थ्य जांच के लिए नानावटी अस्पताल गए थे और उसी दिन घर लौट आए थे।

हरियाणा में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल खत्म

मुख्यमंत्री सैनी के साथ बैठक के बाद माने बिजलीकर्मी

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर। हरियाणा में बिजली कर्मचारियों की तीन दिन से चल रही हड़ताल आखिरकार समाप्त हो गई है। राज्य के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ कर्मचारी संगठनों की हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद हड़ताल खत्म करने का बड़ा फैसला लिया गया है। इस निर्णय से राज्यभर के आम जनजीवन, उद्योगों और प्रशासनिक सेवाओं को बड़ी राहत मिली है।

गुरुग्राम और नूंह में निजी कंपनी "इलेवन पावर" को बिजली आपूर्ति का लाइसेंस दिए जाने के विरोध में बिजलीकर्मी तीन दिन की हड़ताल पर चले गए थे। बुधवार रात दस बजे से शुरू हुई इस हड़ताल ने उद्योगों से लेकर अस्पतालों, स्कूलों, सरकारी कार्यालयों और आम जनजीवन को पूरी तरह से ठप कर दिया था। स्थिति को संभालने के लिए इससे पहले ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने भी कर्मचारियों से काम पर लौटने की अपील की थी और सरकार विभिन्न विकल्पों पर विचार कर रही थी।

■ **कर्मचारी नेताओं ने कहा उनकी हड़ताल बिजली विभाग के निजीकरण के खिलाफ थी।**

पंचकूला के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, ऊर्जा मंत्री अनिल विज और मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की विशेष मौजूदगी रही। वहीं, कर्मचारी संगठनों की ओर से संयुक्त मोर्चा के नेता देवेन्द्र हुड्डा और अनुबंधित कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जीवन सिंह ठाकुर भी मौजूद रहे।

कर्मचारी नेताओं ने स्पष्ट किया कि उनकी यह हड़ताल बिजली विभाग के निजीकरण के विरोध में थी। बातचीत के बाद सरकार ने उनकी मांगों पर सहमति जताई है, जिसके बाद कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल वापस लेने का फैसला किया है। संयुक्त मोर्चा के देवेन्द्र हुड्डा और अनुबंधित कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जीवन सिंह ठाकुर ने संयुक्त रूप से ऐलान किया कि सभी कर्मचारी तुरंत अपनी हड़ताल खत्म कर काम पर लौटेंगे और युद्धस्तर पर बिजली बहाली के काम में जुट जाएंगे, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908